राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

Www.gauravshalibharat.com

गौरवशाली भारत

नई दिल्ली से प्रकाशित

वर्ष : 12
अंक : 108
पृष्ठ : 08
नई दिल्ली
मंगलवार 01 नवंबर 2022
मूल्य : 1.50/-
RNI No .DELHIN/2011/38334

मुख्य अपडेट | पेज 3 सरदार पटेल ने भारतीय एकता और अखंडता को बनाने का काम किया, सरदार पटेल ने हमेशा 'देश पहले और पार्टी बाद में' सिद्धांत का पालन | पेज 5 पहले दलाल काम करवाने का लेते थे टेंडर, अब दलाली के आफिस हो गये खत्म : ब्रजेश पाठक | पेज 7 मोरबी पुल हादसे पर रूस के राष्ट्रपति पुतिन ने जताया शोक, घायलों के जल्द स्वस्थ होने की कामना की

रन फॉर यूनिटी

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला नई दिल्ली में सरदार वल्लभ भाई पटेल की 147वीं जयंती के अवसर पर रन फॉर यूनिटी में।

शिकंजे में मोरबी ब्रिज के गुनहगार

अब तक तक नौ हुए गिरफ्तार ; एसआईटी कर रही जांच

गांधीनगर। गुजरात के मोरबी में हुए दर्दनाक हादसे के बाद पुलिस ने ब्रिज हादसे के गुनहगारों की धर-पकड़ तेज कर दी है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, अब तक इस मामले में 9 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। इससे पहले यह खबर आई थी कि इस हादसे के बाद पुलिस ने सोमवार को 9 लोगों को हिरासत में लिया था। इन सभी लोगों से इस हादसे को लेकर पूछताछ की गई थी। अब यह खबर सामने आ रही है कि पूछताछ के बाद पुलिस ने इन सभी 9 लोगों को गिरफ्तार किया है। इससे पहले जिन 9 लोगों को हिरासत में लिये जाने की खबर सामने आई थी उनमें पुल के प्रबंधक और रखरखाव पर्यवेक्षक शामिल हैं। इसके अलावा पुल के प्रबंधन से जुड़े तमाम लोगों से भी पूछताछ की बात सामने आई थी। कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में बताया जा रहा है कि गिरफ्तार किये गए आरोपियों में ओरेवा कंपनी के 2 मैनेजर, 2 टिकट क्लर्क, 3 सिक्योरिटी गार्ड और 2 रिपेयरिंग कांट्रेक्टर शामिल हैं।

गुजरात में मोरबी शहर के बी डिवीजन क्षेत्र में रविवार को झूला पुल टूटने से मच्छू नदी में गिरने से अब तक 140 से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है तथा

अन्य कई लोग घायल हुए हैं। मृतकों की संख्या बढ़ने की आशंका है। अभी भी नदी में लोगों की तलाश की जा रही है। पुलिस ने बताया कि मच्छू नदी पर बना झूलता पुल कल शाम अचानक टूट गया, जिसके कारण कई लोग नदी में गिर गए। इसके बाद वहां कोहराम मच गया था। रविवार को हादसे के बाद सोमवार को भी राहत कार्य चल रहा था। मोरबी ब्रिज के धाराशायी होने के बाद कई तरह की बातें सामने आ रही हैं। यह पुल पिछले कुछ महीनों से बंद था। कुछ दिन पहले ही इसकी मरम्मत की गई थी। हादसे से महज 5-7 दिन पहले ही यह ब्रिज आम लोगों के लिए खोला गया। आखिर मरम्मती के बाद यह पुल इतनी जल्दी कैस टूट गया? यह भी कहा जा रहा है कि इस पुल पर 100-150 लोगों के आने की क्षमता है लेकिन इसपर रविवार को 400-500 लोग पहुंचे थे। आखिर किसने इतने लोगों को इस पुल पर आने की इजाजत दी है। इस मामले की जांच के लिए विशेष जांच दल का गठन किया गया है। एसआईटी इस मामले में अपनी जांच भी शुरू कर चुकी है। ऐसी आशंका है कि अभी इस मामले में कई अन्य गिरफ्तारियां हो सकती हैं।

गैर इरादतन हत्या का केस

पुलिस ने गुजरात के मोरबी शहर में केबल पुल के रखरखाव और संचालन का काम देखने वाली एजेंसियों के खिलाफ गैर इरादतन हत्या के आरोप में प्राथमिकी दर्ज की है। अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी। मच्छू नदी पर केबल पुल रविवार को टूट गया था। इस हादसे में करीब 134 लोगों की मौत हो गई थी। मोरबी नगर पालिका के मुख्य अधिकारी संदीपसिंह जाला ने रविवार को संवाददाताओं से कहा कि शहर में घड़ियां और ई-बाइक निर्माता ओरेवा समूह को पुल के नवीनीकरण और संचालन का ठेका दिया गया था।

मुआवजे का ऐलान

इस हादसे के बाद प्रधानमंत्री कार्यालय ने ट्वीट किया कि गुजरात में मौजूद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मुख्यमंत्री पटेल और अन्य अधिकारियों से बात की है। मोदी ने प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष (पीएमएनआरएफ) से मृतकों के परिजन को दो-दो लाख रुपये और घायलों को 50-50 हजार रुपये का मुआवजा देने की घोषणा की है। राज्य सरकार ने इस हादसे में मारे गए लोगों के परिजन को चार-चार लाख रुपये और घायलों को पचास-पचास हजार रुपये का मुआवजा दिए जाने की घोषणा की है। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सूत्रों ने बताया कि इस हादसे के बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने राज्य विधानसभा चुनाव के मद्देनजर सोमवार को अहमदाबाद में होने वाला अपना रोड शो रद्द कर दिया है।

राहुल गांधी ने जताया दुख

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने सोमवार को कहा कि गुजरात के मोरबी में पुल दुर्घटना की खबर बहुत दुखद है। मच्छू नदी पर निर्मित यह झूला पुल रविवार शाम टूट गया जिससे 350 से ज्यादा लोग नदी में गिर गए और 100 से ज्यादा लोगों की मौत हो गई। इस पुल का निर्माण औपनिवेशिक काल में हुआ था और हाल ही में इसका जीर्णोद्धार किया गया था। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष श्री गांधी ने ट्वीट कर कहा, गुजरात के मोरबी में पुल दुर्घटना की खबर बहुत दुखद है। मैं सभी शोक संतप्त परिवारों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करता हूं। मैं सभी कांग्रेसी कार्यकर्ताओं से अपील करता हुं कि वे दुर्घटना में घायल लोगों की हर संभव मदद करें और लापता लोगों की तलाश में अपना सहयोग दें।

मोरबी पुल हादसा : गुजरात में 2 नवंबर को होगा राज्यव्यापी शोक, सभी सरकारी समारोह किए गए रद्द

गांधीनगर। गुजरात के मोरबी जिले में रविवार शाम को मच्छु नदी पर बना केबल ब्रिज (झूलता पुल) टूटने की घटना में अब तक कम से कम 134 लोगों की मौत हो चुकी है। मोरबी में हुए इस दर्दनाक हादसे ने सरकार के साथ ही हर किसी को झकझोर कर रख दिया है। गुजरात सरकार ने हादसे में जान गंवाने वाले लोगों की आत्मा की शांति के लिए 2 नवंबर को राज्यव्यापी शोक मनाने का निर्णय लिया है। साथ ही राज्य में सरकारी भवनों पर राष्ट्रीय ध्वज आधा झुका रहेगा और कोई सरकारी समारोह नहीं किया जाएगा।

गुजरात के सीएम भूपेंद्र पटेल ने ट्वीट कर बताया, प्रधानमंत्री नरेंद्र भाई मोदी की अध्यक्षता में गांधीनगर राजभवन में एक उच्च स्तरीय बैठक हुई। इस बैठक में मोरबी की त्रासदी में मारे गए लोगों के शोक में 2 नवंबर को गुजरात में राज्यव्यापी शोक मनाने का निर्णय लिया गया है।

राज्य में सरकारी भवनों पर 2 नवंबर को राष्ट्रीय ध्वज आधा झुका रहेगा और कोई भी सरकारी सार्वजनिक समारोह, स्वागत या मनोरंजन कार्यक्रम आयोजित नहीं किया जाएगा।

मैं पूरे राज्य से विनम्रतापूर्वक अपील करता हूं कि उस दिन इस त्रासदी में अपनी जान गंवाने वाली दिवंगत आत्माओं की शांति और साथ ही उनके परिवारों को इस आघात को सहन करने की शक्ति प्रदान करने के लिए प्रार्थना करें।

बता दें कि, मोरबी पुल हादसे में 140 लोगों की मौत हो चुकी है। रेस्क्यू ऑपरेशन में लगीं थल सेना, जल सेना, वायुसेना और एनडीएफआरएफ की टीमें अब भी अन्य लोगों की तलाश कर रही हैं। राज्य सरकार ने पुल टूटने की घटना की जांच के लिए एक समिति गठित की है।

मोरबी में मच्छु नदी पर बना यह पुल एक सदी से भी अधिक समय पुराना है।

मरम्मत एवं नवीनीकरण कार्य के चलते यह पुल करीब 6 महीने से बंद था और पांच दिन पहले ही इसे आम जन के लिए फिर से खोला गया था।

जम्मू-कश्मीर में सुरक्षा बलों की बड़ी कामयाबी

पुलवामा के रहने वाले 2 आतंकी गिरफ्तार, हथियार बरामद

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर में तैनात सुरक्षा बलों को बड़ी कामयाबी हाथ लगी है। शोपियां जिले के चक केलर इलाके से दो आतंकवादियों को गिरफ्तार किया गया है। इनकी पहचान गौहर मंजूर और आकिब हुसैन नंदा के तौर पर हुई है। ये दोनों पुलवामा के द्रबगाम इलाके के रहने वाले हैं। श्रीनगर रक्षा पीआरओ ने बताया कि इन दहशतगर्दों के पास से जंगी सामान बरामद हुए हैं। दोनों को केलर पुलिस को सौंप दिया गया है।

इससे पहले रविवार को जम्मू कश्मीर पुलिस ने एक आतंकी मॉड्यूल का भंडाफोड़ करने का दावा किया, जिसे यूरोप से संचालित किया जा रहा था। पुलिस ने जम्मू में पाकिस्तान की ओर से

ड्रोन की मदद से हथियारों और विस्फोटकों की खेप गिराए जाने में शामिल उसके 2 सदस्यों को गिरफ्तार किया। आरएस पुरा में अंतरराष्ट्रीय सीमा (आईबी) के साथ बासपुर बांग्ला क्षेत्र में ड्रोन से हथियार गिराए जाने की जांच की जा रही थी। इसी दौरान डोडा के चंदर बोस और कैंप गोले गुजराल के शमशेर सिंह को पकड़ा गया। अधिकारियों ने बताया कि उनके पास से चार पिस्तौल, आठ मैगजीन और 47 गोलियां बरामद हुई हैं।

जम्मू-कश्मीर के सांबा में दिखा संदिग्ध ड्रोन

जम्मू-कश्मीर के सीमावर्ती सांबा जिले में संदिग्ध ड्रोन को उड़ते देखा गया।

सुरक्षा अधिकारियों ने रविवार को इस बारे मे जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि जिले में सीमावर्ती ग्रामीण इलाकों में कुछ संदिग्ध चीज को उड़ता देखा गया और निकटवर्ती पुलिस चौकी को इस बारे में जानकारी दी गई। उन्होंने कहा कि जानकारी मिलते ही एक पुलिस दल पर भेजा गया और बीएसएफ को इस बारे में जानकारी दी गई।

पुलिस की नक्सलियों से मुठभेड़ में दो माओवादी ढेर

कांकेर। छत्तीसगढ़ के कांकेर जिले में आज तड़के सुरक्षा बलों और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ में दो माओवादी मारे गए। पुलिस अधीक्षक शलभ सिन्हा ने बताया कि अंतागढ़ थाना क्षेत्र से कल गश्त में सीमा सुरक्षा बल और रिजर्व पुलिस के जवान गश्त पर निकले थे। आज तड़के जब वापस आ रहे थे। तभी हड़में गांव के जगंल में घात लगाए बैठे नक्सलियों ने पुलिस जवानों पर गोलीबारी की। दोनों ओर से एक घंटे तक गोलीबारी हुई। घटना स्थल से दो माओवादियों के शव बरामद किए गए हैं। उन्होंने बताया कि मुठभेड़ खत्म होने के बाद मौके पर जवानों ने सर्च ऑपरेशन चलाया, जिसमें 2 नक्सलियों के शव बरामद किए गए हैं।

यूपी में छठ पूजा के दौरान 4 की मौत

आजमगढ़ में 4 युवक नदी में डूबे, चंदौली में पुलिया टूटने से 12 लोग नहर में गिरे

आजमगढ़। यूपी में सोमवार को छठ पूजा के दौरान नदी और तालाब में डूबने से 4 लोगों की मौत हो गई। आजमगढ़ में एक दूसरे पर पानी फेंकने के दौरान चार युवक छोटी सरयू नदी के तेज बहाव में डूब गए। मौजूद लोगों ने तीन लोगों को बचा लिया। जबकि एक बालक सत्यम यादव (15) की डूबने से मौत हो गई। उधर, चंदौली में कर्मनाशा नदी पर बना पुल अचानक टूट गया। हादसे में छठ पूजा देखने आए 12 से अधिक लोग नहर में गिर गए। नहर में पानी कम था इसलिए बड़ा हादसा नहीं हुआ। वहीं कुशीनगर के तुर्कपट्टी थाना क्षेत्र के मानसरोवर

तालाब में डूबने से युवक की मौत हो गई। जौनपुर में अर्घ्य का सामान लेकर जा रहे युवक की तालाब में डूबने से मौत हो गई। देवरिया में छठ पर दोस्तों संग तालाब में नहा रहे युवक की डूबने से मौत हो गई।

चंदौली के चकिया कोतवाली क्षेत्र के सरैया गांव में लोग छठ पूजा देखने के लिए कर्मनाशा नहर किनारे जा रहे थे। इस दौरान रास्ते में पड़ने वाला पुल भरभराकर गिर गया। अचानक हुए हादसे में 12 से अधिक लोग नहर में गिर गए। हांलाकि, नहर में पानी कम होने के चलते किसी को चोट नहीं आई। लेकिन मौके पर भगदड़ मच गई।

दिल्ली एयरपोर्ट पर 70 करोड़ की हेरोइन जब्त, पकड़ा गया बेलीज तस्कर

नई दिल्ली। एयरपोर्ट पर नशीले पदार्थों की तस्करी करते पकड़े गए लोगों की कहानी आपने कई बार सुनी होगी। कई बार ये तस्कर अपने देश के होते हैं तो कई बार विदेशी नागरिक भी इसमें शामिल पाए जाते हैं। दिल्ली के इंदिरा गांधी एयरपोर्ट पर एक बेलीज नागरिक को पकड़ा गया है। इस बेलीज नागरिक के पास से कुल 9 किलोग्राम से अधिक हेरोइन जब्त की गई है। इस हेरोइन की कीमत करोड़ों में है। कस्टम डिपार्टमेंट के एक अधिकारी ने बताया

कि जब्त की गई हेरोइन की कीमत 69.95 करोड़ रुपए है। इस विदेशी नागरिक के तस्करी के तरीके से आप हैरान हो जाएंगे। विदेशी नागरिक ने 70 करोड़ की हेरोइन अपने ट्रॉली बैग में छिपा कर रखी थी। एएनआई ने इस तस्करी का वीडियो भी साझा किया है। तस्कर ने ट्रॉली बैग के नीचे 9 किलोग्राम हेरोइन को छिपाया था।

वीडियो में कस्टम डिपार्टमेंट के अधिकारी बेलीज नागरिक के ट्रॉली बैग को हथौड़े से तोड़ रहे हैं। बैग में प्लास्टिक की मजबूत परत के नीचे हेरोइन रखी हुई थी। हथौड़े से तोड़ने के बाद अधिकारियों ने 9 किलोग्राम हेरोइन जब्त किया। इन हेरोइन की कीमत 70 करोड़ के आसपास है।

राजनीतिक रंजिश के चलते बदायूं में ट्रिपल मर्डर

पूर्व ब्लाक प्रमुख, पत्नी और मां की गोली मारकर हत्या

बदायूं। बदायूं में सोमवार शाम को ट्रिपल मर्डर हो गया। पूर्व ब्लाक प्रमुख एवं जिला पंचायत सदस्य राकेश गुप्ता, उनकी पत्नी शारदा और मां शांति देवी की गोली मारकर हत्या कर दी गई। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस मामले की जांच पड़ताल में जुटी हुई है। मामला उसहैत थाना क्षेत्र के सथरा गांव का है। बताया जा रहा है कि 2 बाइक पर 4 हमलावर आए थे। हत्या करने के बाद चारों मौके से फरार हो गए। पुलिस आरोपियों की तलाश कर रही है। एसपी भी घटनास्थल पर पहुंचे हैं।

राजनीतिक रंजिश में हुई हत्या

इस वारदात के पीछे राजनीतिक रंजिश बताई जा रही है। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है।

क्षेत्र में 3 लोगों की हत्या के बाद माहौल तनावपूर्ण है। मौके पर पुलिस फोर्स और पीएसी तैनात है। सपा के कार्यकर्ता भी मौके पर पहुंचकर प्रदर्शन

कर रहे हैं। तीनों शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए बदायूं जिला अस्पताल लाया गया है।

पूर्व ब्लाक प्रमुख समेत उनकी मां और पत्नी की हत्या के वक्त जहां उनकी मां किचन में खाना बना रही थी। वहीं पत्नी दूसरे कमरे में बैठी थी। जबकि दूसरे कमरे में पूर्व ब्लाक प्रमुख बैठे हुए थे। बताया जाता है कि हत्यारे घर के पिछले दरवाजे से अचानक दाखिल हुए और गोलियों की बौछार शुरू कर दी।

ताबड़तोड़ फायरिंग से पड़ोसियों समेत आसपास के इलाके के लोग दहल उठे। हर किसी ने अपना दरवाजा भीतर से बंद कर लिया। माहौल दहशत का था। ऐसे में कोई खुलकर विरोध नहीं कर सका और कातिल असलहे लहराते हुए वहां से भाग निकले।

तीन थानों की पुलिस फोर्स तैनात

घटनास्थल पर फिलहाल उसहैत के अलावा कादरचौक और उसावां थानों की पुलिस मौके पर जा पहुंची है। कातिल कितने थे और पूरे मामले की शुरुआत कैसे हुई? इन सवालों का फिलहाल पुलिस परिजनों समेत आसपास इलाके के लोगों से डाटा जुटा रही है।

हत्या | कॉल करके बुलाया कि अपने पैसे ले जाना; पिस्टल से दाग दी गोलियां

2 हजार रुपए के लिए दोस्त की गोली मारकर हत्या

मेरठ। मेरठ के लिसाड़ीगेट में सोमवार देरशाम दोस्त ने दोस्ती की गोली बरसाकर हत्या कर दी। घटना से आसपास के इलाके में दहशत फैल गई। आरोपी पिस्टल से फायरिंग करते हुए फरार हो गये। सूचना पर एसपी सिटी और दो सीओ मौके पर पहुंचे और घटना की जानकारी ली। वहीं मरने वाले के दूसरे साथी को भी गोली लगी है, जिसे अस्पताल में भर्ती कराया है। 2 हजार रुपए के लिए ही दोस्त ने हत्या को अंजाम दिया है।

2 हजार रुपए के लिए हत्या

लिसाड़ीगेट के समर गार्डन निवासी आदिल (30 साल) पुत्र सराफत

कपड़े बेचने का काम करता था। दिसंबर में वह सउदी जाने की तैयारी में था। इसके साथी साजिम पुत्र शहजाद निवासी जाकिर कॉलोनी को भी गोली लगी है। दोनों को अस्पताल में ले जाया गया जहां आदिल की मौत हो गई।

हापुड़ रोड पर जमुनानगर निवासी बिल्लू पर आदिल के 2 हजार रुपये थे।

आरोपी बिल्लू पैसे देने से मना कर रहा था। शाम को आरोपी बिल्लू जो दोस्त भी है, ने कॉल करके आदिल को बुलाया कि अपने पैसे ले जाना।

जिसके बाद आदिल अपने दोस्त साजिम के साथ लिसाड़ीगेट के रोशनी कॉलोनी में पहुंचा। वहां पहले से मौजूद बिल्लू ने अपने साथियों के साथ पिस्टल से गोली मार दी। जिसमें आदिल के पेट के पास गोली लगी, जबकि दूसरे साथी साजिद के कूल्हे के पास गोली लगनी बताई गई।

पैसे के लेनदेन में हत्या

घटना की सूचना पर एसपी सिटी पीयूष कुमार सिंह, सीओ कोतवाली अरविंद चौरसिया मौके पर पहुंचे। घायलों को हापुड़ रोड पर जगदंबा अस्पताल में ले जाया गया। जहां आदिल की मौत हो गई। यहां भीड़ को देखते हुए सीओ सिविल लाइन देवेश सिंह भी फोर्स के साथ पहुंचे। भारी भीड़ को देखते हुए अस्पताल के बाहर पुलिस तैनात की गई है। सीओ अरविंद चौरसिया का कहना है कि अभी तक की जांच में आया है कि पैसे के लेनदेन में हत्या की गई है।

पांच साल की दोस्ती में गई जान

आदिल की मौत के बाद परिवार के लोगों का बुरा हाल है। परिजनों ने बताया कि आदिल और आरोपी बिल्लू दोस्त रहे हैं। दोस्ती में ही आदिल ने उधार के लिए पैसे दिए थे। लेकिन अब बिल्लू ने अपने साथी फिरोज और अन्य के साथ मिलकर हत्या कर दी।

'द वायर' के संपादकों के घरों पर दिल्ली पुलिस की छापेमारी, इलेक्ट्रॉनिक डिवाइसें की जब्त

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने भाजपा आईटी सेल के प्रमुख अमित मालवीय की शिकायत के आधार पर न्यूज पोर्टल 'द वायर' के संपदाकों के घरों पर छापेमारी की। दिल्ली पुलिस ने 'द वायर' के संस्थापक संपादक सिद्धार्थ वरदराजन और डिप्टी एडिटर एम के वेणु के आवासों की तलाशी ली। यह जानकारी अधिकारियों ने दी। मालवीय से संबंधित खबर को वापस ले लिया गया है। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि समाचार पोर्टल के दो वरिष्ठ संपादकों के इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों की जांच की जाएगी। अधिकारी ने कहा कि मामले में अभी तक किसी की गिरफ्तारी नहीं हुई है। पुलिस ने शनिवार को मालवीय की एक शिकायत पर समाचार पोर्टल और

उसके संपादकों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की थी, जिसमें समाचार पोर्टल पर धोखाधड़ी और जालसाजी करने और उनकी (मालवीय की) प्रतिष्ठा को धूमिल करने का आरोप लगाया गया है। मालवीय ने शुक्रवार को कहा था कि वह 'द वायर' की खबरों (जिन्हें अब वापस ले लिया गया है) को लेकर पोर्टल के खिलाफ दीवानी और फौजदारी मामले चलाएंगे। पोर्टल ने अपनी खबरों में कहा था कि भाजपा नेता को मेटा प्लेटफार्म पर विशेष सुविधा हासिल है और वह भाजपा के हित के खिलाफ समझे जाने वाले किसी भी पोस्ट को हटवा सकते हैं।

मालवीय ने अपनी शिकायत दिल्ली पुलिस के विशेष आयुक्त को दी थी। भाजपा नेता ने अपनी तहरीर में 'द वायर', उसके संस्थापक संपादकों सिद्धार्थ वरदराजन, सिद्धार्थ भाटिया और डिप्टी एडिटर एम. के. वेणु और एक्जीक्यूटिव न्यूज प्रोड्यूसर जाह्नवी सेन, फाउंडेशन फॉर इंडिपेंडेंट जर्नलिज्म और अन्य अज्ञात लोगों का नाम दिया है। समाचार पोर्टल 'द वायर' ने भाजपा के सूचना और प्रौद्योगिकी विभाग प्रमुख अमित मालवीय से जुड़ी खबर के सिलसिले में अपने पूर्व सलाहकार देवेश कुमार के खिलाफ पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है।

शार्ट न्यूज

गहलोत ने मोरबी हादसे के पीड़ितों के परिजनों को दी सांत्वना

जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने गुजरात में मच्छू नदी पर बने मोरबी केबल पुल के टूटने से हुए हादसे में जान गंवाने वाले लोगों के परिजनों से सोमवार को मुलाकात की एवं उन्हें सांत्वना दी एवं ढांढस बधाया। गहलोत ने प्रार्थना सभा में भाग लिया एवं ईश्वर से सभी दिवंगतजनों की आत्मा की शांति की प्रार्थना की। मुख्यमंत्री ने पुल हादसे में घायल हुए लोगों से मोरबी के सिविल हॉस्पिटल में मुलाकात की एवं उनकी कुशलक्षेम पूछी। मुख्यमंत्री गहलोत ने कहा कि मोरबी की घटना बड़ी लापरवाही का उदाहरण है। उन्होंने कहा कि इतने बड़े हादसे की त्वरित जांच होनी चाहिए तथा दोषियों के विरुद्ध कानूनी कार्रवाई होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि पीड़ितों को उचित मुआवजा मिलने के साथ-साथ लापरवाही के जिम्मेदारों को कड़ी सजा मिलनी चाहिए। उन्होंने कहा कि इतनी बड़ी संख्या में लोगों की जान लेने का जिम्मेदार यह घोटाला पूरी तरह सामने आना चाहिए एवं पीड़ितों को न्याय मिलना चाहिए। उन्होंने कहा कि इस हादसे की जांच उच्च न्यायालय के न्यायाधीश की अध्यक्षता में होनी चाहिए गौरतलब है कि श्री गहलोत ने आज मोरबी में घटनास्थल पर पहुंचकर हादसे की पूरी जानकारी ली। उन्होंने राहत एवं बचाव कार्यों में लगे बचाव दल के सदस्यों को लोगों की जान बचाने के लिए दी जा रही सेवाओं के लिए धन्यवाद दिया।

ट्रेन में भूले ज्वैलरी और कीमती सामान से भरा बैग, रेलवेकर्मियों की सक्रियता से मिला

बीकानेर। राजस्थान में बीकानेर से रेवाड़ी जा रही रेलगाडी में शादी में शरीक होने नापासर पहुंचे एक दम्पत्ति ज्वैलरी और कीमती सामान से भरा बैग गाड़ी में ही भूल गए और नापासर स्टेशन पर उतर गए। उतरने के बाद दम्पति को याद आया लेकिन तब तक ट्रेन गंतव्य की ओर रवाना हो चुकी थी। गाड़ी में जा रहे अतिरिक्त मुख्य न्यायाधीश रेलवे बीकानेर के चेकिंग स्टाफ राजीव जोशी और आरपीएफ जवान छेलदान को नापासर स्टेशन से सूचना मिली। दोनों ने ट्रेन में बैग को ढूंढकर वापिस दिल्ली सराय रोहिल्ला एक्सप्रेस से बीकानेर आने वाली ट्रेन में आकर नापासर स्टेशन पर इंतजार कर रहे करन घारु को बैग सुपुर्द किया। इस अवसर पर नापासर रेलवे स्टेशन अधीक्षक राजेंद्र कुमार मीणा, रेलवे कर्मचारी सुरेश छिम्पा भी मौजूद थे। जानकारी के अनुसार करन घारु बीकानेर के रहने वाले हैं और अपनी पत्नि के साथ नापासर अपने ससुराल शादी में गए थे, करीबन डेढ़ घण्टे इंतजार के बाद आरपीएफ एवं चेकिंग स्टाफ की सक्रियता से उन्हें अपना बैग वापिस मिल गया।

हमीरपुर में महिला मतदान अधिकारियों को दिया गया प्रशिक्षण

हमीरपुर। हिमाचल प्रदेश में विधानसभा चुनाव में प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र के दो मतदान केंद्रों पर महिला अधिकारियों एवं कर्मचारियों के माध्यम से ही मतदान प्रक्रिया कराने के भारतीय निर्वाचन आयोग के फैसले को अंजाम देते हुए जिला हमीरपुर प्रशासन एक विशेष पहल करने जा रहा है। इस विशेष पहल के तहत जिले के पांच विधानसभा क्षेत्रों में से प्रत्येक के पांच मतदान केंद्रों पर महिला अधिकारियों की नियुक्ति पहले की तुलना में की जाएगी.उपायुक्त एवं जिला निर्वाचन अधिकारी देबस्वेता बानिक ने सोमवार को बताया कि इसके लिए महिला अधिकारियों एवं कर्मचारियों को आज संबंधित स्थानों पर विशेष रूप से प्रशिक्षित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि जिले के इन 25 मतदान केंद्रों पर तैनात की जाने वाली प्रत्येक टीम में पीठासीन अधिकारी, सहायक पीठासीन अधिकारी और दो मतदान अधिकारियों समेत कुल चार महिला अधिकारियों और कर्मचारियों को तैनात किया जाएगा। उन्होंने कहा कि पहली बार इतनी बड़ी संख्या में मतदान केंद्र पूरी तरह से महिला टीमों द्वारा संचालित किए जाएंगे। स्थानीय जिला परिषद हॉल में हमीरपुर विधानसभा क्षेत्र की महिला अधिकारी-कर्मचारियों के लिए आज प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस मौके पर हमीरपुर विधानसभा क्षेत्र के उप-प्रभागीय न्यायाधीश (एसडीएम) एवं चुनाव अधिकारी मनीष कुमार सोनी समेत अन्य अधिकारियों ने महिला अधिकारियों एवं कर्मचारियों को मतदान प्रक्रिया की विस्तृत जानकारी दी।

हरियाणा के हिसार जिले में डेंगू के 27 नये मामले

हिसार। हरियाणा के हिसार जिले में डेंगू के बढ़ते मामलों के मद्देनजर दिन-प्रतिदिन इसके मरीजों की संख्या बढ़ती ही जा रही है और सोमवार को 27 नये मरीज मिले। स्वास्थ्य विभाग की ओर से किए गए तमाम प्रबंधों के बावजूद डेंगू पर काबू पाना मुश्किल हो रहा है। जिला डिप्टी सिविल सर्जन डॉ सुभाष खतरेजा ने बताया कि जिले में सोमवार को डेंगू के 27 नये मामले सामने आने के साथ डेंगू के मरीजों का आंकड़ा 732 हो गया है। उन्होंने बताया कि अभी तक 2913 डेंगू आशंकित लोगों के सैंपल लिए गए हैं, इनमें से 732 लोगों की रिपोर्ट पॉजिटिव है। 584 व्यक्ति डेंगू से रिकवर हो चुके है और फिलहाल जिले में 143 डेंगू सक्रिय मरीज हैं। जिले में डेंगू से अब तक पांच मरीजों की मृत्यु हुई है। जिला मलेरिया प्रभारी एवं उप-सिविल सर्जन डॉ सुभाष खतरेजा ने बताया कि सोमवार को स्वास्थ्य विभाग द्वारा कैंप चौक, पुलिस लाइन एवं कैमरी रोड के साथ लगते क्षेत्रों में फॉगिंग का कार्य किया गया है। उप-सिविल सर्जन ने बताया कि बढ़ते डेंगू के मामलों को देखते हुए स्वास्थ्य विभाग विशेष सतर्कता बरत रहा है। साथ ही डेंगू के खतरों के प्रति लोगों को जागरूक किया जा रहा है। संक्रमण के प्रसार को नियंत्रित करने के उद्देश्य से प्रभावित इलाकों में फॉगिंग का कार्य लगातार कराया जा रहा है। शहर के विभिन्न स्थानों पर एकत्रित पानी में काला तेल भी डलवाया जा रहा है।

एसजीपीसी अध्यक्ष शक पांजा साहिब शताब्दी समारोहों में भाग लेने के बाद भारत लौटे

अमृतसर। शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी (एसजीपीसी) के अध्यक्ष हरजिंदर सिंह धामी आज पंजा साहिब के शहीदी शक (शहीद नरसंहार) की शताब्दी की सभाओं में भाग लेने के बाद पाकिस्तान से भारत लौट आए। धामी ने कहा कि पाकिस्तान में देश-विदेश के संगत (तीर्थयात्रियों) ने शक पंजा साहिब की शताब्दी के अवसर पर आयोजित सभाओं में भाग लेकर अपनी भक्ति व्यक्त की। उन्होंने कहा कि हसन अब्दाल के रेलवे स्टेशन पर आयोजित कीर्तन समागम, जहां 30 अक्टूबर, 1922 को यह नरसंहार हुआ था, ऐतिहासिक है। उन्होंने कहा कि शक पंजा साहिब की शताब्दी से संबंधित सभी कार्यक्रम यादगार रहे हैं। धामी ने कहा कि कल उन्होंने गुरुद्वारा ननकाना साहिब, गुरु नानक देव की जन्मस्थली में मत्था टेका और स्थानीय सिख नेताओं के साथ कई मामलों पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि ननकाना साहिब में, बाबा जगतार सिंह कार सेवा आवास के लिए एक बड़ा हॉल विकसित कर रहा है, जो एक बार पूरा होने पर तीर्थयात्रियों को बड़ी सुविधा प्रदान करेगा। एसजीपीसी की ओर से श्री धामी ने पाकिस्तान सिख संगत को गुरु के घर की सेवाओं में हर संभव मदद का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि सरकारों को अपनी ओर से किए जाने वाले कार्यों में अपनी भूमिका निभानी चाहिए, जबकि सिख संगठन अपने सौंपे गए कार्यों को करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

गया : व्यवसायी लूटकांड मामले में पांच अपराधी गिरफ्तार

गया। बिहार में गया जिला पुलिस ने एक व्यवसायी से हुयी लूट मामले में शामिल पांच अपराधियों को गिरफ्तार कर लिया। वरीय पुलिस अधीक्षक हरप्रीत कौर ने रविवार को यहां बताया कि 28 अक्टूबर को झारखंड के चतरा जिले के हंटरगंज के व्यवसायी निखिल कुमार के साथ अपराधियों ने गया जिले के डोभी थाना क्षेत्र में 09 लाख 40 हजार रुपए लूट लिये थे। इसके बाद निखिल कुमार के द्वारा घटना की सूचना डोभी पुलिस को दी गई। इस मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए पुलिस की एक विशेष टीम ने डोभी थाना क्षेत्र से हिमेश कुमार उर्फ पिंटू को गिरफ्तार कर लिया।

देश के कानून से ऊपर नहीं मुस्लिम पर्सनल लॉ

15 की उम्र में लड़की की शादी को कर्नाटक हाई कोर्ट ने अमान्य ठहराया

एजेंसी

बेंगलुरु। कर्नाटक हाई कोर्ट ने मुस्लिम पर्सनल लॉ और पॉक्सो ऐक्ट के बीच एक लकीर खींच दी है। दो अलग-अलग मामलों में कोर्ट ने उस तर्क को खारिज कर दिया है जिसमें कहा जाता है कि नाबालिग मुस्लिम लड़की अगर 15 साल की उम्र से ऊपर है तो बाल विवाह निषेध अधिनियम उसपर लागू नहीं होगा। कोर्ट एक 27 साल के युवक की जमानत याचिका पर सुनवाई कर रहा था जिसने 17 साल की लड़की से शादी की थी और वह गर्भवती हो गई थी। जस्टिस राजेंद्र बादामीकर की बेंच ने याचिकार्ता के उन तर्कों को खारजि कर दिया जिसमें वह मुस्लिम पर्सनल लॉ का हवाला दे रहा था। याचिकाकर्ता कहना था कि 15 साल की उम्र के बाद मुस्लिमों के कानून के हिसाब से शादी गुनाह नहीं है। हाई कोर्ट ने अपने आदेश में कहा, ऐसे तर्क कतई स्वीकार नहीं किए जा सकते क्योंकि पॉक्सो ऐक्ट एक विशेष कानून है और इसके मुताबिक 18 साल की उम्र से पहले सेक्शुअल ऐक्टिविटी को इजाजत नहं

दी जाती है। कोर्ट ने याचिकाकर्ता को हालांकि जमानत दे दी। कोर्ट ने कहा कि आरोपी ने ट्रायल कोर्ट के सामने सारे दस्तावेज पेश किए थे।

अदालत ने यह बात तब कही है जबकि मुस्लिम नाबालिग लड़कियों की शादी को लेकर कोर्ट्स में अलग-अलग विचार सामने आते हैं। 30 सितंबर को पंजाब और हरियाणा हाई कोर्ट ने कहा था कि 15 साल की मुस्लिम लड़की की शादी भी वैलिड है। इस मामले में आरोपी पर बाल विवाह निषेध कानून की धारा 9 और 10 के तहत मुकदमा दर्ज किया गया था। इसके अलावा उसपर POCSO ऐक्ट की धारा 4 और 6 भी लगाई गई थी।

16 जून 2022 को पीड़िता ने प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में चेकअप कराया था। जांच में सामने आया था कि वह गर्भवती है। उस वक्त उसकी उम्र 17 साल थी। इसके बाद पुलिस उपनिरीक्षक ने आरोपी के खिलाफ केआर पुरम थाने में शिकायत दर्ज करवाई थी। वहीं एक दूसरे मामले में कोर्ट ने 19 साल के शख्स की जमानत याचिका खारिज कर दी। उपर पॉक्सो ऐक्ट के तहत केस दर्ज किया गया था। आरोप है कि वह अपने साथ 16 साल की लड़की को मैसूर ले गया था। इसके बाद उसने होटल के कमरे में दो बार रेप किया।

बाल वाटिकाओं में लगाए जाएंगे एनटीटी शिक्षक

जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने महात्मा गांधी अंग्रेजी माध्यम विद्यालयों में एनटीटी कोर्स किए हुए शिक्षकों की सेवाएं लेने के प्रस्ताव को मंजूरी दी है। प्रस्ताव के अनुसार राज्य सरकार द्वारा इन शिक्षकों का तीन माह का अंग्रेजी का ब्रिज कोर्स कराया जाएगा। साथ ही इन एनटीटी शिक्षकों का महिला एवं बाल विकास विभाग से शिक्षा विभाग में स्थानांतरण किया जाएगा। इनके वेतन अथवा मानदेय शिक्षा विभाग द्वारा ही दिए जाएंगे। गहलोत के इस निर्णय से अनुभवी एवं प्रशिक्षित अध्यापकों द्वारा नौनिहालों को गुणवत्तापूर्ण पूर्व प्राथमिक शिक्षा मिल सकेगी। इससे प्रदेश में शिक्षा का स्तर बेहतर होगा।

निर्माण कार्यो की मॉनिटरिंग नहीं होने पर पीड्ब्ल्यूडी के पांच अधिकारियों को जारी किये नोटिस

भरतपुर। राजस्थान में भरतपुर के जिला कलक्टर आलोक रंजन ने आज सार्वनिक निर्माण विभाग के अधिशाषी अभियंता एवं दो सहायक अभियंताओं एवं दो कनिष्ट अभियंताओं को 17 सीसी के नोटिस जारी किये। रंजन ने जिला कलेक्ट्रेट में आयोजित विभाग के अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक में अधीक्षण अभियंता जयलाल मीणा को जमकर खरी खोटी सुनाई। उन्होंने अधिशासी अभियंता अशोक मीणा के बैठक में नहीं पहुंचने पर 17 सीसी की चार्ज शीट थमाने के अलावा डीग और कुम्हेर के सहायक अभियंता रुपेश कुमार और गोविंद सहाय मीणा को 17 सीसी की चार्जशीट और कनिष्ट अभियंता भूपेंद्र सिंह और हैप्पी सिंह को 16 सीसी की चार्जशीट दे दी गई है। रंजन ने इसके साथ ही इनके खिलाफ सार्वजनिक निर्माण विभाग के प्रमुख शासन सचिव वैभव गलरिया को एक पत्र भी लिखा गया है। उन्होंने पत्र में लिखा है कि निर्माण कार्यों की मॉनिटरिंग समय पर नहीं हो रही। जिसकी वजह से बजट घोषणाओं का काम समय पर नहीं हो पा रहा। इसके साथ ही श्री रंजन ने नदबई में आरओबी का निर्माण समय पर पूरा नहीं करने वाले संवेदक के काम को विड्रो करने के भी आदेश दिए हैं। जिला कलक्टर ने कहा कि 4 साल से ज्यादा का समय हो गया लेकिन संवेदक ने आरओबी का निर्माण पूरा नहीं किया।

धामी ने बनबसा में रन फॉर यूनिटी दौड़ को दिखायी हरी झंडी

एजेंसी

बनबसा/नैनीताल। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सोमवार को अपने चंपावत विधानसभा को दौरा किया और बनबसा एवं टनकपुर में विभिन्न कार्यक्रमों में शिरकत की और लौह पुरूष सरदार बल्लभ भाई पटेल के 147वीं जयंती पर पर आयोजित रन फार यूनिट दौड़ को हरी झंडी दिखायी। श्री धामी ने आयोजित कार्यक्रम में जनता की समस्याओं को भी सुना। साथ ही टनकपुर में फुटबाल मैच का शुभारंभ किया।

मुख्यमंत्री ने आज सुबह सबसे पहले बनबसा में मिनी स्टेडियम पहुंचकर रन फार यूनिटी दौड़ को हरी झंडी दिखायी। इस मौके पर उन्होंने श्री पटेल के चित्र में पुष्प अर्पित करने के साथ ही लोगों को राष्ट्रीय एकता की शपथ भी दिलायी। उन्होंने कहा कि श्री पटेल ने एकीकरण का नारा दिया था और उन्होंने 562 से अधिक रियासतों को एक सूत्र में पिरोने का काम किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जिस तरह से सरदार बल्लभ भाई पटेल और आदि गुरू शंकराचार्य ने देश को एक सूत्र में पिरोने का काम किया है, उसी तरह से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी भी कश्मीर से लेकर कन्याकुमारी तक देश को एक सूत्र में जोड़ने का काम कर रहे हैं। एक भारत श्रेष्ठ भारत की संकल्पना साकार हो रही है। भारत आज हर क्षेत्र में आगे बढ़ रहा है। देश का विदेशों में मान बढ़ा है। उन्होंने इस मौके पर कहा कि उनकी सरकार ने 2025 तक प्रदेश को नशा मुक्त एवं क्षय रोग मुक्त (टीबी मुक्त) बनाने का संकल्प लिया है। नशा मुक्ति के लिये सबको दृढ संकल्प लेना होगा और अन्य लोगों को नशा मुक्ति के लिये जागरूक करना होगा।

इसके बाद श्री धामी ने टनकपुर स्थित स्पोर्ट्स स्टेडियम में एमबी एजुकेशनल सोसायटी की ओर से आयोजित द हिमालयन कप फुटबाल टूर्नामेंट का शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार की ओर से प्रदेश में नयी खेल नीति तैयार की गयी है। इससे प्रतिभावान खिलाड़ियों को आगे बढ़ने का मौका मिलेगा। नयी खेल नीति के तहत प्रदेश में नये स्टेडियमों का निर्माण किया जा रहा है। साथ ही गांवों में ओपन जिम खोलने का भी निर्णय लिया गया है।

श्री धामी ने कहा महिलाओं को खेल में आगे बढ़ाने के लिये देहरादून में स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी और उधमसिंह नगर में महिला स्पोर्ट्स कालेज का निर्माण किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने इससे पहले बनबसा के देवभूमि कालेज आफ एजुकेशनल में मुख्य सेवक जनता मिलन कार्यक्रम में लोगों से मुलाकात की और उनकी समस्याओं को सुना।

आन्ध्र, रायलसीमा में तेज बारिश होने के आसार

अमरावती। उत्तर-दक्षिण तटीय आंध्र प्रदेश और केन्द्र शासित प्रदेश पुड्डुचेरी के यनम तथा रायलसीमा के छिटपुट स्थानों पर सोमवार और मंगलवार को भारी बारिश के आसार हैं।

मौसम विज्ञान केंद्र के अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि दक्षिण श्रीलंका तट से दूर दक्षिण पश्चिम बंगाल की खाड़ी के ऊपर चक्रवाती हवाओं का क्षेत्र अब उत्तरी श्रीलंका तट से दक्षिण पश्चिम बंगाल की खाड़ी के ऊपर बना हुआ है, जो ऊंचाई के साथ दक्षिण की ओर झुका हुआ है और औसत समुद्र तल से 3.1 किमी तक फैला हुआ है।

उन्होंने बताया कि अगले पांच दिनों तक उत्तर-दक्षिण तटीय आंध्र प्रदेश और रायलसीमा, यनम के अलग-अलग स्थानों पर गरज के साथ बौछारें पड़ने के अनुमान हैं। पिछले 24 घंटों के दौरान तटीय आंध्र प्रदेश और केन्द्र शासित प्रदेश के यनम तथा रायलसीमा में एक या दो स्थानों पर बारिश हुई। यहां रविवार और सोमवार की दरमियानी रात को राज्य के मैदानी इलाकों में न्यूनतम तापमान 17.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

केन्द्र शासित प्रदेश पुड्डुचेरी के कराइकाल शहर में आज हल्की बारिश हुई। पुड्डुचेरी के रामनाथपुरम जिले के रामेश्वरम, परमकुडी में चार-पांच सेमी, चेंगलपट्ठू जिले के केलमबक्कम, नामक्कल जिले के मोहनूर में तीन-तीन सेमी, करूर जिले के परमथी, जिला डिंडीगुल के निलाकोट्टई में दो-दो सेमी, चेंगलपट्ठू जिले के चेयूर, तंजावुर जिले के बुदलूर, इरोड जिले के कोडुमुडी, चेन्नई के पल्लिकरनई एआरजी और नंदनम एआरजी में एक-एक सेमी तक वर्षा हुई।

तमिलनाडु और केन्द्र शासित प्रदेश पुड्डुचेरी, कराइकाल के अलग-अलग स्थानों पर गरज के साथ अगले पांच दिनों तक हल्की बारिश की के आसार है। इसी दौरान राज्य के तिरुवल्लूर, रानीपेट, कुड्डालोर, तंजावुर, तिरुवरुर और कांचीपुरम जिलों में छिटपुट स्थानों पर भारी बारिश होने के आसार हैं।

मौसम विभाग के अनुसार, अगले 24 घंटों के लिए आसमान में आमतौर पर बादल छाए रहने के अनुमान हैं। कुछ क्षेत्रों में गरज के साथ मध्यम-भारी बारिश होने की संभावना है। यहां अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 29 डिग्री सेल्सियस और 24-25 डिग्री सेल्सियस हैं।

चोरी के सात मोटरसाइकिल बरामद, दो गिरफ्तार

श्रीगंगानगर। राजस्थान के श्रीगंगानगर जिले में रायसिंहनगर थाना क्षेत्र में पुलिस ने दो युवकों को गिरफ्तार कर उनकी निशानदेही पर चोरी की सात मोटरसाइकिल बरामद की है। थाना प्रभारी गणेश कुमार बिश्नोई ने बताया कि इस मामले में विशाल बिश्नोई (23) निवासी चक 3 एलपीएम थाना समेजा कोठी और विनोद (47) निवासी रायसिंहनगर को गिरफ्तार किया गया है। विशाल नशा करने का आदी है। वह नशे की पूर्ति के लिए मोटरसाइकिल चुरा कर बेच देता था। विनोद कुमार उससे चोरी के मोटरसाइकिल खरीदता था। दोनों की निशानदेही पर अब तक सात मोटरसाइकिल बरामद किए जा चुके हैं।

हल्द्वानी रेलवे भूमि पर अतिक्रमण मामला, अंतिम सुनवाई शुरू

नैनीताल। उत्तराखंड उच्च न्यायालय में राज्य के हल्द्वानी में रेलवे की लगभग 29 एकड़ भूमि पर अतिक्रमण से जुड़े बहुचर्चित मामले में अंतिम सुनवाई शुरू हो गयी है तथा सोमवार को दिन भर चली सुनवाई के दौरान रेलवे, याचिकाकर्ता और दो अतिक्रमणकारियों की ओर से अपने अपने दावे प्रस्तुत किये गये।

न्यायमूर्ति शरद कुमार शर्मा की अगुवाई में गठित विशेष पीठ ने अतिक्रमणकारियों की ओर से दायर संशोधित प्रार्थना पत्र को खारिज कर दिया। अतिक्रमणकारी शमीम बानो की ओर से लोक परिसर (बेदखली) अधिनियम (पीपी एक्ट) के सवाल पर संशोधित प्रार्थना पत्र दाखिल किया गया था। प्रार्थना पत्र में पीपी एक्ट के प्रावधानों को स्पष्ट करने की मांग की गयी थी। न्यायालय ने प्रार्थना पत्र को खारिज करते हुए कहा कि अतिक्रमणकारियों की ओर से जनहित याचिका के जवाब में कहा गया था कि उन पर पीपी एक्ट लागू नहीं होता है। इसलिये यहां पीपी एक्ट का सवाल उठाना सही नहीं है। दूसरी ओर न्यायालय ने इस पूरे प्रकरण में आज से अंतिम सुनवाई शुरू कर दी। आज दिन भर सुनवाई के दौरान रेलवे, याचिकाकर्ता और दो अतिक्रमणकारियों की ओर से इस मामले में अपना पक्ष रखा गया।

41 गोवंश मुक्त कराकर मध्यप्रदेश का तस्कर गिरफ्तार

प्रतापगढ़। राजस्थान के प्रतापगढ़ जिले में पुलिस ने छोटी सादड़ी थाना क्षेत्र में एक आयशर ट्रक से 41 गोवंश मुक्त कराकर एक मध्यप्रदेश के तस्कर को गिरफ्तार किया है वहीं उसके पास से दस किलो डोडा पोस्त एवं दस ग्राम ब्राउन शुगर बरामद की गई है। पुलिस अधीक्षक अनिल कुमार ने आज बताया कि रविवार देर रात गश्त के दौरान नेशनल हाईवे पर मलावदा गांव से आगे नीमच की तरफ जा रहे इस ट्रक से इन गोवंश को मुक्त कराकर जमालवदा गौ-शाला में छोड़ा गया। उन्होंने बताया कि इस मामले में मध्यप्रदेश में मंदसौर जिले के वायडीनगर थाना क्षेत्र निवासी एवं जाबिर को गिरफ्तार किया गया है। इसके पास से पुलिस टीम ने 10 किलो डोडा चूरा और 10 किलो ब्राउन शुगर बरामद की। एनडीपीएस, पशु क्रूरता एवं गोवंश अधिनियम के तहत तस्कर को गिरफ्तार कर ट्रक एवं मादक पदार्थ जब्त किये गए।

त्रिपुरा पुलिस ने दुष्कर्म के आरोप में भाजपा नेता को किया गिरफ्तार

अगरतला। त्रिपुरा के पूर्वी अगरतला की पुलिस ने एक बेसहारा किशोरी (17) की शिकायत के आधार पर, कुमारघाट से त्रिपुरा स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारी और सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के एक नेता को दुष्कर्म के आरोप में गिरफ्तार किया है। आधिकारिक सूत्रों ने सोमवार को यह जानकारी दी।

थाना प्रभारी परमिता साहा ने बताया कि आरोपी लक्ष्मण बसफोर शहर के राजकीय रेफरल अस्पताल इंदिरा गांधी मेमोरियल अस्पताल में सहायक स्टाफ के रूप में कार्यरत है। पूछताछ के दौरान, उसने अपराध स्वीकार कर लिया है। रविवार को उसको गिरफ्तार कर लिया गया।

उन्होंने बताया कि राज्य में भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार को विधानसभा चुनाव से बमुश्किल तीन महीने पहले, यहां दस दिनों में कई स्थानों पर दुष्कर्म की घटना सामने आयी हैं, जो शर्मिंदगी का कारण है।

सूत्रों के अनुसार, विपक्षी दलों ने भाजपा सरकार पर आरोप लगाया कि राज्य में सरकार महिलाओं की सुरक्षा और बिगड़ती कानून-व्यवस्था की स्थिति को रोकने में कथित रूप से विफल हैं।

पीड़िता ने शिकायत में बताया कि उसके माता-पिता की मृत्यु हो गयी है और वह अपने रिश्तेदार के घर में रहती हैं, जहां एक लक्ष्मण नाम के रिश्तेदार ने उसके साथ दुष्कर्म किया और यह सिलसिला कई महीनों तक चला, जिसके बाद वह तीन महीने की गर्भवती हो गयी।

कांग्रेस विधायक सुदीप रॉयबर्मन ने कहा, यह सरकार त्रिपुरा के लोगों को एक अच्छी नौकरी प्रदान करने में विफल रही, जिससे युवाओं का ड्रग रैकेट और कई अन्य असामाजिक गतिविधियों की ओर झुकाव हो गया है।

भाजपा पार्टी का अपने कार्यकर्ताओं पर कोई नियंत्रण नहीं है, वे निर्दयी हो जाते हैं और गुंडागर्दी में शामिल हो जाते हैं। त्रिपुरा में औसतन 13 महिलाओं के साथ प्रतिदिन बलात्कार होता है और यह दर दिन-ब-दिन बढ़ती जा रही है।

किशोरी के अपहरण और दुष्कर्म के आरोप में युवक को सात वर्ष का कारावास

श्रीगंगानगर। राजस्थान के श्रीगंगानगर में लैंडिंग अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम (पोक्सो एक्ट) मामलों की विशेष अदालत के न्यायाधीश ने आज एक किशोरी को अगवा करने और दुष्कर्म करने के आरोपी को सात वर्ष कठोर कारावास की सजा सुनाई।

विशिष्ट लोक अभियोजक नवप्रीत कौर संधू ने बताया कि श्रीगंगानगर के वार्ड नंबर 45 की एक कॉलोनी के निवासी परिवार की 16 वर्षीय किशोरी पांच जून 2016 को अपने घर से गायब हो गई। तलाश करने पर उसका कुछ पता नहीं चला। किशोरी के दादा ने 7 जून को महिला थाना में रिपोर्ट दी,जिसके आधार पर किशोरी के घर के पास रहने वाले एक दंपति के पास आने-जाने वाले युवक राहुल उर्फ उग्रसेन नायक (30)निवासी धक्का बस्ती, नई मंडी घड़साना के विरुद्ध अपहरण का मुकदमा दर्ज किया गया।

दादा ने आरोप लगाया कि उसकी पोती को राहुल उग्रसेन सीमा और सुनील के सहयोग से बहला-फुसलाकर भगा ले गया है। पुलिस ने मामला दर्ज होने पर तफ्तीश करते हुए किशोरी को कुछ ही दिनों में दस्तयाब कर लिया। उसका मेडिकल चेकअप करवाया गया। मेडिकल रिपोर्ट के आधार पर किशोरी से दुष्कर्म किए जाने की पुष्टि हुई, जिस पर अपहरण के मुकदमे में दुष्कर्म की धाराएं भी जोड़ दी गईं। उग्रसेन उर्फ राहुल को गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने अपने अनुसंधान में पाया कि उग्रसेन उर्फ राहुल ने पीड़ित किशोरी को बहला फुसला लिया था। उसे जब भी मौका मिलता वह पीड़िता के घर जाकर उससे शारीरिक संबंध बनाता था। जब पता चला कि किशोरी की सगाई उसके घर वाले कहीं और करना चाहते हैं तो उग्रसेन उर्फ राहुल पांच जून को अपने साथ उसे लेकर फरार हो गया। दोनों रामसिंहपुर और फिर रोजड़ी चले गए। वहां से शादी करने के इरादे से जोधपुर भी गए लेकिन फिर श्रीगंगानगर आकर कोर्ट में दोनों शादी करना चाहते थे।

मान ने भ्रष्टाचार मुक्त प्रशासन मुहैया करवाने का लिया संकल्प

चंडीगढ़। पंजाब विजिलेंस ब्यूरो ने समाज में पारदर्शिता, जवाबदेही और ईमानदारी को प्रोत्साहित करने के लिए 'विजिलेंस जागरुकता सप्ताह' मनाते हुए अपने अधिकारियों तथा कर्मचारियों को जागरुक किया गया। इस जागरुकता सप्ताह की शुरुआत के अवसर पर मुख्यमंत्री भगवंत मान ने भी राज्य में भ्रष्टाचार मुक्त प्रशासन मुहैया करवाने के लिए सरकार की भ्रष्टाचार विरोधी मुहिम में लोगों को सहयोग देने का संदेश दिया है। मुख्यमंत्री ने लोगों को एंटी करप्शन एक्शन लाइन वाट्सऐप नंबर 95012-00200 पर सही जानकारी भेजने के लिए कहा और आश्वासन दिया है कि भ्रष्टाचार में शामिल किसी को भी बख़्शा नहीं जाएगा।

बालक की हत्या की गुत्थी को सुलझाने के प्रयास जारी, परिजनों ने शव लेने से किया इनकार

श्रीगंगानगर। राजस्थान के श्रीगंगानगर जिले में पदमपुर कस्बे में 5 वर्षीय बालक तुषार की हत्या कर घर की छत पर शव बरामद होने के मामले में पुलिस ने एक युवती और एक युवक को हिरासत में लिया है लेकिन पूरी गुत्थी अभी भी नहीं सुलझी है। पुलिस ने संदेह के आधार पर दो और महिलाओं को भी आज पूछताछ के लिए थाने में लाया गया। इस बीच पुलिस ने मेडिकल बोर्ड से मृतक बालक तुषार सिंधी (5) के शव का आज पोस्टमार्टम करवाया,लेकिन परिवार वालों ने आरोपियों की गिरफ्तारी होने तक शव को स्वीकार करने से इंकार कर दिया। काफी संख्या में कस्बे के लोग आज सरकारी अस्पताल परिसर में धरना देकर बैठ गए। इनके साथ भाजपा के पूर्व जिला अध्यक्ष भादरचंद नारंग सहित कई नेता एवं गणमान्य लोग भी शामिल रहे। इस दौरान थाना प्रभारी रामकेश मीणा और भाजपा के पूर्व जिला अध्यक्ष भादरचंद में तकरार हो गई। आरोपियों की गिरफ्तारी के साथ लोग इस तकरार के लिए थाना प्रभारी के स्थानांतरण अथवा निलंबन की भी मांग करने लगे। बाद में धरना देने वालों ने मांग रखी कि थाना प्रभारी रामकेश मीणा भाजपा नेता से दुर्व्यवहार करने के कारण क्षमा मांगे लेकिन श्री मीणा ने इससे इनकार कर दिया। गौरतलब है कि कस्बे के वार्ड नंबर 1 की सजना कॉलोनी में पार्षद गुरमेलकौर के मकान में किराए पर रहने वाले और धान मंडी में मजदूरी करने वाले युवक साजन राम सिंधी के पुत्र तुषार का शव कल शाम घर की छत पर पड़ा मिला था। शव बोरी में लपेटा हुआ था। बालक के गले पर रस्सी के दबाव के निशान दिखाई दिए।

लड़की ने छेड़छाड़ की रची झूठी कहानी

भोपाल। मध्यप्रदेश की राजधानी भोपाल के कटारा हिल्स थाना क्षेत्र में एक नाबालिग लड़की ने काम से बचने के लिए अपने साथ हुयी छेड़छाड़ की झूठी कहानी रची, जिसका पुलिस द्वारा जांच के बाद खुलासा कर दिया गया। पुलिस सूत्रों के अनुसार कटारा हिल्स क्षेत्र के नंद विहार कॉलोनी के सामने पुलिस को आज सुबह एक लड़की बेसुध हालत में मिली। पुलिस ने उसे तत्काल समीप के अस्पलात में भर्ती कराया, जहां लड़की ने दो युवकों द्वारा छेड़छाड की बात कही। पुलिस ने मामले की संवदेनाशीलता को देखते हुए घटना के विभिन्न पहलुओं की जांच की, जिसमें मामला झूठा पाया गया। पुलिस जांच में पता चला की लड़की को घर वाले काम पर भेजना चाहते थे, लेकिन वह काम पर जाना नहीं चाहती थी। इसी से बचने के लिए उसके द्वारा यह झूठी कहानी रची गयी।

आदमपुर उपचुनाव प्रचार परवान चढ़ा, भाजपा, कांग्रेस के बीच कड़ा मुकाबला

आदमपुर। हरियाणा के आदमपुर में तीन नवम्बर को आसन्न उप चुनाव का प्रचार पूरी तरह से परवान चढ़ गया है। सत्तारूढ़ दल भारतीय जनता पार्टी (भाजपा), मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस, इनेलो और आम आदमी पार्टी (आप) ने अपनी पूरी ताकत झोंक दी है, लेकिन भाजपा और कांग्रेस के बीच कड़ा मुकाबला हो सकता है।

इस उपचुनाव में कुल 22 उम्मीदवार अपना भाग्य आजमा रहे हैं। यदि अब

तक के चुनाव प्रचार पर नजर डाली जाए तो इस सीट पर मुख्य मुकाबला भाजपा प्रत्याशी भव्य बश्नोई और कांग्रेस प्रत्याशी जयप्रकाश के बीच ही देखा जा रहा है। इस सीट के लिए मंगलवार को चुनाव प्रचार थम जाएगा। उधर, प्रशासनिक स्तर पर भी मतदान को लेकर तैयारियों को अंतिम रूप दिया जा रहा है।

उल्लेखनीय है कि 1968 से अब तक चौधरी भजन लाल परिवार का सदस्य ही विधायक बनता आ रहा है। पूर्व मुख्यमंत्री भजनलाल की चौथी पीढ़ी अब दंगल में अपना भाग्य आजमा रही है।

भाजपा इस चुनाव में पूर्व मुख्यमंत्री भजनलाल के नाम पर वोट मांग रही है। यह सीट अबकी बार भजनलाल परिवार के लिए प्रतिष्ठा का प्रश्न बना हुआ है वही कांग्रेस छोड़कर गए कुलदीप बिश्नोई को सियासी पटखनी देने के लिए पिछले एक सप्ताह से पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा, पार्टी प्रदेश अध्यक्ष उदयभान और सांसद दीपेंद्र सिंह हुड्डा के अलावा कई पूर्व मंत्री ,विधायक व पूर्व विधायक गांव-गांव में डेरा डाले बैठे हैं।

शार्ट न्यूज

सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती के अवसर पर एनएचपीसी ने 'राष्ट्रीय एकता दिवस' मनाया

फरिदाबाद। एनएचपीसी लिमिटेड, भारत की अग्रणी जलविद्युत कंपनी ने सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती के अवसर पर राष्ट्रीय एकता दिवस (नेशनल यूनिटी डे) देशभक्ति की भावना के साथ 31 अक्टूबर 2022 को अपने निगम मुख्यालय एवं सभी पावर स्टेशनों, परियोजनाओं और इकाइयों में मनाया। आर. पी. गोयल, निदेशक (वित्त) एनएचपीसी, ने निगम मुख्यालय, फ़रीदाबाद में एनएचपीसी कर्मचारियों को राष्ट्रीय एकता दिवस के लिए विशेष शपथ दिलाई । इस अवसर पर एक विशेष एकता दौड़ का भी आयोजन किया गया जिसमें एनएचपीसी के कर्मचारियों ने बड़े उत्साह के साथ भाग लिया।

भारत जोड़ो यात्रा

नई दिल्ली। भारत जोड़ो यात्रा का 54वां दिन शादनगर बस डिपो, तेलंगाना से शुरू हुआ। यात्रियों ने लगभग 14 किलोमीटर की यात्रा की, 1350 किलोमीटर की दूरी तय की और कोथुर के पपीरस बंदरगाह पर रुके। तेलंगाना के लोगों के साथ यात्रियों ने सरदार वल्लभभाई पटेल और इंदिरा गांधी की जयंती और पुण्यतिथि मनाई। मार्च के दौरान इंडिया फॉर सेफ फूड का एक प्रतिनिधिमंडल यात्रा में शामिल हुआ और आनुवंशिक रूप से संशोधित फसलों और खेती से संबंधित मुद्दों को उठाया। यूथ वेलफेयर एसोसिएशन के प्रतिनिधियों के साथियों ने बेरोजगारी और छोटे व्यवसायों पर कोविड -19 और GST के प्रभाव से संबंधित मुद्दों पर चर्चा की। यात्रा आज शाम सात बजे मुचिंतल में स्थगित हुई।

नव हिंद स्कूल की छात्राओं और शिक्षिकाओं द्वारा राष्ट्रीय एकता दिवस मनाया गया

विवेक राय/गौरवशाली भारत

नई दिल्ली। नव हिंद स्कूल, न्यू रोहतक रोड, दिल्ली की छात्राओं और शिक्षिकाओं द्वारा भारत के प्रथम उपप्रधानमंत्री और गृहमंत्री सरदार बल्लभ भाई पटेल की स्मृति में करोलबाग क्षेत्र में पदयात्रा निकाल कर बड़े उत्साह के साथ राष्ट्रीय एकता दिवस मनाया। कार्यक्रम में विद्यालय की 1000 छात्राओ ने भाग लिया। विद्यालय की प्रधानाचार्या सीमा ने छात्राओं को सम्बोधित करते हुए कहा कि लौहपुरुष कहे जाने वाले सरदार पटेल ने भारत की 500 से अधिक रियासतों को भारत संघ मे जोड़ने का ऐतिहासिक काम किया। इसलिए भारत सरकार ने वर्ष 2014 में 31 अक्टूबर को राष्ट्रीय एकता दिवस घोषित किया। राष्ट्रीय एकता दिवस हमारे देश की एकता, अखंडता और सुरक्षा के लिए वास्तविक और संभावित खतरों का सामना करने के लिए हमारे राष्ट्र की ताकत की फिर से पुष्टि करने का अवसर प्रदान करेगा.सभी छात्राओं ने संकल्प लिया कि वे व्यक्तिगत स्वार्थ से ऊपर उठकर राष्ट्रीय एकता के लिए सदैव समर्पित रहेंगे।

गुरुग्राम : सेप्टिक टैंक फिर बना काल, सफाई के दौरान दो लोगों की दम घुटने से मौत; परिजनों ने लगाया हत्या का आरोप

गुरुग्राम । दिल्ली से सटे गुरुग्राम के एक गांव में एक घर के सेप्टिक टैंक की सफाई के दौरान दम घुटने से एक सफाई कर्मचारी और एक अन्य व्यक्ति की मौत हो गई। घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने दोनों शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजकर घटना की जांच शुरू कर दी है। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने सोमवार को कहा कि दोनों लोग सेप्टिक टैंक की सफाई करने के लिए बिना किसी सुरक्षा उपकरण के अंदर घुस गए थे। जहरीली गैस के कारण उनका दम घुटने लगा और वह बेहोश हो गए। उन्हें टैंक से बाहर निकालने के बाद अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने दोनों को मृत घोषित कर दिया। यह घटना मोहम्मदपुर झाड़सा गांव की है। पुलिस ने कहा कि पीड़ितों की पहचान आगरा के दिलीप (45) और स्थानीय दर्जी शाहबुद्दीन (29) के तौर पर की गई है। पुलिस के मुताबिक, मृतकों के परिवारों ने आरोप लगाया कि दोनों की हत्या की गई है और उन्होंने मकान मालिक के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। पुलिस ने यहां सेक्टर-37 थाने में भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा-304 ए (लापरवाही के कारण मौत) के तहत एफआईआर दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। दमकल अधिकारी ने बताया कि पीड़ितों को सेप्टिक टैंक से बाहर निकालने में लगभग चार घंटे का समय लगा। जांच अधिकारी सहायक पुलिस उप-निरीक्षक जसवंत सिंह ने कहा कि घटना के संबंध में दर्ज मामले की जांच की जा रही है।

डेटा सेंटर हब बनेगा उत्तर प्रदेश, अगले 5-7 साल में कारोबार में 39000 करोड़ रुपये निवेश करेगी योट्टा इंफ्रा

नोएडा। योट्टा इंफ्रास्ट्रक्चर उत्तर प्रदेश में अगले 5-7 वर्षों के दौरान डेटा सेंटर कारोबार में 39,000 करोड़ रुपये का निवेश करेगी। हीरानंदानी ग्रुप की फर्म ने इस संबंध में उत्तर प्रदेश सरकार के साथ एक सहमति पत्र (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। योट्टा इंफ्रास्ट्रक्चर के सह-संस्थापक और चेयरमैन दर्शन हीरानंदानी ने योट्टा डी1 डेटा सेंटर की शुरुआत के मौके पर आयोजित एक कार्यक्रम में पत्रकारों से कहा कि यह निवेश डेटा सेंटर परिसर के निर्माण, आईटी उपकरणों और अन्य हार्डवेयर को खरीदने के लिए किया जाएगा। उन्होंने कहा कि इस परिसर में और इसके आसपास 39,000 करोड़ रुपये का निवेश होगा। पहली इमारत पहले ही बन चुकी है... हमने दो अन्य भवनों के लिए काम शुरू कर दिया है, जो 12-15 महीनों में पूरा हो जाएगा। हम प्रत्येक 18 महीने में एक भवन तैयार करेंगे। उक्त निवेश प्रतिबद्धता में योट्टा डी1 के लिए किया गया निवेश शामिल है। योट्टा इंफ्रास्ट्रक्चर के सह-संस्थापक और सीईओ सुनील गुप्ता ने कहा कि प्रत्येक डेटा सेंटर पर 6,500 करोड़ रुपये खर्च होंगे। निवेश प्रतिबद्धता छह डेटा सेंटर के लिए है। हमने पहले ही डी2 और डी3 के लिए काम शुरू कर दिया है, जो 12-15 महीनों में तैयार हो जाएगा। कंपनी ने ग्रेटर नोएडा स्थित अपने डेटा सेंटर पार्क में लगभग 1,500 करोड़ रुपये के निवेश के साथ योट्टा डी1 की स्थापना की है। इसके अलावा अगले दो डेटा सेंटर भवनों - योट्टा डी2 और डी3 का शिलान्यास किया गया है।

सरदार पटेल ने भारतीय एकता और अखंडता को बनाने का काम किया: आदेश गुप्ता

सरदार पटेल ने हमेशा 'देश पहले और पार्टी बाद में' सिद्धांत का पालन किया : आदेश गुप्ता

प्रफुल्ल राय/गौरवशाली भारत

नई दिल्ली। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष श्री आदेश गुप्ता और नेता प्रतिपक्ष श्री रामवीर सिंह बिधूड़ी सहित भाजपा के अन्य नेताओं ने आज पटेल चौक स्थित सरदार वल्लभ भाई पटेल की मूर्ति पर माल्यार्पण कर उन्हें जन्मजयंती पर याद किया। श्री गुप्ता ने कहा कि भारत की अखंडता को बनाए रखने का काम सरदार वल्लभ भाई पटेल ने किया है। उन्होंने कहा कि सरदार पटेल हमेशा चाहते थे कि, भारत सशक्त हो, समावेशी भी हो, संवेदनशील हो और सतर्क भी हो, विनम्र हो, विकसित भी हो। उन्होंने देशहित को हमेशा सर्वोपरी रखा और आज उन्हीं की प्रेरणा से भारत बाहरी और आंतरिक, हर प्रकार की चुनौतियों से निपटने में पूरी तरह से सक्षम हो रहा है। आदेश गुप्ता ने कहा कि सरदार वल्लभ भाई पटेल का जीवन संघर्षों में बीता है। अगर सरदार पटेल नहीं होते तो आज भारत का जो नक्शा है शायद वैसा नहीं होता। किसानों के लिए किया गया उनका संघर्ष सदैव स्मरणीय रहेगा। उन्होंने कहा कि सरदार पटेल हमेशा ही 'देश पहले और पार्टी बाद में' इस सिद्धांत का पालन किया। कांग्रेस द्वारा इतने सालों तक देश में शासन करने के बाद भी सरदार पटेल जी को वह सम्मान नहीं दिया जिसके वो हक़दार थे, लेकिन श्री नरेन्द्र मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद विश्व की सबसे बड़ी प्रतिमा गुजरात के अंदर स्थापित कर उन्हें एक श्रद्धांजलि देने का काम किया है। सरदार पटेल हम सबके आदर्श हैं और आदर्श रहेंगे, इस भावना के साथ हर भारतीय उन्हें नमन करता है।

आदेश गुप्ता ने कहा कि सरदार पटेल हम सब के लिए एकता के प्रतिक हैं और इसलिए उनके जन्म जयंती को एकता दिवस के रुप में मनाया जाता है। उन्होंने कहा कि पूरा देश सरदार पटेल का सदैव ऋणी रहेगा। ऐसे महापुरुष को आज पूरा देश नमन कर रहा है और उनके जन्म जयंती पर श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुए हम सब उन्हें नमन करते हैं।

नेता प्रतिपक्ष रामवीर सिंह बिधूड़ी ने कहा कि राष्ट्रीय और एकता अखंडता के लिए जिस तरह से सरदार पटेल ने काम किया है वह सभी देशवासियों के लिए एक प्रेरणा श्रोत हैं। सरदार पटेल सिर्फ इतिहास में नहीं रहते, बल्कि वे सभी भारतीयों के दिल में रहते हैं। उन्होंने कहा कि आज उनकी जन्म जयंती पर आयोजित राष्ट्रीय एकता दौड़ हमें हमेशा एक जुट होकर रहने का संदेश देता रहेगा। इस मौके पर जिला अध्यक्ष श्री प्रशांत शर्मा सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे।

गाजियाबाद : जेल में बंद रेप के आरोपी गैंगस्टर ने पुलिस लॉकअप से की वीडियो कॉल

गाजियाबाद। गाजियाबाद के मोदीनगर निवासी छात्रा से दुष्कर्म के आरोप में जेल में बंद आरोपी द्वारा पुलिस लॉकअप में वीडियो कॉल करने का मामला सामने आया है। घटना का पता लगते ही पुलिस विभाग और जेल प्रशासन में हड़कंप मच गया। जेल अक्षीधक ने पेशी पर जाने के दौरान कचहरी परिसर स्थित लॉकअप का वीडियो बताते हुए एसएसपी को अपनी रिपोर्ट भेजी है, जिसके बाद एसएसपी ने मामले की जांच एसपी ग्रामीण को सौंपी है। अधिकारियों का कहना है कि विशु तोमर को मोबाइल मुहैया किसने कराया, इसकी जांच की जा रही है। दोषी पाए जाने वाले पुलिसकर्मियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। मोदीनगर निवासी छात्रा ने पिछले साल थाना रमाला, बागपत के गांव कंडेरा निवासी विशु तोमर के खिलाफ दुष्कर्म का केस दर्ज कराया था। विशु करीब नौ महीने से गाजियाबाद की डासना जेल में बंद है। हाल ही में उसका एक वीडियो वायरल हुआ, जिस पर डासना जेल लिखा हुआ था। वीडियो वायरल होते ही जेल प्रशासन और पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया, जिसके बाद जेल अधीक्षक आलोक सिंह ने जांच की। जांच में सामने आया कि यह वीडियो जेल का नहीं, बल्कि कचहरी परिसर स्थित पुलिस लॉकअप का है। वहां विशु ने किसी का मोबाइल लेकर अपने दोस्त रौनक को इंस्टाग्राम पर वीडियो कॉल की थी। दोस्त ने यह वीडियो वायरल कर दी, जो दुष्कर्म पीड़िता तक पहुंच गई। इसके बाद दुष्कर्म पीड़िता ने आरोपी पर धमकी देने का आरोप लगाते हुए एसएसपी से शिकायत की। वहीं, जेल अधीक्षक ने कचहरी परिसर में तैनात पुलिसकर्मियों की लापरवाही का आरोप लगाते हुए एसएसपी को अपनी रिपोर्ट भेजी। इसके बाद एसएसपी ने मामले की जांच एसपी ग्रामीण को सौंपी है। एसपी ग्रामीण डॉ. ईरज राजा ने जेल में जाकर विशु तोमर से पूछताछ की तो उसने मोबाइल इस्तेमाल करने की बात स्वीकार कर ली। उसने बताया कि 21 अक्टूबर को वह गाजियाबाद कचहरी में पेशी पर गया था। पुलिस लॉकअप में बंद रहने के दौरान उसने किसी से मोबाइल लेकर वीडियो कॉल की।

दिल्ली में 34 लाख लोगों ने बिजली सब्सिडी के लिए भरा फॉर्म

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार ने बिजली सब्सिडी के लिए आवेदन करने की अंतिम तारीख 31 अक्टूबर तय की थी। दिल्ली के कुल 34 लाख लोगों ने बिजली सब्सिडी के लिए फॉर्म भरा है। दिल्ली में 57 लाख बिजली उपभोक्ता हैं। दिल्ली सरकार ने बताया कि जो लोग बिजली सब्सिडी योजना का आवेदन नहीं कर पाए हैं वो अभी भी आवेदन कर सकते हैं। साथ ही दिल्ली सरकार ने ये भी बताया कि 31 अक्टूबर के बाद आवेदन करने वाले उपभोक्ताओं को अक्टूबर महीने के बिल का भुगतान करना होगा।

बिजली विभाग के एक अधिकारी ने बताया कि आप जिस भी महीने में आवेदन करेंगे, आपको उस महीने से सब्सिडी मिलेगी। उन्होंने बताया कि आवेदन करने वालों की संख्या अभी और बढ़ेगी लेकिन ये बहुत तेजी से नहीं बढ़ेगी। अधिकारी ने बताया कि ज्यादातर लोग बिजली सब्सिडी के लिए आवेदन कर चुके हैं।

क्या है बिजली सब्सिडी योजना

बता दें कि आम आदमी पार्टी की सरकार ने 14 सितंबर को बिजली सब्सिडी के लिए एक ऑप्ट-इन योजना की शुरुआत की थी। इस योजना के तहत जिन लोगों को बिजली पर सब्सिडी चाहिए उन्हें फॉर्म भरना होगा। इसके तहत लोगों को साल में एक बार सब्सिडी का विकल्प चुनना होता है। सब्सिडी के लिए आवेदन सभी महीनों में उपलब्ध होते हैं। अब तक साल में 47,11,176 ग्राहकों को डिफ़ॉल्ट रूप से बिजली सब्सिडी मिलता था।

लोगों को फॉर्म जमा भरने में कोई कठिनाई न हो इसके लिए दिल्ली सरकार ने ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों विकल्प रखा। बिजली सब्सिडी का विकल्प चुनने के लिए 7011311111 पर मिस्ड कॉल देकर या व्हाट्सएप संदेश भेजकर पंजीकरण कराया जा सकता है।

नवादा मेट्रो स्टेशन पर घुसा बंदर, आराम से सैर करते आया नजर

नई दिल्ली। दिल्ली में ब्लू लाइन मेट्रो में नवादा स्टेशन पर सोमवार सुबह एक बंदर दिखाई दिया। बंदर आराम से स्टेशन परिसर में घूमते हुए एग्जिट गेट की तरफ बढ़ गया। इस दौरान किसी ने भी उसे रोकने या भगाने की कोशिश नहीं की। यात्री भी बेपरवाह होकर आते-जाते दिखे। इसका एक वीडियो सामने आया है। जिसमें दिख रहा है कि बंदर स्टेशन परिसर में घुसता है और आराम से चलते हुए एग्जिट गेट की तरफ चला जाता है। वहीं सुरक्षाकर्मी और यात्री बिना किसी डर के अपने-अपने कामों में बिजी हैं। फिलहाल बंदर के किसी को भी नुकसान पहुंचाने की जानकारी नहीं मिली है। 19 जून को एक बंदर ने मेट्रो ट्रेन में सफर किया था। इसका वीडियो सोशल मीडिया पर काफी वायरल हुआ था। अक्षरधाम मेट्रो स्टेशन से ट्रेन में घुसे बंदर ने तीन-चार मिनट तक मेट्रो के सफर का आनंद उठाया था।

सरदार पटेल के काम को रिसर्च में लाए दिल्ली विश्वविद्यालय : धर्मेन्द्र प्रधान

राष्ट्रीय एकता दिवस के अवसर पर दिल्ली विश्वविद्यालय में आयोजित कार्यक्रम में केंद्रीय मंत्री ने किया संबोधित

नई दिल्ली। भारत सरकार में शिक्षा एवं कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान ने कहा कि विषम परिस्थितियों में देश हित में निर्णय लेने का उदाहरण सरदार पटेल से बढ़ कर कोई और नहीं हो सकता। धर्मेन्द्र प्रधान दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित राष्ट्रीय एकता दिवस कार्यक्रम में मुख्यातिथि के तौर पर संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर उन्होने दिल्ली विश्वविद्यालय से आह्वान किया कि सरदार पटेल की एकता मुहिम में जो काम हुआ है, दिल्ली विश्वविद्यालय उसे रिसर्च में लाए। गौरतलब है कि दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा वाइस रीगल लॉज के निकट गांधी प्रतिमा के सामने सोमवार सुबह 7:30 बजे राष्ट्रीय एकता दिवस पर यूनिटी रन का आयोजन किया गया था। इस अवसर पर कार्यक्रम की अध्यक्षता दिल्ली विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. योगेश सिंह द्वारा की गई।

कार्यक्रम के दौरान संबोधित करते हुए केंद्रीय मंत्री ने कहा कि विश्वविद्यालय के 100 साल के इतिहास में पटेल पर बहुत काम हुआ होगा, लेकिन आजादी के अमृत महोत्सव में उसे और प्रासंगिक रूप में रिसर्च में लाकर चर्चा में लाया जाए। उन्होने सरदार वल्लभ भाई पटेल को स्मरण करते हुए कहा कि हम सौभाग्यशाली हैं कि पटेल के कारण आज हमारा देश एकीकृत भारत के रूप में हमारे सामने है।

प्रधान ने कहा कि 100 साल की आजादी की लड़ाई के उपरांत जब आजादी मिलने की आस जगी तो, देश में राष्ट्रीय नेतृत्व के रूप में कई तरह की विचार धारा के लोग थे। उस दौर में सरदार पटेल की भूमिका बैलेंसिंग फैक्टर की रही है।

राष्ट्रीय एकता दिवस पर शहर में विद्यार्थियों सहित पुलिस ने किया पैदल मार्च

राष्ट्रीय की एकता, अखंडता और सुरक्षा को बनाए रखने के लिए पुलिस ने दिलाई सत्यनिष्ठा की शपथ

कपिल शर्मा /गौरवशाली भारत

नाँगल चौधरी। शहर में सोमवार सुबह राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय के विद्यार्थियों सहित थाना प्रभारी रामनाथ द्वारा राष्ट्रीय एकता दिवस उपलक्ष्य रन फॉर यूनिटी दौड़ में भाग लिया गया। भारत रत्न और देश के पहले गृहमंत्री सरदार बल्लभ भाई पटेल को याद करते हुए उनकी 147वीं जयंती को राष्ट्रीय एकता दिवस के रूप में मनाया गया। विद्यालय के मुख्यद्वार से पैदल मार्च में विद्यार्थियों ने सुबह करीब नौ बजे कतार बद्ध पंक्ति में थाना समीप आकर थाना प्रभारी एवं स्टॉफ़ सहित राष्ट्रीय की एकता, अखंडता और सुरक्षा को बनाए रखने के लिए एमएचसी विकास कुमार द्वारा सत्यनिष्ठा की शपथ दिलवाई गई। थाना प्रभारी रामनाथ द्वारा इस पैदल मार्च में विद्यार्थियों के साथ रन फॉर यूनिटी दौड़ में नेतृत्व किया गया। एसएचओ ने कहा कि, भारत की एकता, अखंडता और सुरक्षा को बनाए रखने में सभी नागरिकों का सहयोग होना चाहिए। एसएचओ ने गौरवशाली भारत से रुबरु होते हुए कहा कि, राष्ट्रीय एकता दिवस मनाने में स्कूल स्टॉफ़ एवं विद्यार्थियों सहित शहरवासियों में उत्साह सहित योगदान दिया गया। सरदार वल्लभ भाई पटेल की यादें आज भी हमारे बीच में है। राष्ट्रीय एकता दिवस पर 16वीं हरियाणा एनसीसी बटालियन नारनौल से कमांडिंग अधिकारी कर्नल के.जे. सिंह एवं सुबेदार मेजर ऑनर लेफ्टिनेंट जगमाल सिंह के आदेशानुसार नायब सुबेदार मुकेश कुमार, एनसीसी अधिकारी बृजेश कुमार द्वारा मार्ग निर्देशन किया गया।

विद्यालय के विद्यार्थी, एनसीसी कैडेट्स, थाना स्टॉफ़ और शहर की चेयरमैन प्रिया सैनी के प्रतिनिधि रमेश चंद सैनी, जेजेपी के वरिष्ठ नेता पंडित रविन्द्र शर्मा और बाज़ार के गणमान्य लोगों ने उत्साह के साथ राष्ट्रीय एकता का शहर में संदेश दिया। इस मौके पर पैदल मार्च ने शहर के नारनौल बस स्टैंड, निजामपुर रोड़, थाना मोड़, गाँधी बाज़ार में भारत माता की जय, वंदे मातरम् और जय हिंद जयकारों के उदघोष से गूंजायमान करते हुए महानायक सरदार वल्लभभाई पटेल की याद को ताज़ा करते हुए शहरवासियों को राष्ट्रीय एकता का संदेश दिया।

एनसीसी अधिकारी बृजेश कुमार ने कहा कि, 31 अक्टूबर को भारत के पहले गृहमंत्री सरदार वल्लभभाई पटेल को याद करते हुए हम राष्ट्रीय एकता दिवस मनाते हैं। इस दिवस को मनाने का मुख्य उद्देश्य सरदार वल्लभ भाई पटेल के अथक प्रयासों से सभी को एक सूत्र में बांधने जैसे कार्यों को याद करना है। भारत में अनेक धर्मों, अनेक जातियों और अनेक पंतुओं के लोग रहते हैं। जाति, धर्म, संप्रदाय से पहले हम सब के लिए राष्ट्रीय सर्वोपरी है।

इस अवसर पर विद्यार्थियों सहित विद्यालय के प्राचार्य मुकेश शर्मा, सतीश शर्मा, अनूप कुमार और थाना स्टॉफ़ में एसएचओ समेत एसआई अभय सिंह, सतबीर जांगरा, सुरेश मलिक, एएसआई गजेंद्र, एमएचसी विकास कुमार, पीएसआई सुधीर, एचसी मुकेश, सौरभ, हितेष सहित अन्य सम्मानित स्वजन उपस्थित रहे।

गुरुग्राम में 10वीं की छात्रा संग हैवानियत

होटल में ले जाकर 2 दोस्तों सहित 5 लोगों ने किया गैंगरेप

गुरुग्राम। दिल्ली से सटे हरियाणा के गुरुग्राम में 10वीं क्लास में पढ़ने वाली 14 वर्षीय एक छात्रा को होटल में ले जाकर उसके दोस्तों समेत पांच युवकों ने कथित तौर पर गैंगरेप किया। पुलिस ने इस संबंध में एफआईआर दर्ज कर 2 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है।

एक पुलिस अधिकारी ने सोमवार को इस बारे में जानकारी देते हुए बताया कि गैंगरेप की यह घटना शनिवार रात की है और पांच आरोपियों में से दो को सोमवार शाम को गिरफ्तार कर लिया गया है।

14 वर्षीय पीड़िता की मां की ओर से दर्ज कराई गई शिकायत के मुताबिक, शनिवार दोपहर करीब साढ़े बारह बजे उसकी बेटी घर से निकली थी। उसने सोचा कि शायद उसकी बेटी पास के पार्क में टहलने गई होगी।

पीड़िता की मां ने पुलिस को दी शिकायत में कहा कि जब वह काफी देर तक नहीं लौटी तो हमने उसकी तलाश शुरू की, लेकिन उसका कुछ पता नहीं चल सका। रविवार सुबह करीब 10 बजे मेरी बेटी घर के पास मिली। यह पूछे जाने पर कि वह पूरी रात कहां थी, उसने अपनी मां से कहा कि उसे उसके दो दोस्त एक बाइक पर एक होटल में ले गए थे, जहां दोनों दोस्तों और तीन अन्य लोगों ने कथित तौर पर उसके साथ गैंगरेप किया। पुलिस ने कहा, आरोपियों ने इस बारे में किसी को कुछ भी बताने पर उसे जान से मारने की धमकी भी दी थी।

शिकायत के आधार पर आईपीसी की धारा 376-डी (सामूहिक बलात्कार), 506 (आपराधिक धमकी) और यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण अधिनियम के तहत एफआईआर दर्ज की गई थी। पुलिस ने कहा कि लड़की को मेडिकल जांच के लिए सिविल अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने बलात्कार की पुष्टि की।

डीसीपी पश्चिम दीपक सहारन ने कहा कि सोमवार शाम को दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया और उनसे पूछताछ की जा रही है, जबकि अन्य आरोपियों की तलाश की जा रही है।

नोएडा में प्रसव के बाद कुतिया की मौत पर फूटा, गुस्सा लोगों ने किया हंगामा

नोएडा । नोएडा में प्रसव के बाद एक कुतिया की मौत हो जाने के बाद नाराज सैकड़ों लोगों ने जोरदार प्रदर्शन किया और नोएडा प्राधिकरण के अधिकारियों के खिलाफ नारेबाजी की। हंगामे की जानकारी मिलते ही मौके पर पहुंची ने कुतिया के शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज कर जांच शुरू कर दी है। दरअसल, सेक्टर 100 में स्थित लोटस बुलेवर्ड सोसाइटी में कुछ दिन पहले आवारा कुत्तों के हमले में आठ माह के बच्चे की मौत हो जाने पर सोसाइटी के लोगों ने विरोध प्रदर्शन किया था, जिसके बाद नोएडा प्राधिकरण ने वहां से लावारिस कुत्तों को पकड़ा था, लेकिन एक गर्भवती कुतिया को सेक्टर-104 में रहने वाली एक पशु प्रेमी महिला ने अधिकारियों से लेकर अपने पास रख लिया था। कुतिया की प्रसव के बाद रविवार रात मौत हो गई। उसकी मौत के बाद सैकड़ों लोगों ने नोएडा प्राधिकरण के अधिकारियों के खिलाफ नारेबाजी की और जमकर हंगामा किया। लोगों का आरोप है कि जानवरों को पकड़ने के दौरान नोएडा प्राधिकरण के कर्मियों ने उनके साथ दुर्व्यवहार किया, जिसकी वजह से कुतिया की मौत हुई। थाना प्रभारी राजीव बालियान ने बताया कि कुतिया के शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा गया है और रिपोर्ट आने के बाद ही अग्रिम कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने बताया कि पशु प्रेमी महिला ने प्राधिकरण के अधिकारियों पर गंभीर आरोप लगाए हैं और पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर मामले की जांच कर रही है। बता दें कि, नोएडा के सेक्टर-100 में लोटस बुलेवर्ड सोसाइटी के परिसर में 17 अक्टूबर को एक कुत्ते ने सात महीने के बच्चे पर हमला कर उसे घायल कर दिया था। बच्चा गंभीर रूप से घायल हो गया था और उसे इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसकी मौत हो गई थी।

सरदार वल्लभ भाई पटेल के जीवन दर्शन पर लगाई प्रदर्शनी

प्राचार्या डॉ. अनीता तंवर ने छात्राओं को किया पुरस्कार से सम्मानित

कपिल शर्मा /गौरवशाली भारत

नाँगल चौधरी। ग्राम नौलायजा में सोमवार को एनएसएस के तत्वावधान में प्राइमरी स्कूल में राष्ट्रीय एकता दिवस मनाया गया।

महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. अनीता तंवर की अध्यक्षता में महाविद्यालय की स्वयंसेवकों के द्वारा राष्ट्रीय एकता के शिल्पी सरदार बल्लभ भाई पटेल की जयंती के उपलक्ष्य में सरदार भाई पटेल के जीवन दर्शन पर प्रदर्शनी लगाई गई । प्रदर्शनी का शुभारंभ भरपाई देवी ने रिबन काटकर किया।

प्रदर्शनी का अवलोकन स्कूल व महाविद्यालय के विद्यार्थियों व नौलायजा गांव के गणमान्य व्यक्तियों में ईश्वर सिंह, कैलाश पंच, राजबीर सिंह हवलदार, रणजीत सिंह, बबलू डांगी, टिंकू डांगी, राजपाल, ईमरती देवी, चावली देवी और कमला देवी द्वारा किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय की छात्रा दिव्या व नचिता तथा एनएसएस प्रभारी ममता बायला सरदार बल्लभ भाई पटेल के जीवन दर्शन पर प्रकाश डाला।

चंचल एंड ग्रुप ने इस दौरान रेशभक्ति गीत भी प्रस्तुत किया। इस कार्यक्रम के सफल संचालन में वर्तमान पार्षद शकुन्तला देवी एवं उनके पति सतपाल डांगी की विशेष भूमिका रही, जिसके लिए समस्त महाविद्यालय परिवार आभार व्यक्त किया। प्रदर्शनी विजेताओं में प्रीति व निकिता ने प्रथम स्थान, प्रियंका व सुशीला ने द्वितीय स्थान तथा दीपिका व कोमल ने तृतीय स्थान हासिल किया। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ।

इसी कड़ी में महाविद्यालय में सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती के उपलक्ष्य छात्राओं व प्राध्यापक बृन्द ने राष्ट्रीय एकता की शपथ ग्रहण की तथा महाविद्यालय की प्राचार्या ने सरदार बल्लभ भाई पटेल की प्रतिमा पर फूलमाला व पुष्प अर्पित किए।

इस दौरान प्राचार्या डॉ. अनीता तंवर ने छात्राओं को पटेल के आदर्शों पर चलने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि, देश को एकता के में पिरोने तथा देश को स्वतंत्र कराने में सरदार वल्लभ भाई पटेल ने अपना अहम योगदान दिया था, जिसे हम कभी नहीं भूल सकते।

हम सभी देश की इस महान् विभूति को शत-शत नमन करते हैं। इस अवसर पर संतोष यादव, कुलदीप, रणवीर सहित समस्त स्टॉफ़ सदस्य उपस्थित रहे।

संपादकीय

जोखिम की उड़ान

हवाई सेवाओं का उपयोग लोग इसलिए करते हैं कि आने-जाने में समय बचता है। जिन जगहों पर रेल से पहुंचने में दो दिन लगते हैं, वहां एक ही दिन में पहुंच कर वापस भी आया जा सकता है। इसलिए कामकाजी व्यस्तता बढ़ने की वजह से अब बहुत सारे लोगों के लिए हवाई यात्रा अधिक सुविधाजनक महसूस होती है। हवाई यात्रा के प्रति लोगों के बढ़ते रुझान को देखते हुए तमाम विमानन कंपनियों ने अपने बेड़े और सेवाओं में तेजी से विस्तार किया है। छोटे-छोटे शहरों तक हवाई सेवाएं शुरू हो चुकी हैं। हवाई यात्रा में यात्री सुरक्षा का इंतजाम उनकी साख से जुड़ा होता है।

मगर इधर कुछ महीनों से इसी साख में बट्टा लगता नजर आ रहा है। एक महीने में कई हवाई जहाजों को सुरक्षा कारणों से आपातकालीन स्थिति में उतारना पड़ा है। ताजा मामला इंडिगो के दिल्ली से बंगलुरु जा रहे विमान में चिंगारी फूटने के चलते उड़ान भरने से रोकने का है। गनीमत है कि इसमें कोई बड़ा हादसा होने से टल गया और सभी मुसाफिरों को सुरक्षित उतार लिया गया। बताया जा रहा है कि हवाई पट्टी पर दौड़ते समय विमान में तकनीकी खराबी आई और उसके बाएं हिस्से में चिंगारी फूट पड़ी।

ऐसी ही घटना पिछले दिनों पटना हवाईअड्डे से उड़ान भर चुके स्पाइस जेट के विमान में हुई थी, जब उसके डैनों में चिंगारी फूटी और लपट बन गई। जब विमान हवा में उड़ रहा था, तब उसके डैने से उठती आग की लपट को हवाईअड्डे के आसपास के रिहाइशी इलाकों के लोगों ने देखा और उसके बाद उस विमान को आपातकालीन स्थिति में उतारा गया। इस तरह उसमें भी कोई बड़ा हादसा होने से बच गया।

पिछले कुछ समय में ऐसी कई घटनाएं हुई हैं, जिनमें सबसे अधिक स्पाइस जेट के विमान शामिल थे। कुछ मामलों में डीजीसीए ने स्पाइस जेट के खिलाफ कड़ा रुख भी अपनाया है। अब इंडिगो में भी वैसी ही घटना हो गई। इसे लेकर विमान सेवाओं में यात्री सुरक्षा पर सवाल गहरे होने लगे हैं। निस्संदेह डीजीसीए इस मामले की जांच करके संबंधित विमानन कंपनी पर अनुशासनात्मक कार्रवाई करने का प्रयास करेगा, मगर इससे मुसाफिरों का जो विश्वास डिगा है, उसकी भरपाई में लंबा वक्त लगेगा।

यों तो जब भी किसी विमान को उड़ान भरने की इजाजत दी जाती है, तो उसके तमाम तकनीकी पक्षों की गंभीरता से जांच की जाती है। फिर भी किन्हीं विषम परिस्थितियों में हादसे की आशंका बनी रहती है। चूंकि विमान जमीन से काफी ऊंचाई पर उड़ान भर रहे होते हैं, इसलिए ऊपर किसी भी तरह की तकनीकी खराबी बड़े हादसे का सबब बन सकती है। इसके मद्देनजर चालक दल की कुशलता से लेकर विमान की स्थिति आदि को बहुत बारीकी से जांचा-परखा जाता है। विमानों के बाहरी हिस्से में आग लगने की घटनाएं कई वजहों से हो सकती हैं।

किसी पक्षी के उसके प्रोपेलर में फंस जाने, उसके डैने से टकरा जाने या किसी अन्य वस्तु के उससे टकराने से भी आग लगने की घटना हो सकती है। हवाईअड्डों पर इन बातों का पूरा ध्यान रखा जाता है। ऊपर पहुंचने के बाद ऐसी किसी वस्तु के टकराने का खतरा नहीं रहता। मगर हैरानी है कि कैसे हवाई पट्टी पर ही दौड़ते हुए विमानों में चिंगारी फूटने की घटनाएं हो गईं। अगर हवाईअड्डों पर ही ऐसी टकराने वाली स्थितियों को रोकने में लापरवाही बरती गई, तो यह बहुत गंभीर बात है।

फर्जी का संजाल

वक्त के साथ आधुनिक होती तकनीकी के क्षेत्र में समाचार, संवाद और संचार के बढ़ते विकल्पों ने देश-दुनिया की खबरों को हासिल करने और उसे प्रसारित करने के लिए कुछ सीमित मंचों पर आम लोगों की निर्भरता को कम किया है। मगर कोई भी खबर पहुंचाने के लिए जिस परिपक्वता की जरूरत होती है, अभी उसकी काफी कमी देखी जाती है। ऐसे अनेक मौके सामने आते रहते हैं जब किसी व्यक्ति के पास खबर के रूप में कोई बात पहुंचती है तो वह उसकी पुष्टि करने के बजाय उसे उसी रूप में आगे दूसरे लोगों को संप्रेषित कर देता है।

पहले जब संचार के साधनों का अभाव था, तब एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति तक इस तरह की कोई बात पहुंचने में वक्त लगता था और कई बार इसी क्रम में उस बात की तीव्रता कमजोर पड़ जाती थी। लेकिन तकनीकी विकास के इस दौर में बड़ी आबादी की मोबाइल या स्मार्टफोन तक पहुंच बनी है और उनमें से ज्यादातर किसी न किसी रूप में सोशल मीडिया का उपयोग करते हैं, जो आज संचार और संप्रेषण का सबसे तेज और प्रभावी जरिया बन चुका है।

अंदाजा लगाया जा सकता है कि अगर कोई व्यक्ति बिना पुष्टि किए किसी घटना की जानकारी किसी अन्य व्यक्ति को सोशल मीडिया के माध्यम से भेजता है तो उसके फैलने और उसके प्रभाव की रफ्तार क्या होगी। इसीलिए प्रधानमंत्री ने संवाद के एक सशक्त माध्यम के तौर पर सोशल मीडिया पर किसी खबर या घटना के प्रसार को लेकर देश के नागरिकों को जरूरी संदेश दिया है। उन्होंने कहा है कि फर्जी खबरें बेहद खतरनाक हैं और उसके कई गंभीर परिणाम हो सकते हैं; कोई एक फर्जी खबर भी बढ़ कर राष्ट्रीय चिंता का विषय बनने की क्षमता रखती है, इसलिए उन पर लगाम कसने के लिए देश को उन्नत तकनीक पर जोर देना होगा।

आए दिन यह देखा जाता है कि आम लोग कुछ ऐसे ब्योरे भी बिना किसी हिचक के दूसरों को भेज देते हैं, जो सच्चाई से काफी दूर होते हैं, मगर उनका किसी व्यक्ति और समुदाय पर व्यापक असर भी पड़ सकता है। झूठी और नफरत फैलाने वाली खबरों की वजह से कई बार हिंसा और दंगे तक फैलने की स्थिति आ जाती है।

विडंबना यह है कि फर्जी खबरों को बिना सोचे-समझे प्रसारित कर देना आज एक प्रवृत्ति बनती जा रही है और ज्यादातर लोग किसी भी माध्यम से आई सूचना की सच्चाई की जांच करना जरूरी नहीं समझते। जबकि हाथ में मौजूद जिस स्मार्टफोन और इंटरनेट के जरिए वे फर्जी खबरों को प्रसारित करने के हिस्सेदार बन रहे होते हैं, उसी का इस्तेमाल कर बहुत थोड़े वक्त में किसी खबर की हकीकत की पड़ताल की जा सकती है।

स्मार्टफोन और कंप्यूटर जैसे संचार के साधनों तक जैसे-जैसे लोगों की पहुंच बढ़ती जा रही है, उसके मद्देनजर पिछले कुछ समय से फर्जी खबरों के जरिए अपनी मंशा साधने वालों ने संगठित तौर पर सोशल मीडिया का इस्तेमाल किया है। जबकि अगर इस माध्यम का सही इस्तेमाल किया जाए तो उपयोगी विचार अपने सच्चे स्वरूप में आम लोगों तक पहुंचाए जा सकते हैं और इन मंचों को उपयोगी बनाया जा सकता है। ऐसा कुछ हद तक हुआ भी है। लेकिन सोशल मीडिया के अलग-अलग मंचों का बेजा इस्तेमाल जिस कदर बढ़ा है, वह वास्तव में चिंता की बात है। यह ध्यान रखने की जरूरत है कि सच का आधार जहां किसी माध्यम को बेहद उपयोगी बना सकता है, वहीं झूठ उसे नुकसान का बड़ा हथियार भी बना सकता है।

कब तक चलेगा कनवर्जन का सिलसिला ?

मनोज कुमार अग्रवाल

योगी बाबा के उत्तर प्रदेश में भी कुछ लोग और उनके समूह गाहे-बगाहे धर्मांतरण के धंधे में लगे हुए हैं। ऐसे लोगों का आसान टार्गेट गरीब पिछड़े वर्ग के हिन्दू समुदाय के लोग होते हैं। हाल ही में मेरठ में लालच देकर जबरन 400 लोगों का धर्म परिवर्तन कराने का मामला सामने आया है। प्रदेश के एक दर्जन से अधिक जिलों में हजारों लोगों के धर्मांतरण के मामले सामने आ चुके हैं। यह स्वयं में प्रदेश के धार्मिक सद्भाव व सामाजिक ताने-बाने को बिगाड़ने का एक गहरा षडयंत्र है।

बीते शनिवार को सैकड़ों की संख्या में इलाके के लोग मेरठ के एसएसपी ऑफिस पर पहुंचे और उन्होंने लालच देकर जबरन धर्म परिवर्तन कराने का आरोप लगाया।इस सिलसिले में पुलिस ने सख्त कार्रवाई की है। और आठ लोगों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। इस संबंध में एसएसपी के नाम दिए गए प्रार्थना पत्र में आरोप है कि लालच देकर कुछ लोग उन्हें क्रिश्चियन बनने के लिए मजबूर कर रहे हैं।धर्म परिवर्तन करने वालों ने हिंदू देवी-देवताओं की मूर्तियां बाहर करने के लिए मजबूर किया।यह दुस्साहसी मामला मेरठ के थाना ब्रह्मपुरी क्षेत्र की एक मलिन बस्ती मंगतपुर इलाके के लोग एक बीजेपी के स्थानीय नेता के नेतृत्व में एसएसपी ऑफिस पहुंचे। बस्ती के अधिकतर लोग कूड़ा बीनने का काम करते हैं तथा बेहद गरीब तबके से ताल्लुक रखने वाले लोग कोरोना काल ऐसे लोगों के संपर्क में आ गए जो गैरकानूनी तरीके से धर्म परिवर्तन करवाते हैंमिली जानकारी के मुताबिक यहां 400 लोगों का धर्मांतरण कराया गया है।शनिवार को सैकड़ों की संख्या में लोग मेरठ के एसएसपी ऑफिस पहुंचे और उन्होंने लालच देकर जबरन धर्मांतरण कराने का आरोप लगाया। इसमें से ज्यादातर लोग मंगतपुरम बस्ती के थे। इन लोगों का आरोप है कि कोरोनाकाल में कुछ ईसाई लोगों ने उनकी मदद की थी। जब लॉकडाउन लगा था। तब इन लोगों की तरफ से हमें आटा, चावल दिया जाता था। उसका पैसा भी कई बार ले लेते थे।वो पैसा कहां जमा हुआ, हमें नहीं मालूम। लेकिन, अब ये कहते हैं कि हम उनके चर्च में आएं। उनके साथ रहें। हम अपने भगवान को मानते हैं, उनके जैसे कैसे हो जाएं। स्मृति कहती हैं कि हमारे साथ धोखा हुआ। पहले मदद कर हम लोगों का भरोसा जीता, अब मनमानी कर रहे हैं।हममें से कई लोगों को अपने में मिला लिया है। लेकिन, वो लोग अब धीरे-धीरे वापस आ रहे हैं।

स्थानीय लोगों का कहना है कि जिन ईसाईयों ने उनकी मदद की थी अब वही लोग हमें पूजा करने से रोकते हैं। हमारे घरों से हमारे देवताओं की मूर्तियां हटवा दी। हम लोगों को मंदिर जाने से भी रोकते हैं। इसके साथ ही लोगों ने कहा कि जब दिवाली पर हम लोगों ने पूजा करने की तैयारियां शुरू की तो इनलोगों ने कहा कि पूजा मत करो। पटाखे मत चलाओ। हमारे धर्म को देखो और हमारे जैसे बन जाओ। इसके बाद ही स्थानीय लोगों ने इन ईसाईयों का विरोध करना शुरू कर दिया।इसके साथ ही स्थानीय लोगों ने बताया कि पिछले वर्ष क्रिसमस पर पूरी बस्ती को चर्च में न्योता दिया गया था। स्थानीय लोगों और भाजपा नेता की शिकायत पर ब्रह्मपुरी थाने में छबीली उर्फ शिवा, बिनवा, अनिल, सरदार, निक्कू, बसंत, प्रेमा, ततली, रीना पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। तीन महिलाओं को गिरफ्तार कर पूछताछ की जा रही है। पुलिस जांच कर रही है कि धर्म परिवर्तन कराने के लिए फंडिंग कहां से की गई थी। उन्हें दो सालों में कितनी रकम मिल चुकी है। आजतक ने अपनी एक रिपोर्ट में लिखा है कि मेरठ के एसपी सिटी पीयूष सिंह का कहना है कि 9 लोगों के विरुद्ध थाने में मामला दर्ज कर लिया गया है।मेरठ से इस ख़बर के सामने आने के बाद से काफी अफरा-तफरी मच गयी है।

ज्ञात हो कि आगरा मेरठ सम्भल बुलंदशहर अलीगढ़ अमरोहा बरेली हापुड़ समेत एक दर्जन से अधिक जिलों में ईसाई मिशनरियों द्वारा गरीब व पिछड़ी जातियों के लोगों को भ्रमित कर उन्हें धीरे-धीरे एक सुनियोजित तरीके से अपने जाल में फंसा कर कनवर्जन करने के मामले सामने आ चुके हैं। इस से पता चलता है कि कितने बड़े पैमाने पर कुछ संस्थाऐ आर्थिक मदद देकर बदले में उनका धर्म छीन रहीं हैं और उनका धर्मांतरण कर अपने धर्म का अनुयायी बनाने के लिए जबरन दबाव बना रहीं हैं हालांकि प्रदेश में धर्मांतरण के लिए एक कानून बनाया जा चुका है जिसमें व्यवस्था दी गई है कि आर्थिक प्रलोभन अथवा अन्य किसी तरह का प्रलोभन या दबाव बनाकर जबरन धर्मांतरण करना या कराना दंडनीय अपराध है। इसी तरह वर्षों से देश के अनेक क्षेत्रों में इसी तरह का धर्मांतरण का धंधा चला रही हैं। पूर्वात्तर भारत हो- पंजाब हो या फिर देश के दूसरे हिस्से, ईसाई मिशनरियां इसी तरह से अपने धंधे को चला रही हैं। पश्चिम उत्तर प्रदेश में चोरी छिपे कनवर्जन के काम में लगी ईसाई मिशनरियों में योगी सरकार के धर्मांतरण कानून का कोई भय नहीं है? मेरठ में हाल में हुई मतांतरण में आठ लोगों की गिरफ्तारी के बाद यही बात कही जा रही है कि ईसाई मिशनरियां बिना किसी भय के वंचित समाज में मतांतरण का षडयंत्र रच रही हैं। मेरठ के ब्रह्मपुरी थाना क्षेत्र में चार सौ लोगों का मतांतरण कराकर उन्हें ईसाई बनाए जाने की घटना ने एक बार फिर से देश में चल रहे ईसाई मिशनरियों के षडयंत्र को सामने ला दिया है। प्रदेश सरकार को हर जिले में इस तरह की गतिविधियों को लेकर जांच करानी चाहिए ताकि आर्थिक सहायता की आड़ में देश के सामाजिक तानेबाने को कनवर्जन के जरिए चौपट करने की साजिश का समय रहते इलाज किया जा सके और इस काम में लगे समाज कंटकों को बेनकाब किया जा सके।

चीन से संबंधः- भारत को सतर्क रहना होगा

-डॉ0 लक्ष्मी शंकर यादव

अक्टूबर माह की 23 तारीख को चीन के राष्ट्रपति षी चिनफिंग को अगले पांच सालों के कार्यकाल के लिए लगातार तीसरी बार कम्युनिश्ट पार्टी ऑफचाइना ;सीपीसी द्ध का महासचिव चुन लिया गया। यह एक विषेश उपलब्धि है क्योंकि षी चिनफिंग सीपीसी के संस्थापक माओत्से तुंग के बाद सत्तारूढ़ कम्युनिस्ट पार्टी के ऐसे पहले नेता हैं जिन्हें राश्ट्रपति पद का लगातार तीसरा कार्यकाल प्राप्त हुआ है। उनकी इस सफलता के बाद यह आषंका जताई जा रही है कि षी चिनफिंग अब जीवन भर चीन की सत्ता पर काबिज रहेंगे। यह स्थिति भारत के लिए हमेषा चिन्तनीय बनी रहेगी क्योंकि उनकी जो नीतियां रहीं हैं वे भारत के लिए ठीक नहीं रहीं हैं। उनके ही कार्यकाल में मई 2020 से सीमा पर तनाव बरकरार है। सन् 1962 की लड़ाई के 60 साल पूरे हो गए हैं। इस अवधि में चीन से लगने वाली सीमा पर सामरिक चुनौतियां बढ़ गई हैं। तिब्बत में उसके सैन्य तंत्र में काफी इजाफा हुआ है। यहां पर चीन पहले के आठ डिवीजनों की तुलना में 3 दर्जन डिवीजनों को बनाए रखने की स्थिति में है। इस इलाके में हवाई लड़ाकू विमानों व मिसाइलों के अड्डों की संख्या काफी बढ़ाई जा चुकी है। इन सभी अड्डों पर सेना की समस्त जरूरतों वाली लाजिस्टिक क्षमताएं स्थापित की जा चुकी हैं। चीन तिब्बत में दुनिया के सबसे उंचे स्थान पर हवाई अड्डे का निर्माण कर चुका है जो रणनीतिक दृश्टि से विषेश हवाई अड्डा है। पूर्वी लद्दाख में पैंगोंग झील के पास चीनी सेना अपनी छावनी को मजबूत कर रही है। चीनी सैनिक गतिरोध के बाद जब यहां से पीछे हटे तो वे रुटोग काउंटी में मौजूद अपनी छावनी में गए थे। चीनी सेना इसी छावनी में लॉजिस्टिक सपोर्ट बेस बढ़ा रही है। यहां पर 85 से ज्यादा षेल्टर तैयार कर लिए हैं। चीनी सेना ने इसे 2019 के बाद विकसित करना षुरू किया था। यहां 250 से ज्यादा अस्थाई षेल्टर भी हैं।

सन् 1962 के युद्ध के बाद से दुनिया बहुत बदल चुकी है लेकिन चीन जिस तरह की कूटनीतिक चालें चलता है उससे भारत को अपनी सुरक्षा के लिए सतर्क रहना होगा। दूसरा आपसी सम्बन्ध बेहतर बनाने व विवादित मुद्दों को हल करने के लिए चीन कितना गम्भीर है। इसलिए बीते 60 वर्शों के भारत-चीन सम्बन्धों पर चिन्तन एवं मनन की जरूरत है। सन् 1962 की लड़ाई के बाद सन् 1965 तक चीन के रूख में कोई बदलाव नहीं आया। इसी वर्श जब भारत ने पाकिस्तान को लड़ाई में षिकस्त दी तो चीन की समझ में आ गया कि भारत के साथ सीधी लड़ाई में कोई फायदा नहीं होगा और सम्बन्ध सामान्य बनाने की प्रक्रिया षुरू की लेकिन 1967 में चीन ने नाथुला पोस्ट पर गोलीबारी करके अतिक्रमण करने का प्रयास किया जिसका मुंहतोड़ जवाब 2 ग्रेनेडियर्स के जवानों ने दिया इससे चीन को कड़ा सन्देष मिला।

सन् 1971 में सम्बन्ध सुधारने के प्रयासों के तहत भारत ने संयुक्त राश्ट संघ में चीन का समर्थन किया। जुलाई 1976 में कूटनीतिक सम्बन्ध बहाल हुए और राजदूतों ने एक दूसरे के देष की यात्रा की। वर्श 1978 में दोनों देषों के प्रतिनिधि मंडल एक दूसरे के यहां गए और न्यूयार्क में दोनों देषों के विदेष मंत्रियों ने मुलाकात की। फरवरी 1979 में विदेष मंत्री अटल बिहारी बाजपेई चीन की यात्रा पर गए। जून 1981 में चीन के विदेष मंत्री हुआंगहू ने भारत यात्रा की। सन् 1986 में चीन ने वीजिंग में वार्ता करने का नाटक किया और दूसरी तरफ समुदोरोंग चू घाटी में अतिक्रमण का प्रयास किया लेकिन सेनाध्यक्ष के.सुन्दरजी ने करारा जवाब दिया जिससे चीन को पीछे हटना पड़ा। 19 दिसम्बर 1988 को प्रधानमंत्री राजीव गान्धी चीन गए जिसमें सीमा विवाद का हल निकालने के लिए एक कार्यदल बना। वर्श 1990 में चीनी राश्टपति भारत आए और दिसम्बर 1991 में चीन के प्रधानमंत्री ली पेंग ने भारत की यात्रा की। वर्ष 1992 में तत्कालीन रक्षा मंत्री परद पवार और राश्टपति आर. वेंकटरमन द्वारा चीन की यात्राएं की गईं जिनमें सीमा विवाद पर वार्ता हुई। सितम्बर 1993 में प्रधानमंत्री नरसिंहराव की चीन यात्रा हुई और 7 सितम्बर को दोनों देषों के बीच सीमा विवाद हल होने तक वास्तविक नियन्त्रण रेखा पर षान्ति बनाए रखे जाने, एक दूसरे के साथ बल प्रयोग नहीं करने, अपने-अपने सैनिक अभ्यासों की पूर्व सूचना देने, वायु सीमा का उल्लंघन न करने, व्यापार, पर्यावरण संरक्षण तथा रेडियो व टेलीविजन के मुद्दों पर समझौता हुआ।

गाय है भारतीय संस्कृति का तिलक

ललित गर्ग

भारत त्यौहारों का धर्म परायण देश है। दीपावली पर्व श्रृंखला में एक पर्व गोपाष्टमी है। कार्तिक शुक्ल पक्ष की अष्टमी को गोपाष्टमी पर गोपूजन उत्सव बड़े उल्लास से मनाया जाता है। विशेषकर गौशालाओं के लिए यह बड़े महत्व का उत्सव है। इस दिन गौशालाओं में एक मेला जैसा लग जाता है। गौ कीर्तन-यात्राएं निकाली जाती हैं। घर-घर व गांव-गांव में मनाये जाने वाले इस उत्सव में भंडारे किए जाते हैं, गौ को स्नान कराया जाता है, गौ पूजा की जाती है, जिनका शास्त्रीय महत्व है। भारत में गौ ही धर्म, अर्थ, काम और मोक्ष दात्री मानी गयी है। गौ को माता कहा गया है। गौ में सर्व देवी-देवताओं का वास कहा गया। उसके मूत्र में गंगा व गोबर में लक्ष्मी का वास है। गौ के समस्त उत्पाद जीवन-रक्षक होते हैं। गौ से जुड़ी आस्था एवं उपयोगिता को देखते हुए गतदिनों इलाहाबाद हाईकोर्ट ने एक महत्वपूर्ण फैसले में गाय को राष्ट्रीय पशु का दर्जा दिया जाने की मांग करते हुए कहा है कि गाय का भारतीय संस्कृति में महत्वपूर्ण स्थान है। गाय को भारत देश में मां के रूप में जाना जाता है और देवताओं की तरह उसकी पूजा होती है। गाय भारत के लिये केवल एक जन्तु नहीं है, बल्कि वह जन-जन की आस्था का केन्द्र है। मां के दूध के बाद केवल गाय के दूध को ही अमृत तुल्य माना गया है। गौवंश संवर्धन देश की जरूरत है। गौ पर स्वार्थ एवं संकीर्णता की राजनीति करने वालों की समझ एवं विवेक जागे, यह अपेक्षित है। आज जब दुनिया के बहुत से देश अपनी संस्कृति को भुलाते जा रहे हैं और भारतीय संस्कृति हजारों वर्षों के संघर्ष के बाद भी कायम है तो इसके मूल में कहीं न कहीं गाय है। गाय हमारी संस्कृति की प्राण है, चेतना है। प्राचीन काल से ही गाय भारतीय संस्कृति व परंपरा का मूलाधार रही है। गंगा, गोमती, गीता, गोविंद की भांति शास्त्रों में गाय भी अत्यंत पवित्र मानी गई है। गोपालन व गौ-सेवा तथा गोदान की हमारी संस्कृति में महान परंपरा रही है। गौ-सेवा भी सुख व समृद्धि का एक मार्ग है। वेद-पुराण, स्मृतियां सभी गौ-सेवा की उत्कृष्टता से ओत-प्रोत हैं। दरअसल भारत की संस्कृति मूल रूप से गौ-संस्कृति कही जाती है। गाय श्रद्धा के साथ-साथ हमारी अर्थव्यवस्था, स्वास्थ्य एवं संस्कृति का प्रमुख आधार है।

हिन्दू धर्म में गाय का महत्व इसलिए नहीं रहा कि प्राचीन काल में भारत एक कृषि प्रधान देश था और आज भी है और गाय को अर्थव्यस्था की रीढ़ माना जाता था। भारत जैसे और भी देश है, जो कृषि प्रधान रहे हैं लेकिन वहां गाय को इतना महत्व नहीं मिला, जितना भारत में। दरअसल हिन्दू धर्म में गाय के महत्व के कुछ आध्यात्मिक, धार्मिक और चिकित्सीय कारण भी रहे हैं। गाय एकमात्र ऐसा पशु है जिसका सब कुछ सभी की सेवा में काम आता है। गाय का दूध, मूत्र, गोबर के अलावा दूध से निकला घी, दही, छाछ, मक्खन आदि सभी बहुत ही उपयोगी है। वैज्ञानिक कहते हैं कि गाय एकमात्र ऐसा प्राणी है, जो ऑक्सीजन ग्रहण करता है और ऑक्सीजन ही छोड़ता है, जबकि मनुष्य सहित सभी प्राणी ऑक्सीजन लेते और कार्बन डाई ऑक्साइड छोड़ते हैं। पेड़-पौधे इसका ठीक उल्टा करते हैं। आजकल भूमि भी जहरीली होती जा रही है जिससे उसमें उगने वाली वनस्पतियों में विषाक्तता बढ़ती जा रही है।

इसके लिए हमें गोबर की खाद का प्रयोग करना होगा, तभी हमारी भूमि बच सकती है। इसके लिए हमें गाय को बचाना होगा। गाय को माता का स्थान देने वाली भारतीय संस्कृति दुनिया के लिये उपयोगी है। जिस प्रकार माँ अपने बच्चे का लालन-पालन व सुरक्षा करती है, उसी प्रकार गौ का दूध आदि भी मनुष्य का लालन-पालन तथा स्वास्थ्य व सद्गुणों की सुरक्षा करते हैं।

आओ क्रूरता मुक्त जीवन शैली बनाने शाकाहारी बनें

गोंदिया - वैश्विक स्तरपर हमने कई बार स्वाइन फ्लू बर्ड फ्लू नामक बीमारियों के नाम सुने हैं लेकिन अभी दो साल से हम सब कोरोना महामारी से पीड़ित होकर उभरे हैं या यूं कहें कि अभी भी शुरू है। यह बीमारी भी चमड़े जानवर से प्रसारित हुई थी ऐसी जानकारी मीडिया में आई थी याने अनेक बीमारियों का प्रवाह मनुष्य में संक्रमण जानवरों से होता है जिससे गुर्दे का रोग अल्सर कैंसर चर्मरोग जैसी अनेक बीमारियों की संभावना होती है हालांकि हम इसकी सत्यता को प्रमाणित नहीं कर रहे हैं परंतु इलेक्ट्रॉनिक और प्रिंट मीडिया में अनेक बार ऐसी जानकारियां आती रहती है जो बताती है कि मांसाहार स्वस्थ जीवन के लिए अपेक्षाकृत सुदृढ़ आहार नहीं है दूसरी ओरमांसाहार के बढ़ते दौर से पर्यावरण को भी नुकसान पहुंचने की संभावना बनी रहती है इसीलिए ही रिचर्ड आर्टन मुख्य संपादक लासेन (मेडिकल जरनल) ने कहा है धरती पर जीवन बनाए रखने में कोई भी चीज मनुष्य को उतना फायदा नहीं पहुंचाएगी जितना कि शाकाहार का मिल रहा है। हालांकि कहा जाता है कि विश्व में सबसे अधिक शाकाहारी जीव भारत में ही रहते हैं, क्योंकि 1 नवंबर 2022 को विश्व शाकाहारी दिवस हम मना रहे हैं। हालांकि मीडिया में यह दिवस 1 अक्टूबर को भी बताया गया है। परंतु नई जानकारी के मुताबिक 1 नवंबर को इसलिए चुना गया क्योंकि यह हेलोवीन (31 अक्टूबर) और ऑल सोल्स डे (2 नवंबर) के बीच आता है, इसलिए वालिस को इन दोनों के साथ मेल खाने वाली तारीख पसंद आई जो दावत और उत्सव के लिए एक पारंपरिक समय प्रदान करता है और शाकाहारी दिन उसके लिए पूरी तरह से फिट बैठता है इसीलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से विश्व शाकाहारी दिवस 1 नवंबर 2022 पर चर्चा करेंगे।

साथियों बात अगर हम शाकाहारी जीवनशैली की करे तो, शाकाहार एक जीवन शैली है जिसे प्रत्येक व्यक्ति स्वस्थ जीवन के लिएचुनता है। एक अच्छी और स्वस्थ जीवन शैली के लिए शाकाहारी भोजन के अपने फायदे हैं, कई स्वास्थ्य लाभ हैं जो एक शाकाहारी आहार प्रदान करता है और इसलिएलोगों को शाकाहारी आहार के स्वास्थ्य लाभों के बारे में जागरूक करने और इसे बढ़ावा देने के लिए विश्व शाकाहारी दिवस मनाया जाता है।भारत में ज्यादातर लोगशाकाहारी भोजन खाना पसंद करते हैं। बीमार होने पर अक्सर डॉक्टर फल और सब्जियां खाने की सलाह देते हैं. यानि शरीर को ठीक करने में वेजिटेरियन खाना फायदा करता है। शाकाहारी खाने में भरपूर पोषक तत्व पाए जाते हैं। फल, सब्जियां, दालों और अनाज विटामिन और मिनरल्स का भंडार हैं। हालांकि दुनिया में सिर्फ 10 फ़ीसदी आबादी ही शाकाहारी है, जिसमें से सबसे ज्यादा संख्या भारत में है। अगर हम भी वेजिटेरियन हैं तो आज का दिन हमारे लिए सेलिब्रेशन का दिन होना चाहिए क्योंकि आज 1 नवंबर को हर साल विश्व शाकाहारी दिवस के रूप में मनाया जाता है।

साथियों बात अगर हम शाकाहारी भोजन के स्वास्थ्य और पर्यावरण के लिए फायदों की करें तो शाकाहारी भोजन न सिर्फ स्वास्थ्य को बेहतर बनाता है बल्कि पर्यावरण के लिए भी अच्छा है। शाकाहारी खाने में सब्जियों, बीज, फलियां, फल, नट्स और अनाज शामिल होते हैं। इसमें पशु उत्पाद जैसे, डेयरी और शहद भी शामिल हैं। इस दिन लोगों को पर्यावरण को सुरक्षित रखने, पशु कल्याण और जानवरों को बचाने पर जोर दिया जाता है। लोगों को शाकाहारी भोजन के फायदों के बारे में बताया जाता है। ये फायदेमंद है शाकाहारी भोजन (1) - वेजिटेरियन डाइट हाई फाइबर डाइट होती है, जिससे हमारी गट हेल्थ अच्छी रहती है। इससे पेट से जुड़ी समस्याएं जैसे कब्ज, पेट दर्द, और भारीपन दूर होता है। (2) - शाकाहारी खाना न सिर्फ शरीर को स्वस्थ रखता है बल्कि इससे आपकी उम्र भी बढ़ती है और शरीर बीमारियों से दूर रहता है। (3) - वजन घटाने, कोलेस्ट्रॉल को कंट्रोल रखने, डायबिटीजऔर हार्ट के खतरे को कम करने के लिए भी वेजिटेरियन डाइट लेने की सलाह दी जाती है। (4)-बालों को मजबूत बनाने और स्किन को हेल्दी और चमकदार बनाने के लिए भी वेजिटेरियन डाइट अच्छी मानी जाती है। (5) - शाकाहारी खाने से शरीर को जरूरी विटामिन और मिनरल्स आसानी से मिल जाते हैं।

साथियों बात अगर हम विश्व शाकाहारी दिवस मनाने की करें तो, विश्व शाकाहारी दिवस लोगों को पशु उत्पादों को छोड़ने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए पर्यावरणीय विचारों, पशु कल्याण और व्यक्तिगत स्वास्थ्य लाभों पर जोर देने के लिए मनाया जाता है यूनानी दार्शनिक और गणितज्ञ पाइथागोरस इस आहार का समर्थन करते थे जिनके नाम पर ये नाम रखा गया था। इसके बाद 1960 के दशक में अमेरिका और ब्रिटेन में भी शाकाहारी खाने को लेकर जागरुकता बढ़ने लगी। इसके बाद 1977 में उत्तर अमेरिकी वेजिटेरियन सोसाइटी ने हर साल 1 अक्टूबर को विश्व शाकाहारी दिवस में मनाने की घोषणा की, मांसाहारी लोगों को किन-किन बीमारियाँ होने की संभावना होती है? यह है डायबिटीज, हाई ब्लड प्रेशर, दिल की बीमारी, कैंसर, गुर्दे का रोग, अल्सर, बर्ड फ्लू, स्वाइन फ्लू जैसी कई बीमारियां होने की अधिक सम्भावना होती हैहालांकि इस आर्टिकल का उद्देश्य इसे साबित करना नहीं है बल्कि शाकाहार के लिए स्वास्थ्य और पर्यावरण को सुरक्षात्मक उपायों तक पहुंचाना है। अत: अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर उसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि शाकाहारी मनुष्य: दीर्घायु: भवति

आओ क्रूरता मुक्त जीवन शैली बनाने शाकाहारी बने। आधुनिक समाज में शाकाहारी आहार स्वस्थ जीवन शैली बनाने के लिए सबसे आश्चर्यजनक और दिलचस्प आहारों में से एक है।

क्या कहा-चुनाव आ रहा है?

क्या कहा-चुनाव आ रहा है?
तो खड़े हो जाइए
देश थोड़ा बहुत बचा है
उसे आप खाइए।
देखिये न,
लोग किस तरह खा रहे है
सड़के, पुल और फैक्ट्रियों तक को
पचा रहे हैं
जब भी डकार लेते हैं
चुनाव हो जाता है
और बेचारा आदमी
नेताओं की भीड़ में खो जाता है।
संविधान की धाराओं को
स्वार्थ के गटर में
मिलाने का
हर प्रयास जारी है
खुशबू के तस्करों पर
चमन की ज़िम्मेदारी है।
सबको अपनी-अपनी पड़ी है
हर काली तस्वीर
सुनहरे फ्रेम में जड़ी है।
सारे काम अपने-आप हो रहे हैं
जिसकी अंटी में गवाह है
उसके सारे खून
माफ़ हो रहे हैं

शार्ट न्यूज

बुलंदशहर में चौकीदार की हत्या कर ट्रैक्टर ले गए बदमाश, हाथ, पैर बंधा हुआ मिला शव

बुलंदशहर। बुलंदशहर जिले के बीबीनगर इलाके में बदमाशों द्वारा एक ईंट भट्ठे पर तैनात चौकीदार की हत्या कर ट्रैक्टर ले जाने का मामला सामने आया है। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी। पुलिस अधीक्षक (नगर) सुरेंद्र नाथ तिवारी ने सोमवार को बताया कि अलावास वातरी गांव में एक ईंट का भट्ठा है जहां चौकीदारी करने वाले हेमराज (60) की रविवार रात में हत्या कर दी गई। उन्होंने बताया कि यहां से एक ट्रैक्टर भी गायब है। मामले की छानबीन की जा रही है। पुलिस के अनुसार बीबीनगर इलाके के अलावास वातरी गांव के पास ईंट के भट्टे पर चौकीदार हेमराज का सोमवार की सुबह हाथ, पैर बंधा हुआ शव पड़ा हुआ मिला। वारदात को अंजाम देने के बाद बदमाश भट्ठे पर खड़ा ट्रैक्टर ले गए।

गोंडा में छठ पूजा के दौरान झील में डूबा 8 साल का बच्चा, मौत से पसरा मातम

गोंडा। गोंडा के तरबगंज तहसील क्षेत्र के अमदही गांव में अष्टावक्र आश्रम के समीप स्थित बरसौत झील के रामघाट पर छठ पूजा के दौरान 8 वर्षीय बच्चा डूब गया। पांच घंटे बाद पहुंचे गोताखोरों ने शव को झील से बरामद कर लिया है। घटना सोमवार सुबह 6 बजे छठ पूजा के दौरान रामघाट पर घटी। जब महिलाएं सूर्य भगवान को अर्क देने के लिए झील के किनारे इकट्ठा थी। तभी अचानक सुधांशु गुप्ता 8 वर्ष पुत्र राजेंद्र गुप्ता का पैर फिसल गया। झील गहरी होने के कारण बच्चे का घंटो तक कोई पता नहीं चल सका। पांच घंटे बाद पहुंचे गोताखोरों ने बच्चे के शव को झील से बरामद किया। परिजनों का आरोप है कि मौके पर पुलिस प्रशासन मौजूद था फिर भी गोताखोरों की व्यवस्था नहीं कराई जा सकी।

सीतापुर में गश्त कर रही पुलिस जीप को वाहन ने टक्कर मारी, दरोगा की मौत

सीतापुर। लखनऊ-दिल्ली हाईवे पर गश्त कर रही पुलिस पेट्रोलिंग जीप में अज्ञात वाहन ने पीछे से जोरदार टक्कर मार दी। वाहन की टक्कर लगने से जीप हाईवे किनारे खाई में जाकर पलट गई । उस पर सवार दरोगा की मौके पर मौत हो गई। तीन पुलिसकर्मी जख्मी हुए हैं जिनमें एक को ट्रामा सेंटर लखनऊ भेजा गया है। आईजी रेंज, पुलिस अधीक्षक, एएसपी दक्षिणी एनपी सिंह, सीओ सहित पुलिस के आला अधिकारी भी मौके पर पहुंचे और जांच पड़ताल की। हादसा सोमवार सुबह करीब पांच बजे के आसपास अटरिया थाना क्षेत्र के कबरन गांव के पास हुआ है। हाईवे पर गश्त कर रही पेट्रोलिंग पुलिस जीप मनवां चौकी से वापस अटरिया थाने लौट रही थी। जीप में दरोगा शफीक अहमद, सिपाही सतबीर यादव, अनिल त्रिपाठी व पवन कुमार सवार थे। गोधना व कबरन गांव के बीच पीछे से अज्ञात वाहन ने जीप में टक्कर मार कर फरार हो गया। टक्कर लगने से जीप हाईवे किनारे खाई में पलट गई। हादसे में घायल दो सिपाहियों को हिन्द अस्पताल में भर्ती कराया गया है। यहां से सिपाही सतबीर को ट्रामा सेंटर लखनऊ रेफर किया गया है।

प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में 30 एकड़ जमीन पर बनेगी बड़ी गौशाला

फिरोजाबाद। उत्तर प्रदेश के पशुधन एवं दुग्ध विकास एवं अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री धर्मपाल सिंह ने सोमवार को कहा कि बेसहारा गोवंश की समस्या के समाधान के लिए सभी विधानसभा क्षेत्रों में सरकार द्वारा गौशाला स्थापित कराई जायेगी। उन्होंने यहां संवाददाताओं से कहा कि सरकार बेसहारा असहाय गोवंश के संरक्षण के लिए सभी विधानसभा क्षेत्र में 30 एकड़ भूमि पर गौशाला स्थापित करेगी। जिसमें लगभग 2 हजार गौवंश के रहने की व्यवस्था होगी। इसके अलावा दूध डेयरी उद्योग को बढ़ावा देने के लिए प्रदेश सरकार द्वारा 75 करोड़ रुपये की लागत से 10 करोड़ रुपये का अनुदान दिया जायेगा। उन्होंने बताया कि विधानसभा स्तर पर स्थापित होने वाली गौशाला में 08 से 12 करोड़ रुपयों की लागत आएगी। गौशाला को आत्मनिर्भर बना जाएगा। गोबर के विभिन्न उत्पाद के अलावा गैस प्लांट भी लगाए जाएंगे। जनपद के निकाय चुनाव प्रभारी के रूप में यहां आये सिंह ने यह भी कहा कि वक्फ के नाम पर अवैध रूप से कब्जा की गई सरकारी जमीन को खाली करा कर उन पर सार्वजनिक उपयोग के लिए स्कूल, पार्क, धर्मशाला आदि बनाये जायेंगे। उन्होंने बताया कि सभी एसडीएम को निर्देशित किया गया है कि वक्फ बोर्ड के नाम पर जो भी सरकारी जमीन पर अवैध कब्जे हैं उन्हें खाली कराया जाए उन पर सार्वजनिक उपयोग के लिए स्कूल, पार्क, धर्मशाला आदि बनाये जायेगे।

बुलंदशहर : ऑनलाइन ठगी के पीड़ितों को वापस मिले एक लाख रुपये

बुलंदशहर। उत्तर प्रदेश के बुलंदशहर जिले में साइबर ठगी के शिकार हुए तीन पीड़ितों को साइबर सैल ने सोमवार को उनके लगभग एक लाख रुपये वापस दिला दिये। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्लोक कुमार ने सोमवार को बताया कि गत 22 जून को स्थानीय निवासी होमगार्ड भूप सिंह ने उसके बैंक खाते से 75,000 रुपये की आनलाइन ठगी किये जाने की शिकायत दर्ज करायी थी। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के निर्देशानुसार साइबर क्राइम सैल ने तत्परता से कार्रवाई कर ठगी गयी रकम को वापस पीड़ित के खाते में जमा करा दी। इसी प्रकार 19 अगस्त को बुलन्दशहर निवासी हनी अरोड़ा ने 5500 रुपये और 25 अगस्त को वीरेन्द्र सिंह ने उसके बैंक खाते से 17,998 रूपये की ऑनलाइन ठगी किये जाने की शिकायत की। साइबर क्राइम सैल ने इन दोनों की ठगी गयी रकम को वापस करा दिया।

बोतल में पेट्रोल न देने पर पंपकर्मी को पीटा

आजमगढ़। आजमगढ़ दबंगों को बोतल में पेट्रोल न देना पंप संचालक और कर्मचारियों को भारी पड़ गया। पेट्रोल न मिलने से गुस्साए दबंगों ने पेट्रोल पंप के संचालक और कर्मचारियों की जमकर पिटाई की। जीयनपुर कोतवाली क्षेत्र के पूनापार में पेट्रोल पंप पर बोतल में पेट्रोल न देने पर पड़ोसी गांव के दबंगों ने पंप पर फिलिंग कर रहे दो कर्मियों को दौड़ाकर मारपीट की घटना को अंजाम दिया। शोर सुनकर अपने कार्यालय से बाहर आए पंप संचालक विपिन जायसवाल को बीच बचाव करने पर उन्हें भी मारा-पीटा। पंप संचालक ने जीयनपुर कोतवाली में तहरीर दी। इस मामले में पुलिस ने मारपीट और चोरी में एक ज्ञात और आधा दर्जन से अधिक अज्ञात पर मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई में जुटी। पंप संचालक ने बताया कि बड़ागांव के निवासी संतोष सिंह बाइक से एक अन्य व्यक्ति के साथ आये और बोतल में तेल मांगने लगे।पंप पर फिलिंग कर रहे अमन साहनी और नागेंद्र श्रीवास्तव ने नियम कानून के तहत बोतल में तेल देने से मना कर दिया। जिससे आग बबूला हो संतोष ने मोबाइल से कॉल कर अपने गांव के करीब आधा दर्जन से अधिक लड़कों को बुला लिया, इसके बाद मारपीट शुरू हो गई। इस मारपीट का वीडियो सीसीटीवी में कैद हो गया। पुलिस मुकदमा दर्ज कर आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए दबिश दे रही है।

नगरा में तालाब में डूबकर एक बच्ची की मौत

बेल्थरा रोड। बलिया जिले के नगरा थाना क्षेत्र में सोमवार की सुबह एक बच्ची पैर फिसलने से पोखरे में गिर गई। जब तक लोग उसे निकालते तब तक डूबने से उसकी मौत हो गई। उसे बचाने गई दूसरी बच्ची भी पोखरे में डूब गई, जिसे लोगों ने निकालकर पीएचसी नगरा में भर्ती कराया। घटना थाना क्षेत्र के तिलक खारी के पोखरा की है। यहां छठ पर्व पर भगवान भास्कर को अर्घ्य देने के बाद महिलाएं वापसी के लिए अपना सामान समेट रही थी। इसी दौरान व्रती महिलाओं की बनाई वेदी पर चढ़े प्रसाद व पैसे को बटोर रही सलोनी (8) का पैर फिसल गया। इससे वह पोखरे में जा गिरी। इस दौरान सलोनी के साथ प्रसाद मांग रही गुनगुन (10) उसे बचाने के लिए पानी में कूद गई। पानी में कूदते ही दोनों बच्चियां डूबने लगीं। बच्चियों को डूबता देख वहां मौजूद कई लोगों ने उन्हें बचाने के लिए पानी में छलांग लगा दी। कड़ी मशक्कत के बाद लोगों ने दोनों बच्चियों को बाहर निकाला। गांव वालों की मदद से दोनों को उपचार के लिए पीएचसी, नगरा पहुंचाया गया।

बलरामपुर: उतरौला उपद्रव में 17 साल बाद फैसला

41 दोषियों को पांच-पांच साल की सजा

बलरामपुर। बलरामपुर में वर्ष 2005 में होली पर्व पर उतरौला में साम्प्रदायिक सौहार्द बिगाड़ने के मामले में अपर न्यायाधीश जहेन्द्र पाल सिंह ने 41 लोगों को पांच-पांच साल कारावास की सजा सुनाई है। प्रत्येक दोषी को 14500 रुपए का जुर्माना भी अदा करना होगा। इनमें से एक व्यक्ति के न्यायालय न आने के कारण उसके विरुद्ध गिरफ्तारी वारंट जारी कर कुर्की की कार्रवाई की गई है। न्यायालय के आदेश पर भाजपा नेता व पूर्व उतरौला नगर पालिका अध्यक्ष अनूपचंद गुप्ता सहित 40 लोग जेल में 20 अक्टूबर से

ही निरुद्ध हैं। शासकीय अधिवक्ता नवीन कुमार तिवारी ने बताया कि वर्ष 2005 को दिन में करीब एक बजे उतरौला में होली का जुलूस निकल रहा था। उसी दिन जुमे की नमाज भी थी। बड़ी मस्जिद के पास जुलूस पहुंचते ही दंगा भड़क गया। अराजक तत्वों ने माहौल को बिगाड़ने का पूरा प्रयास किया। दुकानें लूट ली गईं। आगजनी भी हुई।

उपद्रव रोकने की कोशिश मे कई पुलिसकर्मी घायल हो गए। तत्कालीन प्रभारी निरीक्षक बलराम सरोज की तहरीर पर पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष अनूपचंद गुप्ता सहित 65 लोगों के खिलाफ कोतवाली उतरौला में एफआईआर दर्ज की गई थी। पुलिस ने विवेचना कर 64 आरोपियों के खिलाफ आरोपपत्र न्यायालय में भेजा। एक आरोपी की विवेचना के दौरान मृत्यु हो गई। पांच आरोपियों की सुनवाई के दौरान मृत्यु हो गई। अभियोजन पक्ष की ओर से 15 गवाहों का बयान कराया गया, जिन्होंने घटना का समर्थन किया। बचाव पक्ष की ओर से उन्हें कम से कम सजा देने की बात कही गई।

दोनों पक्षों की दलीलों को सुनने के बाद न्यायालय ने 41 लोगों को पांच-पांच साल साश्रम कारावास व प्रत्येक को 14500 रुपए जुर्माना अदा करने का आदेश न्यायालय ने दिया है। वहीं 18 लोगों के खिलाफ साक्ष्य न मिलने पर न्यायालय ने उन्हें दोष मुक्त कर दिया।

दरोगा ने मां-बेटे का सिर फोड़ा

बहेड़ी (बरेली)। बरेली में सड़क हादसे की शिकायत की जांच करने पहुंचे दरोगा ने मां-बेटे को जमकर पीटा। उनके सिर पर राइफल की बट से हमला कर दिया। हमले में दोनों का सिर फट गया। साथ ही गंभीर चोटें भी आई हैं। आरोप है कि दरोगा ने महिला के साथ बदसलूकी भी की। बेटे को गालियां दीं। घर में भी तोड़फोड़ की गई है। दरोगा किसी महिला पुलिसकर्मी के बिना ही घर में दबिश देने पहुंच गया था। मामला बरेली के शाही थाना क्षेत्र का है। दरोगा महेंद्र पाल रविवार देर रात महिला के घर पहुंचा था। बताया जा रहा है कि वह बिना किसी से पूछे घर के अंदर घुस गया। अंदर महिला से उसके पति के बारे में पूछने लगा। महिला ने जब पति के घर में नहीं होने की बात कही, तो दरोगा उसे ही पीटने लगा। इतना ही नहीं, करीब आधे घंटे तक ड्रामा करने के बाद दरोगा जबरन बेटे को थाने ले जाने लगा। मना करने पर उसकी मां को सड़क पर धक्का दे दिया। बाद में गांव वालों के पहुंचने पर दरोगा मौके से भाग गया। आरोप है 17 अक्टूबर को महिला कंचनवती के पति जयंती प्रसाद के ट्रैक्टर से एक सड़क हादसा हो गया था। हादसे में एक युवक की मौत हो गई थी। वहीं 2 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए थे। इस मामले में पीड़ित पक्ष ने केस दर्ज करवाया था। इसी मामले की जांच करने 30 अक्टूबर की देर रात दरोगा जयंती के घर पहुंचे थे। दरोगा की मारपीट का वीडियो सोशल मीडिया पर भी सामने आया था। इसके बाद स्कने दरोगा को सोमवार को सस्पेंड कर दिया है।

राज्य के 550 शिक्षकों को 16 साल से वेतन का इंतजार

एजेंसी

प्रयागराज। प्रदेश के सैकड़ों सहायता प्राप्त जूनियर हाईस्कूलों के लगभग 550 शिक्षकों को 16 साल से वेतन मिलने का इंतजार है। प्रदेश सरकार ने दो दिसंबर 2006 को एक हजार स्कूलों को अनुदान सूची पर लिया था। मार्च 2007 तक वेतन भुगतान की कार्यवाही की गई लेकिन लगभग 550 शिक्षक, 250 लिपिकों और परिचारकों को वेतन भुगतान करने से यह कहते हुए इनकार कर दिया गया कि उनकी नियुक्ति नियमावली के विपरीत है। इनमें तकरीबन 350 शिक्षक ऐसे हैं जो 2006 में स्थायी मान्यता मिलने से पूर्व से नियुक्त हैं। विभाग का तर्क है कि इनकी चयन प्रक्रिया पूरी नहीं है, जबकि इनकी नियुक्ति सृजित पद पर प्रबंध समिति के प्रस्ताव पर जिला बेसिक शिक्षा अधिकारियों ने मान्य की है। बीपीएड, डीपीएड व सीपीएड प्रशिक्षण योग्यता वाले लगभग 50 और शिक्षा विशारद, बाम्बे आर्ट, पत्राचार बीएड आदि योग्यताधारी तकरीबन 150 शिक्षकों को भी वेतन नहीं मिल रहा है। विभाग का कहना है कि सेवा नियमावली में ये प्रशिक्षण मान्य नहीं है। यह मामला हाईकोर्ट भी गया जहां डिवीजन बेंच ने वेतन भुगतान का आदेश दिया था। उसके बाद यह प्रकरण विधान परिषद की आश्वासन समिति व विलंब समिति के पास गया। इन समितियों ने भी शिक्षकों व कर्मचारियों के वेतन भुगतान का निर्णय दिया लेकिन इसके बावजूद बेसिक शिक्षा विभाग के अफसरों ने वेतन भुगतान के लिए पहल नहीं की। वेतन का इंतजार कर रहे लगभग 550 शिक्षकों में से 30 प्रतिशत के करीब सेवानिवृत्त हो चुके हैं। दर्जनों कर्मचारी भी सेवा पूरी कर चुके हैं। बेसिक शिक्षा विभाग की ओर से पिछले दो साल से सूचनाएं मांगी जा रही है लेकिन भुगतान नहीं हो रहा। उत्तर प्रदेश सीनियर बेसिक शिक्षक संघ के मंडलीय मंत्री नन्द लाल त्रिपाठी ने बताया कि सभी शिक्षकों का चयन, प्रक्रिया पूरी करते हुए किया गया था। अनुदान सूची पर लेने के बाद नियमित वेतन भुगतान होना चाहिए लेकिन अफसरों की लापरवाही के कारण सैकड़ों शिक्षकों व कर्मचारियों को 16 साल बाद भी वेतन नहीं मिल सका है।

पहले दलाल काम करवाने का लेते थे टेंडर, अब दलाली के आफिस हो गये खत्म : ब्रजेश पाठक

13 विभिन्न क्षेत्रों में काम करने वाले लोगों को यूपी रत्न से किया गया सम्मानित

लखनऊ । वर्ष 2017 से पहले नोएडा सहित कई पश्चिमी जिलों में ऐसे आफिस खुले होते थे। दलाल दावा करते थे कि आप पैसा खर्च करो आपका काम सौ प्रतिशत हो जाएगा। आज कोई भी व्यक्ति पैसा लेकर यह दावा नहीं कर सकता कि आपका काम हो जाएगा। यह प्रमाण है कि भ्रष्टाचार को शून्य करने के लिए सरकार ने काम किया है।

ये बातें उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने कही। वे यूपी डवलपमेंट फाउंडेशन द्वारा आयोजित श्रेष्ठ यूपी- साकार होते सपने के अवसर पर बतौर मुख्य अतिथि बोल रहे थे। इस अवसर पर उप्र के 13 विभिन्न क्षेत्रों में विशेष काम करने वाले लोगों को श्रेष्ठ यूपी रत्न सम्मानित किया गया।

उन्होंने कहा कि पहले कोई कहता कि हम पूर्वांचल के डान है, कोई कहता हम तो पूरे यूपी के डान हैं। आज दावा करके कहा जा सकता है कि यहां कोई अर्गजाइन्ज्ड क्रिमीनल नहीं रह गया है। यहां लुच्चे-लफंगे पूरे सिस्टम पर कब्जा कर लिये थे, लेकिन आज वे सभी जेल की सलाखों में हैं। यहां एंटी रोमियो बनाकर 15 हजार से अधिक आरोपितों को एक माह के अंदर जेल भेजा गया।

ब्रजेश पाठक ने कहा कि हमें जब काम करने का मिला, तब 13 मेडिकल कालेज थे। आज पूरे प्रदेश 35 सरकारी क्षेत्र के मेडिकल कालेज हैं।20 प्राइवेट क्षेत्र के मेडिकल कालेज हैं। अब प्रधानमंत्री ने सभी जिलों में मेडिकल कालेज खोलने का आदेश दे दिया है। अधिकांश जिलों में इस पर काम चल रहा है। सिर्फ 15 जिलों में अभी काम शुरू नहीं हुआ है, जहां से कार्रवाई पूरी करने की प्रक्रिया चल रही है। जल्द ही प्रदेश के सभी जिलों में मेडिकल कालेज होंगे। आज प्रदेश में रोज पांच हजार आपरेशन सरकारी अस्पतालों में हो रहे हैं। इसके साथ ही सवा लाख लोगों का ओपीडी में इलाज दिया जाता है। इस कार्यक्रम का संचालन भारत सरकार के रसायन एवं उर्वरक मंत्रालय में स्वतंत्र निदेशक चंद्र भूषण पांडेय ने किया। इस अवसर पर भाजपा के पूर्व अध्यक्ष व वर्तमान में देवरिया सांसद रमापति राम त्रिपाठी ने कहा कि आज भारत के साथ ही यूपी भी बदल रहा है, क्योंकि यहां प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री की नीयत साफ है। ये दोनों लोग राष्ट्र व राष्ट्र के लोगों के लिए हर वक्त जीते-मरते हैं।

उपेन्द्र राय हुए श्रेष्ठ यूपी रत्न से हुए सम्मानित

इस अवसर पर वरिष्ठ पत्रकार उपेन्द्र नाथ राय को यूपी रत्न से सम्मानित किया गया। उपेन्द्र नाथ राय ने छत्तीसगढ़ कांकेर में रहते हुए माओवादियों पर बहुत काम किया था। वहां खतरा मोल लेते हुए भी उनकी कई स्टोरियां की। जहां आम तौर पर संवावदाता नहीं जाते, उस सितरम और अबूझमाड़ में भी गये। आज वे पत्रकारिता क्षेत्र में लखनऊ में रहते हुए भी गांव पर वैज्ञानिक पद्धति से आठ बिग्घा हरी मिर्च की खेती करा रहे हैं। उनकी बहु आयामी प्रतिभा पर यह पुरस्कार उन्हें दिया गया। इसके साथ ही गो उत्पादक संघ के राधेश्याम दिक्षित, बांदा के डीएम अनुराग पटेल, हमीरपुर के डीएम डॉक्टर चंद्र भूषण त्रिपाठी, आधुनिक खेती के लिए 110 पुरस्कार पा चुके राम कीरत मिश्र, 15 से अधिक अपने नाम पेटेंट करा चुका आकाश श्रीवास्तव, जैविक कृषि पर कार्य करने वाले उदित नारायण शुक्ल, अंतरराष्ट्रीय शूटर रूचि सिंह, उपेन्द्र नाथ राय आदि को श्रेष्ठ यूपी रत्न से सम्मानित किया गया।

मेरठ में छोटे ने बड़े भाई को मार डाला

बोला- भइया-भाभी ने बेइज्जती की तो गोली मार दी; शराब पीकर मुझे पीटता था

एजेंसी

मेरठ। मेरठ में छोटे भाई ने बड़े भाई की गोली मारकर हत्या कर दी। छोटे भाई ने पुलिस को बताया कि एक सप्ताह पहले भाई और भाभी ने बेइज्जत किया था। हर दिन भाई शराब पीकर घर आता और मारपीट करता था। कई बार समझाया, लेकिन नहीं माना। रविवार देर रात भी भाई फुरकान शराब पीकर घर आया। नशे में गाली-गलौज करने लगा। भाभी भी भाई का ही पक्ष लेती थी। इसीलिए बड़े भाई को का कत्ल कर दिया।

हत्यारोपी बोला- भाभी भइया का पक्ष लेती थी

लिसाड़ीगेट के रशीदनगर का रहने वाला 35 साल का फुरकान मीट सप्लाई का काम करता था। उसकी रशीदनगर में खुद की मीट की दुकान भी है। फुरकान की शादी 12 साल पहले हापुड़ निवासी नसरीन के साथ हुई थी।

छोटे भाई रिजवान ने बताया कि फुरकान शराब पीकर मुझे परेशान करता था। भाभी भी अपने पति फुरकान का पक्ष लेती थी। रिजवान ने कई बार विरोध किया। एक सप्ताह पहले छोटे भाई रिजवान को थप्पड़ मार दिया था।

आरोपी बोला- डराने के लिए गोली चलाई थी

आरोपी रिजवान ने बताया, रविवार रात भी फुरकान शराब के नशे में घर आया। रात में भी हम दोनों भाइयों में गाली-गलौज के बाद हाथापाई हुई। इसके बाद मैं तमंचा निकाल लाया। जबकि तीसरा भाई गुलफाम उर्फ गफरान अपने कमरे में था।

उसने बताया, मुझे पछतावा है कि भाई की मौत हो गई। मैं डराने के लिए गोली चला रहा था। लेकिन, बड़े भाई ने जैसे ही तमंचा छीनने का प्रयास किया, तो गोली गर्दन के नीचे जा लगी। मृतक फुरकान की पत्नी नसरीन अपने तीन बच्चों को लेकर हापुड़ में मायके में थी। रविवार आधी रात को दोनों भाइयों में विवाद हो गया। पड़ोस के लोगों ने पुलिस को बताया कि अगर फुरकान की पत्नी रात में घर में होती, तो आरोपी रिजवान भाई की हत्या के बाद भाभी की भी हत्या कर सकता था। अच्छा हुआ कि वह घर में नहीं थी।

एक सप्ताह पहले भाभी से हुआ था विवाद

पुलिस को पूछताछ में आरोपी ने बताया, एक सप्ताह पहले भाभी नसरीन घर में धुलाई कर रही थी। अचानक मैं घर में आ गया। तब भाभी ने मुझसे कहा कि घर में गंदी चप्पल लेकर आ गए। इतना ही नहीं बड़े भाई फुरकान ने अपनी पत्नी के साथ मिलकर मुझे धमकी दी। भाई ने मुझे थप्पड़ भी जड़ दिया था।

सीओ कोतवाली अरविंद चौरसिया ने बताया की हत्या करने वाला छोटा भाई अरेस्ट कर लिया गया है।

तमंचा बरामद कर लिया गया है। पुलिस शव का पोस्टमॉर्टम करा रही है। दोनों भाइयों में शराब को लेकर आपस में विवाद हुआ था।

पीलीभीत पहुंचे रिटायर्ड आईपीएस अमिताभ ठाकुर

पीलीभीत। पीलीभीत के नगर पंचायत में लगातार सात लोगों की संदिग्ध बुखार के बाद मौत होने के मामले में अब हलचल तेज हो गई है। पूरे मामले का संज्ञान लेकर उत्तर प्रदेश के जबरिया रिटायर्ड आईपीएस अफसर अमिताभ ठाकुर हकीकत जानने के लिए पहुंचे। अमिताभ ठाकुर ने रिटायरमेंट के बाद एक पार्टी का गठन भी किया है। अमिताभ ठाकुर का कहना है कि उनकी पार्टी इस पूरे मामले में डीएम पर कार्रवाई और नगर पंचायत के ऊपर कार्रवाई की मांग करेगी। सोमवार को पूर्व आईपीएस अमिताभ ठाकुर अचानक पीलीभीत के नौगांवा पकड़िया इलाके में पहुंचे। इस इलाके में अब तक संदिग्ध बुखार से सात लोगों की मौत हो चुकी है तो वहीं स्थानीय लोगों ने इन मौतों को लेकर हंगामा भी किया था। पूरे मामले का संज्ञान लेकर पूर्व आईपीएस अफसर और अधिकार मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष अमिताभ ठाकुर सोमवार को शाम 4:00 बजे नगर पंचायत में स्थिति का जायजा लेने पहुंचे।

उप्र में स्टार्टअप का मास्टर प्लान तैयार, बदलेगी युवाओं की तकदीर

एजेंसी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अगुवाई वाली सरकार ने प्रदेश में स्वरोजगार को बढ़ावा देने के लिए 'एक आइडिया बदल सकता है आपका जीवन' के मूलमंत्र को धरातल पर उतारते हुए स्टार्टअप का मास्टर प्लान तैयार कर लिया है।

मुख्यमंत्री कार्यालय के सूत्रों ने सोमवार को बताया कि मास्टर प्लान के तहत आधा दर्जन नए क्षेत्रों के स्टार्टअप को बढ़ावा दिया जाएगा। इसमें महिलाओं, ग्रामीण प्रभाव वाले, सर्कुलर इकोनॉमी, सौर ऊर्जा, जलवायु परिवर्तन और व्यवसायीकरण आदि स्टार्टअप को भी प्रोत्साहन दिया जाएगा।

सीएम योगी के निर्देश पर 'स्टार्टअप नीति 2020' को आईटी और इलेक्ट्रानिक्स विभाग ने संशोधित कर ली है। संशोधित उत्तर प्रदेश स्टार्टअप नीति 2020 पर कैबिनेट में जल्द मुहर लगेगी। संशोधित नीति में स्टार्टअप को बढ़ावा देने के लिए विशेष प्रोत्साहन दिया जा रहा है। योगी सरकार स्टार्टअप आइडिया से उत्पाद बनाने पर पांच लाख रुपए और उसे बाजार में लांच करने पर 7.50 लाख रुपए देगी। स्टार्टअप्स को एक साल के लिए 17,500 रुपए मासिक भरण-पोषण भत्ता भी दिया जाएगा।

संशोधित नीति में उत्कृष्टता केंद्रों की स्थापना के लक्ष्य को तीन से बढ़ाकर 10 किया गया है। इसके अलावा व्यवहारिक आवश्यकताओं को देखते हुए महिला नेतृत्वयुक्त स्टार्टअप, ग्रामीण प्रभाव स्टार्टअप, सर्कुलर इकोनॉमी स्टार्टअप, नवीकरणीय ऊर्जा स्टार्टअप, जलवायु परिवर्तन स्टार्टअप और व्यवसायीकरण आदि की परिभाषाओं को नीति में पारिभाषित किया गया है। सरकार का दावा है कि इससे इन क्षेत्रों में स्टार्टअप को बढ़ावा मिलेगा और युवाओं की तकदीर बदलेगी।

सोनभद्र के राजकीय इण्टरकॉलेज घोरावल में सरदार बल्लभभाई पटेल जयंती

पीआईबी वाराणसी द्वारा अमृतमहोत्सव पर चित्र प्रदर्शनी, दौड़ प्रतियोगिता, पुरस्कार वितरण

सोनभद्र । आजादी के अमृतमहोत्सव की जुड़ती कड़ियों में सोनाञ्चल के घोरावल परिक्षेत्र के परिधिकेंद्र घोरावल में जीआईसी परिसर प्रशाल में दो दिन चलने वाले लौहपुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती के अवसर पर कुशल आयोजन हुआ।

सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय , भारत सरकार, केंद्रीय संचार ब्यूरो ,क्षेत्रीय कार्यालय वाराणसी की ओर से क्षेत्रीय प्रचार अधिकारी डॉ.लालजी सिंह की निगहबानी में आज़ादी का अमृत महोत्सव और सरदार वल्लभभाई पटेल के जीवनवृत्त पर आधृत द्विदिवसीय जनजागरूकता अभियान एवं चित्र प्रदर्शनी का शुभारम्भ पुलिस उप अधीक्षक, घोरावल संजीव कटियार, भाजपा जिला मंत्री कैलाश सिंह प्रिंसिपल अनिल यादव, डॉ0 परमेश्वर दयाल पुष्कर, काशी प्रसाद मौर्य, अमरेश चंद्र, ने फीता काट कर किया। अपने उद्बोधन में सरदार पटेल सन्दर्भित उद्गार अभिव्यक्त करते मुख्य अतिथि संजीव कटियार ने कहा कि सरदार पटेल सिर्फ इतिहास में ही नहीं, बल्कि हम देश वासियों के हृदय में भी हैं। पटेल जी भारत की अखंडता के प्रति, अखंड भाव के प्रतीक हैं। सरदार पटेल ने देशहित को हमेशा सर्वोपरि रखा। उन्होंने देशवासियों को एक रहेंगे तभी आगे बढ़ेंगे जैसी प्रेरणा का संदेश दिया। आजाद भारत के निर्माण में सबका प्रयास जितना तब प्रासंगिक था, उससे कहीं अधिक आजादी के इस अमृतकाल में भी समीचीन है देश के लिए। मुख्य अतिथि संजीव कटियार के उद्बोधन से शुरू मंचीय कार्यक्रम ने गति पकड़ी और उन्होंने आजादी के इस अमृतकाल को विकास की अभूतपूर्व गति बताया और कठिन लक्ष्यों को हासिल करने का हेतु कहा। ये अमृतकाल सरदार पटेल के सपनों के भारत के नवनिर्माण का है। उन्होंने कहा कि सरदार पटेल हमारे देश को एक शरीर के रूप में देखते थे, एक जीवंत इकाई के रूप में देखते थे। इसलिए, उनके एक भारत का मतलब ये भी था, कि जिसमें हर किसी के लिए एक समान अवसर हों, एक समान सपने देखने का अधिकार हो।

जीआईसी प्रधानाचार्यअनिल यादव ने स्वतंत्रता आन्दोलन में सरदार पटेल का सबसे पहला और बड़ा योगदान 1918 में खेड़ा आन्दोलन से होने की बात कही और 1928 में इनके नेतृत्व में बारडोली सत्याग्रह बताया। भारतीय रियासतों के विलय की जिम्मेदारी सौंपी जाने का सम्पूर्ण निर्वहन दायित्व निभाने के उद्गार अभिव्यक्त किये प्रधानाचार्य ने। अतिथियों का स्वागत एवं कार्यक्रम के उद्देश्य पर प्रकाश डालते हुए अभियान के आयोजक क्षेत्रीय प्रचार अधिकारी, वाराणसी, डॉ. लालजी ने बताया कि समेकित जनसंपर्क कार्यक्रम के तहत आज़ादी का अमृत महोत्सव की श्रृंखला में जारी जनजागरूकता अभियान क्रम में आयोजित चित्र प्रदर्शनी में लौह पुरूष सरदार पटेल जी के जीवन पर आधरित चित्रों का प्रदर्शन किया गया है जिसमे उनके बचपन, गांधी जी से प्रशिक्षण, सफल वैरिस्टर, निडरता, कर्मठता, किसानों के हितैषी और आधुनिक भारत के नवनिर्माण में योगदान की जानकारी युक्त चित्र प्रदर्शित किए गये हैं द्य आजादी का अमृत महोत्सव पर स्वतंत्रता आंदोलन की जुड़ी ऐतिहासिक और महत्वपूर्ण घटनाओं जैसे डांडी यात्रा ,नमक सत्याग्रह, जलियां वाला बाग नरसंहार, यूरोपीय, व्यापरीयों का भारत आगमन, खिलाफत आंदोलन, साइमन कमीशन वापस जाओ, नेताजी सुभाष चंद्रबोस अहम योगदान एकनिष्ठ भाव से सपर्पित रहते देश आजाद कराने की श्रृंखला के पायदान से अंतिम तक का किरदार बताया। खेड़ा सत्याग्रह,, चौरी-चौरा की घटना, आज़ादी की पहली लड़ाई, बंदेमातरम का उदघोष, राष्ट्रीय जागरण की लहर, चम्पारण सत्याग्रह के चित्र लगाए गये हैं । केपी मौर्य ने कहा कि भारत दुनिया का सबसे बड़ा लोकतान्त्रिक देश है यह सब हमारे महान स्वतंत्रता सेनानियों के त्याग, बलिदान का प्रतिफल है, हमारी जिम्मेदारी कि हम अपने मौलिक कर्तव्यों का पालन कर देश को विकसित बनाएद्य खुली प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता के विजेताओं को पुरस्कार भी प्रदान किया गया द्य सीबीसी लखनऊ के पंजीकृत जादूगर एवं सतरंज्य कठपुतली, प्रयागराज ने अपनी विधा से राष्ट्र भाव की भावना को अपनी कला के माध्यम से जागृत किया। कार्यक्रम का संचालन क्षेत्रीय प्रचार अधिकारी, वाराणसी डॉ.लालजी ने किया। एक नवंबर को भी प्रदर्शनी आमजन के अवलोकन के लिए खुली रहेगी जादू और कठपुतली के कार्यक्रम एवं प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता होंगी द्य क्षेत्र में जनचेतना रथ से कार्यक्रम के आस पास प्रचार किया गया।

शार्ट न्यूज

रुपया 34 पैसे लुढ़का

मुंबई। अमेरिकी फेड रिजर्व के ब्याज दर में एक बार फिर बढ़ोत्तरी करने की उम्मीद में दुनिया की प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले डॉलर में जारी तेजी के दबाव में आज अंतरबैंकिंग मुद्रा बाजार में रुपया 34 पैसे लुढ़ककर 82.81 रुपये प्रति डॉलर रह गया। इसी तरह पिछले कारोबारी दिवस रुपया 14 पैसे गिरकर 82.47 रुपये प्रति डॉलर पर रहा था। शुरुआती कारोबार में रुपया 12 पैसे चढ़कर 82.35 रुपये प्रति डॉलर पर खुला और बिकवाली की बदौलत 82.32 रुपये प्रति डॉलर के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया। हालांकि लिवाली के दबाव में यह 82.82 रुपये प्रति डॉलर के निचले स्तर तक लुढ़क गया। अंत में पिछले सत्र की तुलना में यह 34 पैसे उतरकर 82.81 रुपये प्रति डॉलर रह गया।

पेट्रोल और डीजल के दाम में टिकाव

नयी दिल्ली । अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल में जारी तेजी के बावजूद देश में पेट्रोल और डीजल की कीमतों में सोमवार को भी टिकाव रहा। अंतरराष्ट्रीय बाजार में लंदन ब्रेंट क्रूड आज 0.60 प्रतिशत उतरकर 95.20 डॉलर प्रति बैरल और अमेरिकी क्रूड 0.85 प्रतिशत गिरकर 87.15 डॉलर प्रति बैरल पर रहा। घरेलू स्तर पर तेल विपणन कंपनी भारत पेट्रोलियम के अनुसार, पेट्रोल और डीजल की कीमतों में आज भी टिकाव रहा। दिल्ली में पेट्रोल 96.72 रुपये प्रति लीटर और डीजल 89.62 रुपये प्रति लीटर पर स्थिर है। देश में चार महीने से अधिक समय से ईंधन की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। मुंबई में पेट्रोल के दाम 106.31 रुपये प्रति लीटर और और डीजल की कीमत 94.27 रुपये प्रति लीटर है। पेट्रोल और डीजल की कीमतें मूल्य वर्धित कर (वैट) और माल ढुलाई शुल्क के आधार पर सभी राज्यों में अलग-अलग हैं। पेट्रोल-डीजल के मूल्यों की प्रतिदिन समीक्षा की जाती है।

ईपीएफओ बोर्ड ने ईपीएस-95 योजना से निकासी की अनुमति दी

नयी दिल्ली। सेवानिवृत्ति कोष निकाय ईपीएफओ ने छह महीने से भी कम समय में सेवानिवृत्त होने वाले अपने अंशधारकों को कर्मचारी पेंशन योजना 1995 (ईपीएस-95) के तहत जमा राशि निकालने की सोमवार को अनुमति दे दी। फिलहाल कर्मचारी भविष्य निधि कोष (ईपीएफओ) ग्राहकों को छह महीने से कम सेवा बाकी रहने पर अपने कर्मचारी भविष्य निधि खाते में ही जमा राशि की निकासी की अनुमति मिली हुई है। ईपीएफओ के शीर्ष निकाय केंद्रीय न्यासी मंडल (सीबीटी) की सोमवार को संपन्न 232वीं बैठक में सरकार को अनुशंसा की गई कि ईपीएस-95 योजना में कुछ संशोधन कर सेवानिवृत्ति के करीब पहुंच चुके अंशदाताओं को पेंशन कोष में जमा राशि निकालने की अनुमति दी जाए। श्रम मंत्रालय के बयान के मुताबिक, सीबीटी ने सरकार से सिफारिश की है कि छह महीने से भी कम सेवा अवधि वाले सदस्यों को अपने ईपीएस खाते से निकासी की सुविधा दी जाए। इसके अलावा न्यासी मंडल ने 34 वर्षों से अधिक समय से इस योजना का हिस्सा रहे सदस्यों को आनुपातिक पेंशन लाभ देने की भी अनुशंसा की है। इस सुविधा से पेंशनधारकों को सेवानिवृत्ति लाभ के निर्धारण के वक्त ज्यादा पेंशन पाने में मदद मिलेगी। श्रम मंत्रालय ने कहा कि ईपीएफओ के न्यासी मंडल ने एक्सचेंज ट्रेडेड फंड (ईटीएफ) यूनिट में निवेश के लिए एक विमोचन नीति को भी मंजूरी दी है। इसके अलावा वित्त वर्ष 2021-22 के लिए ईपीएफओ के कामकाज पर तैयार 69वीं वार्षिक रिपोर्ट को भी स्वीकृति दी गई जिसे संसद में पेश किया जाएगा।

प्रतिकूल आर्थिक कारकों की वजह से छंटनी करना जरूरी था : बायजू सीईओ

नयी दिल्ली। शिक्षा प्रौद्योगिकी कंपनी बायजू के संस्थापक और मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) बायजू रवींद्रन ने कंपनी में अटपटे तरीके से छंटनी के लिए कर्मचारियों से माफी मांगी है। उन्होंने सफाई देते हुए कहा है कि कार्य में दोहराव से बचने और एक काम के लिए अतिरिक्त लोगों को कम करने के लिए 2,500 नौकरियों में कटौती की आवश्यकता थी। रवींद्रन ने कर्मचारियों को भेजे संदेश में कहा कि प्रतिकूल वृहद आर्थिक कारकों ने बायजू को स्थिरता और पूंजी कुशल वृद्धि पर ध्यान केंद्रित करने के लिए मजबूर किया है। उन्होंने कहा, ''हम चालू वित्त वर्ष में समूह स्तर पर लाभ में होने की दिशा में कड़ी मेहनत कर रहे हैं।'' सीईओ ने कहा कि कंपनी 2,500 कर्मचारियों या संख्या के पांच प्रतिशत की छंटनी कर रही है। उन्होंने कहा, ''यह प्रक्रिया उतनी सहज नहीं है जितनी हम चाहते थे। मैं आपसे क्षमा चाहता हूं। हालांकि, हम इस प्रक्रिया को सुचारू रूप से और कुशलता से समाप्त करना चाहते हैं लेकिन हम इसे जल्दी नहीं करना चाहते हैं।''

कर्नाटक निवेशक सम्मेलन का दो नवंबर को प्रधानमंत्री करेंगे उद्घाटन

बेंगलुरु। कर्नाटक में निवेश को बढ़ावा देने के लिए प्रस्तावित 'ग्लोबल इन्वेस्टर्स मीट' का प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दो नवंबर को वर्चुअल तरीके से उद्घाटन करेंगे। कर्नाटक के मझोले एवं विशाल उद्योग मंत्री मुरुगेश निरानी ने सोमवार को यह जानकारी देते हुए कहा कि 'इन्वेस्ट कर्नाटक' शीर्षक से आयोजित किए जा रहे इस तीन-दिन के निवेशक सम्मेलन में कम-से-कम पांच लाख करोड़ रुपये के निवेश समझौते होने की उम्मीद है। निरानी ने पीटीआई-भाषा के साथ बातचीत में कहा कि इन नए निवेश प्रस्तावों के लागू होने पर कर्नाटक में करीब पांच लाख लोगों को रोजगार मिलेगा। बेंगलुरु पैलेस में होने वाले इस निवेशक सम्मेलन का उद्घाटन प्रधानमंत्री वर्चुअल ढंग से करेंगे। उद्घाटन कार्यक्रम में केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण, उद्योग मंत्री पीयूष गोयल और कोयला एवं खनन मंत्री प्रह्लाद जोशी के अलावा कर्नाटक के मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई भी मौजूद रहेंगे। इस सम्मेलन में 5,000 से अधिक प्रतिनिधियों एवं निवेशकों के शामिल होने की उम्मीद है। इस दौरान विभिन्न मुद्दों पर परिचर्चाओं एवं गोष्ठियों का भी आयोजन किया जाएगा।

श्रीलंका में मुद्रास्फीति गिरावट के बावजूद 66 प्रतिशत के उच्चस्तर पर

कोलंबो। गहरे आर्थिक संकट का सामना कर रहे श्रीलंका में मुद्रास्फीति अक्टूबर में हल्की गिरावट के साथ 66 प्रतिशत पर आ गई। पिछले एक साल में मासिक मुद्रास्फीति में गिरावट का यह पहला अवसर है। श्रीलंका के सांख्यिकी विभाग ने सोमवार को बयान में कहा कि अक्टूबर में मुद्रास्फीति 66 प्रतिशत रही जबकि सितंबर में यह 69.8 प्रतिशत थी। श्रीलंका पिछले कई महीनों से ऊंची मुद्रास्फीति और विदेशी मुद्रा के संकट से गुजर रहा है।

बुनियादी उद्योगों की उत्पादन वृद्धि सितंबर 2022 में रही 7.9 प्रतिशत

नयी दिल्ली, 31 अक्टूबर (वार्ता) देश में लोहा, कोयला, बिजली सहित आठ प्रमुख उद्योगों के संयुक्त उत्पादन सितंबर 2022 में सालाना आधार पर 7.9 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गयी।

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने इन उद्योगों में उत्पादन के प्रारंभिक आंकड़ों के आधार पर सोमवार को जारी एक बयान में कहा कि सितंबर 2022 में सीमेंट, कोयला, उर्वरक, बिजली, स्टील और रिफाइनरी उत्पाद उद्योगों का उत्पादन एक साल पहले इसी माह की तुलना में ऊंचा रहा। इस दौरान कच्चे तेल और गैर के उत्पादन में गिरावट दर्ज की गयी।

इन आठ प्रमुख उद्योगों का देश के औद्योगिक उत्पादन सूचकांक 40.27 प्रतिशत योगदान है। बयान में कहा, जून 2022 के लिए आठ प्रमुख उद्योगों के सूचकांक की वृद्धि दर अंतिम आंकड़ों के आधार पर संशोधित कर पहले प्रारंभिक आंकड़ों पर आधारित 12.7 प्रतिशत की जगह 13.1 प्रतिशत कर दिया है। देश में पहली छमाही (अप्रैल-सितंबर 2022-23) के दौरान बुनियादी उद्योगों की संचयी वृद्धि दर पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में 9.6 प्रतिशत रही। सितंबर 2022 में कोयला उत्पादन में पिछले साल की इसी माह की तुलना में 12.0 प्रतिशत की वृद्धि हुई । इस वित्त वर्ष की अप्रैल से सितंबर 2022 की अवधि

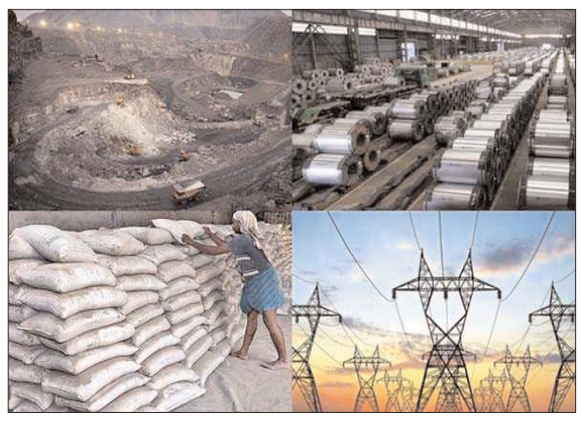

में कोयला उत्पादन सालाना आधार पर 21.0 प्रतिशत ऊंचा रहा।

कच्चे तेल का उत्पादन सितंबर, 2022 में एक साल पहले से 2.3 प्रतिशत कम रहा। इसी तरह अप्रैल से सितंबर 2022-23 के दौरान पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में कच्चे तेल का उत्पादन 1.3 प्रतिशत कम रहा।

प्राकृतिक गैस का उत्पादन इस दौरान 1.7 प्रतिशत कम रहा। पहली छमाही के दौरान प्राकृतिक गैस का उत्पादन पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में 1.8 प्रतिशत बढ़ा है।

पेट्रोलियम रिफाइनरी उद्योग ने इस बार सितंबर में 6.6 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की जबकि अप्रैल- सितंबर 2022 में इस क्षेत्र की वृद्धि 10.1 प्रतिशत रही।

उर्वरक का उत्पादन सितंबर 2021 की तुलना में 11.8 प्रतिशत अप्रैल-सितंबर की अवधि में 11.5 प्रतिशत बढ़ा। इस्पात उत्पादन में इस साल सितंबर में 6.7 प्रतिशत तथा अप्रैल से सितंबर में संचयी रूप से 6.4 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गयी।

सीमेंट उद्योग ने सितंबर 2022 में सालाना आधार पर 12.1 प्रतिशत और अप्रैल से सितंबर 2022-23 के दौरान पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में 10.9 प्रतिशत की वृद्धि दर्शायी है।

सितंबर 2022 में बिजली उत्पादन एक साल पहले इसी माह से 11.0 प्रतिशत ऊंचा रहा, जबकि संचयी तौर पर अप्रैल से सितंबर की अवधि का बिजली उत्पादन का सूचकांक पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में 10.7 प्रतिशत ऊंचा रहा।

टाटा स्टील के दूसरी तिमाही के समेकित लाभ में 90 प्रतिशत की गिरावट

नयी दिल्ली। इस्पात बाजार की दिग्गज कंपनी टाटा स्टील ने 2022-23 की दूसरी तिमाही (जुलाई-सितंबर, 2022) में समेकित रूप से 59,878 की आय के साथ 1,297 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ दर्ज किया है।

कंपनी के सोमवार को जारी तिमाही नतीजों के अनुसार वैश्विक बाजार की चुनौतियों के बीच बढ़ते खर्च के कारण दूसरी तिमाही के उसके समेकित शुद्ध लाभ में एक साल पहले की तुलना में 90 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गयी है। पिछले वित्त वर्ष की इसी अवधि में कंपनी का शुद्ध लाभ 12,547.70 करोड़ रुपये था।

कंपनी ने बाजार को दी गयी सूचना में कहा है कि जुलाई-सितंबर 2022 के दौरान इसकी कुल आय भी हल्की घट कर 60,206.78 करोड़ रुपये रही, जो एक साल पहले की समान अवधि में 60,657.98 करोड़ रुपये थी। इस दौरान उसका कुल खर्च पहले के 47,239.63 करोड़ रुपये से बढ़कर 57,684.09 करोड़ रुपये हो गया।

कंपनी की विज्ञप्ति में बताया है कि चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में भारत में उसका कारोबार 34,114 करोड़ रुपये रहा जो एक साल पहले इसी अवधि के 34,324 करोड़ रुपये से थोड़ा कम है। इस दौरान भारत के कारोबार में उसका शुद्ध लाभ एक साल पहले के 8,843 करोड़ रुपये की जगह 1,993 करोड़ रुपये रहा। दूसरी तिमाही के अंत में कंपनी पर 71,753 करोड़ रुपये का शुद्ध कर्ज था। यह कर्ज उसकी परिचालन आय के 1.37 गुना रहा। कंपनी का कर्ज और शेयर पूंजी का अनुपात 0.63 है।

टाटा स्टील के मुख्य कार्यकारी अधिकारी और प्रबंध निदेशक टी वी नरेंद्रन ने दूसरी तिमाही के वित्तीय परिणामों पर टिप्पणी करते हुए एक बयान में कहा, प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में नरमी की चिंता, इस समय बनी लगातार भू-राजनीतिक स्थिति के साथ साथ कुछ मौसमी कारकों से परिचालन वातावरण अस्थिर बना रहा। इन प्रतिकूल परिस्थितियों के बावजूद, टाटा स्टील ने भारत में अब तक की सबसे अच्छी घरेलू बिक्री दर्ज की है।

नरेंद्रन ने कहा कि कलिंगनगर में कंपनी का 60 लाख टन वार्षिक क्षमता का पेलेट कारखाना जल्द ही चालू किया जाएगा और इससे कंपनी की लागत में महत्वपूर्ण कमी आने का लाभ मिलेगा। उन्होंने कहा है, हम 22 लाख टन क्षमता कि अत्याधुनिक कोल्ड रोलिंग मिल कॉम्प्लेक्स और उसके बाद कलिंगनगर में 50 लाख क्षमता विस्तार की चरणबद्ध कमीशनिंग शुरू करेंगे। उन्होंने बताया कि कंपनी ने पंजाब में अपने नए 7.5 लाख टन क्षमता इलेक्ट्रिक आर्क फर्नेस (ईएएफ) पर काम शुरू कर दिया है।

उद्योग के मुकाबले तेजी से बढ़ रहा हमारा कारोबार : संजीव पुरी

तंबाकू से लेकर होटल क्षेत्र तक की दिग्गज कंपनी आईटीसी कई प्रतिकूल हालात के बावजूद कारोबारी खंडों में प्रतिस्पर्धी रूप से बेहतर प्रदर्शन के लिए कमर कस रही है। आईटीसी के चेयरमैन और प्रबंध निदेशक संजीव पुरी ने एक विस्तृत साक्षात्कार में ईशिता आयान दत्त को बताया कि कंपनी की महत्त्वाकांक्षा देश की सबसे बड़ी एफएमसीजी कंपनी बनना है और इसे हर साल एफएमसीजी मार्जिन में 100 आधार अंक का विस्तार करने की उम्मीद है। पिछली तीन से चार तिमाहियों के दौरान आईटीसी के प्रदर्शन में सुधार हुआ है। इस रफ्तार कायम रखने के लिए प्रमुख रणनीतियां क्या हैं? हम अपने सभी कारोबारी खंडों में मजबूत वृद्धि का लगातार अनुभव कर रहे हैं। चूंकि महामारी में कमी आई है, इसलिए अर्थव्यवस्था के विभिन्न वर्गों की सहायता देने के लिए, विशेष रूप से उन लोगों के लिए जो सबसे ज्यादा परेशान थे, के लिहाज से सरकार द्वारा समय पर की गई कार्रवाइयों और कई मार्ग दर्शक सुधारों से अर्थव्यवस्था में अच्छी रिकवरी हुई है।

आईटीसी नेक्स्ट रणनीति के तहत, जो अगले परिदृश्य में विकास, लाभ और प्रतिस्पर्धा के लिए पहलों के संबंध में है, हम यह सुनिश्चित कर रहे हैं कि संगठन हर समय चुस्त, स्फूर्त और उपभोक्ता-केंद्रित बना रहे। डिजिटल, नवोन्मेष, रणनीतिक लागत प्रबंधन, स्थिरता और प्रतिभा ऐसे प्रमुख पहलू हैं, जिन पर हम ध्यान केंद्रित कर रहे हैं और अच्छी प्रगति कर रहे हैं। वित्त वर्ष 23 की दूसरी तिमाही के आंकड़े मजबूत है। हमने कार्य क्षेत्रों और बाजारों में जोरदार इजाफा देखा है। जहां परंपरागत कारोबार अच्छा प्रदर्शन कर रहा है, वहीं यह बात संतोषजनक है कि गैर-सिगरेट वाले कारोबार से हमारा एबिटा कुल एबिटा के प्रतिशत स्तर पर है और वित्त वर्ष 20 की दूसरी तिमाही से 1.7 गुणा अधिक है।

दूरसंचार, नेटवर्किंग उत्पादों के लिए पीएलआई योजना के तहत 42 कंपनियों का चयन

एजेंसी

नयी दिल्ली। सरकार ने दूरसंचार और नेटवर्किंग उत्पादों के लिए उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन योजना (पीएलआई) के तहत 28 सूक्ष्म

इसमें से 17 कंपनियों ने डिजाइन आधारित विनिर्माण मानदंड के तहत एक प्रतिशत अतिरिक्त प्रोत्साहन के लिए आवेदन किया है।

बयान में कहा गया, ''संचार मंत्रालय ने दूरसंचार और नेटवर्किंग उत्पादों के लिए पीएलआई योजना के तहत 28 एमएसएमई समेत 42 कंपनियों को मंजूरी दी है। इसमें से 17 कंपनियों ने डिजाइन आधारित विनिर्माण मानदंड के तहत एक प्रतिशत अतिरिक्त प्रोत्साहन के लिए आवेदन किया है।''

इन 42 कंपनियों ने 4,115 करोड़ रुपये के निवेश की प्रतिबद्धता जताई है। इससे 2.45 लाख करोड़ रुपये की अतिरिक्त बिक्री होने की उम्मीद है और इसी योजना अवधि के दौरान 44,000 से अधिक अतिरिक्त रोजगार के अवसरों का भी सृजन भी होगा।

चुनी गई कंपनियों की सूची में फ्लेक्सट्रॉनिक्स टेक्नोलॉजीज (इंडिया), सैमसंग इंडिया इलेक्ट्रॉनिक्स, नोकिया सॉल्यूशंस एंड नेटवर्क्स इंडिया, जाबिल सर्किट इंडिया, डिक्सन इलेक्ट्रो अप्लायंसेज, एचएफसीएल लिमिटेड, आईटीआई लिमिटेड, तेजस नेटवर्क्स, राइजिंग स्टार्स हाई-टेक शामिल हैं।

बयान में कहा गया, ''घरेलू और वैश्विक निर्माताओं से प्राप्त उत्साहजनक प्रतिक्रिया सरकार द्वारा दूरसंचार उपकरणों में विनिर्माण को प्रोत्साहित करने के लिए उठाए गए ठोस कदमों में मजबूत विश्वास को दर्शाती है।''

देश में वार्षिक बिक्री में महिंद्रा ट्रैक्टर सबसे आगे

जयपुर। देश में 40-50 हॉर्स पावर (एचपी) वाले ट्रैक्टरों की बिक्री सबसे अधिक है जिसमें महिंद्रा एंड महिंद्रा 575 - 47 एचपी उच्चतम कर्षण और बिक्री को लेकर सूची में सबसे ऊपर है।

किसानों के लिए अग्रणी डिजिटल बाजार ट्रैक्टर जंक्शन ने सोमवार को एक विज्ञप्ति में कहा कि ट्रैक्टरों के शीर्ष 10 मॉडलों में महिंद्रा एंड महिंद्रा सबसे अधिक बिकने वाला ट्रैक्टर रहा है जिसने हर सेगमेंट और विभिन्न विशिष्टताओं में प्रस्ताव प्रदान किया है। सूची के अनुसार दूसरे नंबर पर मैसी फर्गुसन 241 डीआई महा शक्ति (42 एचपी) और तीसरे स्थान पर स्वराज 744 एफई (48 एचपी) रहा। इसके बाद फार्मट्रैक 60 पावरमैक्स (55एचपी), महिंद्रा 475 डीआई एक्सपी प्लस (44 एचपी), जॉन डियर 5310 (55 एचपी), पावरट्रैक यूरो 50 (50 एचपी), न्यू हॉलैंड 3230 एनएक्स (42 एचपी), कुबोटा एमयू4501 2 डब्ल्यूडी (45 एचपी), स्वराज 735 एफई (39 एचपी) और मैसी फर्गुसन 1035 डीआई (39 एचपी) है।

ट्रैक्टर जंक्शन के संस्थापक रजत गुप्ता ने कहा, किसान अब अपने प्रयोग या उपयोग के आधार पर ट्रैक्टर खरीद रहे हैं। चूंकि भारत के अधिकांश किसानों के पास 2-3 हेक्टेयर से कम भूमि है, 40-50 एचपी ट्रैक्टरों का सेगमेंट उच्च कर्षण दिख रहा है। ट्रैक्टरों का यह सेगमेंट जुताई और उपज के काम के लिए योग्य है। 40-50 एचपी सेगमेंट में ट्रैक्टर विविध गैर-कृषि अनुप्रयोगों के लिए सबसे उपयुक्त हैं। इस प्रकार यह एक किसान को अपने आय स्रोतों में विविधता लाने और पैसों के लिए उच्चतम मूल्य प्रदान करता है।

ट्रैक्टर जंक्शन पोर्टल पर बीते तीन महीनों में सबसे अधिक महिंद्रा ट्रैक्टर को 72,942 बार देख गया जबकि दूसरे ब्रांड जॉन डियर को 63,251, सोनालिका ट्रैक्टर 56,283 और स्वराज को 55,958 बार तलाशा गया।

नीतिगत दरों में वृद्धि जारी रहेगी: इंडिया रेटिंग्स

नई दिल्ली। रेटिंग एजेंसी इंडिया रेटिंग्स एंड रिसर्च ने सोमवार को कहा कि नीतिगत दरों में बढ़ोतरी जारी रहेगी, लेकिन यह पहले के मुकाबले कम आक्रामक रहने की उम्मीद है।

रेटिंग एजेंसी ने कहा कि मौजूदा दर वृद्धि चक्र में नीतिगत दर 6.25 प्रतिशत से 6.50 प्रतिशत होगी। वहीं, खुदरा मुद्रास्फीति वित्त वर्ष-24 की पहली तिमाही तक 5.0-5.5 प्रतिशत तक गिर जाएगी। हालांकि रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने ऐसी किसी भी संभावना से इनकार किया है।

उसने कहा, आरबीआई ने 30 सितंबर 2022 के अपने मौद्रिक नीति वक्तव्य में खुदरा मुद्रास्फीति को वित्त वर्ष-23 की तीसरी तिमाही में 6.5 प्रतिशत, चौथी तिमाही में 5.8 प्रतिशत और वित्त वर्ष-24 की पहली तिमाही में 5.0 प्रतिशत पर आने का अनुमान लगाया था। इंडिया रेटिंग्स को भी खुदरा मुद्रास्फीति में गिरावट की उम्मीद है।

उसके अनुसार, वित्त वर्ष-23 की दूसरी तिमाही में 7.0, तीसरी तिमाही में 6.3 प्रतिशत और चौथी तिमाही में 6.5 प्रतिशत रह सकती है। ऐसे में महंगाई को नियंत्रित करना आरबीआई की प्राथमिकता होगी।

एजेंसी ने कहा, उच्च खुदरा मुद्रास्फीति का वर्तमान चरण (जनवरी 2022 - सितंबर 2022) किसी एकल या चुनिंदा समूह/श्रेणियों/वस्तुओं को मुख्य रूप से इसमें योगदान नहीं दिखाता है। एक आदर्श स्थिति में, प्रत्येक घटक से खुदरा मुद्रास्फीति में अपने भार के अनुसार योगदान करने की अपेक्षा की जाती है। आंकड़ों से पता चलता है कि खाद्य और विविध श्रेणियां जनवरी-सितंबर 2022 के दौरान खुदरा मुद्रास्फीति में अपने भार के अनुरूप व्यापक रूप से योगदान दे रही थीं, जबकि कपड़े और जूते और ईंधन और बिजली का योगदान उनके भार से कुछ अधिक था।

एजेंसी के प्रधान अर्थशास्त्री और वरिष्ठ निदेशक (सार्वजनिक वित्त) सुनील कुमार सिन्हा ने कहा, गेहूं की कीमतों में हाल ही में वृद्धि और गंगा के मैदानी इलाके में धान की कम बुवाई को देखते हुए अनाज की महंगाई निरंतर सेवा क्षेत्र और आयातित मुद्रास्फीति के अलावा खुदरा मुद्रास्फीति पर दबाव जारी रखेगी। हम यह भी मानते हैं कि अनाज से खुदरा मुद्रास्फीति के लिए हेडविंड का उभरना अधिक चिंताजनक है क्योंकि यह फल और सब्जियों जैसे अस्थिर खाद्य घटकों की तुलना में अधिक प्रभावी होता है।

सेंसेक्स डेढ़ महीने बाद हुआ 60 हजारी

मुंबई । वैश्विक बाजार के मिलेजुले रुख के बीच स्थानीय स्तर पर हुई चौतरफा लिवाली की बदौलत आज सेंसेक्स डेढ़ माह बाद 60 हजारी और निफ्टी 18 हजार अंक के पार बंद हुआ। बीएसई का तीस शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 786.74 अंक की छलांग लगाकर 60 हजार अंक के मनोवैज्ञानिक स्तर के पार 60,746.59 अंक पर पहुंच गया। इसे पूर्व यह 13 सितंबर को 60571 अंक पर रहा था। इसी तरह नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 225.40 अंक की उड़ान भरकर 18 हजार अंक के पार 18,012.20 अंक पर रहा। बीएसई की दिग्गज कंपनियों की तरह मझौली और छोटी कंपनियों में भी लिवाली का जोर रहा। इस दौरान मिडकैप 1.24 प्रतिशत चढ़कर 25,359.02 अंक और स्मॉलकैप 0.45 प्रतिशत बढ़कर 25,359.02 अंक रहा। इस दौरान बीएसई में कुल 3719 कंपनियों के शेयरों में कारोबार हुआ, जिनमें से 1854 लिवाली जबकि 1693 में बिकवाली हुई वहीं 172 में कोई बदलाव नहीं हुआ। इसी तरह 44 कंपनियां हरे जबकि शेष छह लाल निशान पर बंद हुए। बीएसई के सभी समूहों में लिवाली हुई। इस दौरान कमोडिटीज 1.12, सीडी 1.37, ऊर्जा 1.24, वित्तीय सेवाएं 1.14, हेल्थकेयर 1.21, इंडस्ट्रियल्स 1.43, आईटी 1.26, दूरसंचार 1.35, ऑटो 1.57, कैपिटल गुड्स 1.54, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स 1.41, तेल एवं गैस 1.25 और टेक समूह के शेयर 1.45 प्रतिशत चढ़ गए। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर मिलाजुला रुख रहा। इस दौरान ब्रिटेन का एफटीएसई 0.20, जर्मनी का डैक्स 0.10 और जापान का निक्केई 1.78 प्रतिशत मजबूत हुआ जबकि हांगकांग का हैंगसेंग 1.18 और चीन का शंघाई कंपोजिट 0.77 प्रतिशत गिर गया।

शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स 287 अंक की तेजी लेकर 60,246.96 अंक पर खुला और यही इसका दिवस का निचला स्तर भी रहा। इसके बाद शुरू हुई लिवाली की बदौलत यह लगातार चढ़ता हुआ कारोबार के अंतिम चरण में 60,786.70 अंक के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया। अंत में पिछले दिवस के 59,959.85 अंक के मुकाबले 1.31 प्रतिशत मजबूत होकर 60,746.59 अंक पर रहा। इसी तरह निफ्टी 123 अंक चढ़कर 17,910.20 अंक पर खुला। सत्र के दौरान लिवाली होने से यह 18,022.80 अंक के उच्चतम स्तर जबकि बिकवाली के दबाव में यह 17,899.90 अंक के निचले स्तर पर भी रहा। अंत में पिछले सत्र के 17,786.80 अंक की तुलना में 1.27 प्रतिशत की बढ़त लेकर 18,012.20 अंक पर रहा। इस दौरान सेंसेक्स की 26 कंपनियों में तेजी जबकि शेष में गिरावट रही। मुनाफा कमाने वाली प्रमुख कंपनियों में अल्ट्रासिमको 4.18, एचडीएफसी 2.89, सन फार्मा 2.75, महिंद्रा एंड महिंद्रा 2.70, एचडीएफसी बैंक 2.60, , मारुति 0.33, एक्सिस बैंक 0.32 और आईसीआईसीआई बैंक 0.07 प्रतिशत है।

इस रबी सत्र में जीएम-सरसों का खेत में प्रदर्शन-परीक्षण कर सकता है आईसीएआर

नयी दिल्ली। सरकारी कृषि अनुसंधान निकाय आईसीएआर इस रबी सत्र में हाल ही में स्वीकृत जीएम-सरसों हाइब्रिड डीएमएच -11 का खेत में प्रदर्शन (फील्ड डेमो) और परीक्षण कर सकता है। यह तीन साल के भीतर इसे व्यावसायिक उपयोग के लिए उपलब्ध करायेगा। कृषि मामलों के शोध संस्थान 'एनएएसएस' और 'टीएएसएस' के शीर्ष अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी।

25 अक्टूबर को, पर्यावरण मंत्रालय ने ट्रांसजेनिक सरसों हाइब्रिड डीएमएच -11 तथा बार्नेज, बारस्टार और बार जीन युक्त पैतृक लाइनों को 'पर्यावरणीय स्तर पर जारी करने' को मंजूरी दे दी ताकि उनका उपयोग भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) की देखरेख में नए संकर किस्म को विकसित करने के लिए किया जा सके।

नेशनल एकेडमी ऑफ एग्रीकल्चरल साइंसेज (एनएएसएस) के अध्यक्ष त्रिलोचन महापात्र और ट्रस्ट फॉर एडवांसमेंट ऑफ एग्रीकल्चरल साइंसेज (टीएएएस) के अध्यक्ष आर एस परोदा ने एक संयुक्त संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि डीएमएच-11 की पर्यावरण स्तर पर जारी करना एक 'ऐतिहासिक निर्णय' है, जो जीएम खाद्य फसलों को जारी करने के संदर्भ में लंबे समय से चल आ रहे गतिरोध को को खत्म करेगा।

उन्होंने कहा कि आईसीएआर अगले 10-15 दिनों में प्रमुख सरसों उत्पादक राज्यों राजस्थान, हरियाणा, पंजाब और मध्य प्रदेश में डीएमएच-11 का खेत में प्रदर्शन और परीक्षण करने की स्थिति में हो सकता है।

कृषि मंत्रालय के तत्वावधान में आईसीएआर, भारत में कृषि में अनुसंधान और शिक्षा के लिए एक शीर्ष निकाय है। इसके तहत लगभग 111 संस्थान और 71 विश्वविद्यालय कार्य करते हैं।

वर्तमान में भारत में वाणिज्यिक खेती के लिए बीटी-कॉटन एकमात्र गैर-खाद्य फसल है। आगे के परीक्षणों की आवश्यकता के बारे में बताते हुए महापात्र ने कहा कि डीएमएच -11 का कृषि विज्ञान और उपज प्रदर्शन के लिए पहले ही आईसीएआर के भरतपुर स्थित राष्ट्रीय रैपसीड-सरसों पर राष्ट्रीय अनुसंधान केंद्र द्वारा परीक्षण किया जा चुका है, लेकिन केवल सीमित स्थानों पर यह परीक्षण किये गये थे। उस समय, अधिक स्थानों पर इसका परीक्षण नहीं किया जा सका था क्योंकि प्रौद्योगिकी को विनियमित नहीं किया गया था।

उन्होंने कहा कि डीएमएच-11 के पर्यावरण स्तर पर जारी करने के साथ, प्रौद्योगिकी को नियंत्रणमुक्त कर दिया गया है और अब इसका और अधिक स्थानों पर फिर से परीक्षण किया जा सकता है और खेतों में प्रदर्शित किया जा सकता है और साथ ही नई संकर किस्मों को विकसित करने के लिए प्रौद्योगिकी का उपयोग किया जा सकता है।

आईसीएआर के पूर्व महानिदेशक महापात्रा ने संवाददाताओं से कहा, ''तीनों गतिविधियां एक साथ की जाएंगी। आईसीएआर इस रबी सत्र से आसानी से मैदानी प्रदर्शन शुरू कर सकता है।''

उन्होंने कहा कि अभी 10 किलो डीएमएच-11 बीज ही उपलब्ध हैं। चूंकि कम मात्रा में बीज उपलब्ध हैं, पहले इसका उपयोग प्रदर्शन के उद्देश्य से किया जा सकता है, कुछ मात्रा का उपयोग अधिक स्थानों पर खेत परीक्षण के लिए किया जा सकता है।

शार्ट न्यूज

बंगलादेश दौरे के लिये टीम में वापस आए जडेजा

मुंबई। ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा ने दिसंबर में बंगलादेश दौरे के लिए भारत की टेस्ट और एकदिवसीय टीम में वापसी की है। बीसीसीआई ने सोमवार को यह जानकारी दी। जडेजा को एशिया कप के दौरान घुटने में चोट आई थी। वह घुटने की सर्जरी के बाद रिहैब से गुजर रहे हैं, जिसकी वजह से उन्हें टी20 विश्व कप टीम में शामिल नहीं किया गया। तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह भी पीठ की चोट के कारण टी20 विश्व कप से बाहर रहे, हालांकि उन्हें बंगलादेश दौरे के लिये टीम में शामिल नहीं किया गया है। हनुमा विहारी को दो टेस्ट मैचों की शृंखला के लिए टीम से बाहर कर दिया गया है जबकि श्रीलंका के खिलाफ टेस्ट शृंखला से बाहर हुए अजिंक्या रहाणे अब भी टीम में वापस नहीं आए हैं। भारत चार, सात और 10 दिसंबर को मीरपुर में तीन एकदिवसीय मैचों के साथ बांग्लादेश दौरे की शुरुआत करेगा, जिसके बाद चट्टोग्राम (14-18 दिसंबर) और मीरपुर (22-26 दिसंबर) में दो टेस्ट मैच खेले जाएंगे।

सीआईएसएफ आगे, पर गढ़वाल की स्थिति बेहतर

नयी दिल्ली। फुटबाल दिल्ली की सीनियर डिवीज़न लीग की अंक तालिका पर नज़र डालें तो सीआईएसएफ शीर्ष पर चल रही है लेकिन गढ़वाल डायमंड सबसे बेहतर स्थिति में है। फुटबॉल दिल्ली के द्वितीय श्रेणी टूर्नामेंट में फिलहाल नंबर एक पर विराजमान सीआईएसएफ ने चार मैचों में तीन जीत और एक ड्रॉ के साथ 10 अंक हासिल किये हैं। गढ़वाल नौ अंकों के साथ दूसरे स्थान पर है लेकिन उसने अपने तीनों मैच जीते हैं। तीसरे स्थान पर दिल्ली टाइगर्स एफसी है, जिसने चार मैच खेल कर तीन जीत और एक हार के साथ नौ अंक बनाए हैं। गोल अंतर में भी सीआईएसएफ, गढ़वाल और टाइगर्स इसी क्रम में हैं। यूनाइटेड भारत और अहबाब एफसी क्रमश: पांच-पांच अंकों के साथ दौड़ में बने हुए हैं। नये क्लब यूनाइटेड भारत से जिस खेल की उम्मीद थी, वह फिलहाल देखने को नहीं मिला है। कोलकाता के खिलाडियों से सजे सिटी एफसी, अहबाब एफसी और शास्त्री एफसी का खेल उतार चढ़ाव वाला रहा है जबकि यंगमेन और जगुआर एक भी अंक नहीं जुटा सके हैं। इसी बीच, सीआईएसएफ प्रोटेक्टर के हाथों आठ गोल से रौंदे जाने के बाद आलोचना झेल रहे सिटी एफसी ने दिल्ली यूनाइटेड को 2-1 से हराकर अपनी वापसी का संकेत दिया है।

सूर्यकुमार की खामी ढूंढना बेहद मुश्किल

पर्थ। न्यूज़ीलैंड के पूर्व कप्तान स्टीफन फ्लेमिंग ने कहा है कि टी20 विश्व कप में सूर्यकुमार यादव का खेल उस स्तर पर है जहां उनकी खामियां ढूंढना बेहद मुश्किल है। सूर्यकुमार यादव ने रविवार को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टी20 विश्व कप 2022 का अपना दूसरा अर्द्धशतक जड़ा। भारतीय टीम के अन्य बल्लेबाज जहां पर्थ की उछाल भरी पिच पर सिर्फ 57 रन जोड़ सके, वहीं सूर्यकुमार ने 40 गेंदों पर 68 रन की अर्द्धशतकीय पारी खेली। फ्लेमिंग ने ईसपीएन क्रिकइन्फो के कार्यक्रम टी20 टाइमआउट पर रविवार को कहा, सूर्यकुमार की सोच सकारात्मक है। वह विकेट पर बहुत ही आक्रामक रूप से खड़े होते हैं जो उन्हें बहुत सारे असामान्य शॉट खेलने की आजादी देता है। अगर गेंदबाज आगे टप्पा देते हैं तो वह कवर के ऊपर से मार सकते हैं। अगर वे छोटी गेंद फेंकते हैं तो वह थर्ड मैन की ओर खेल सकते हैं। सूर्यकुमार सामने के क्षेत्र में भी मजबूत हैं। उन्होंने एक ऐसी तकनीक अपनाई है जिसमें कमजोरी ढूंढना बहुत मुश्किल है। दक्षिण अफ्रीका के पूर्व कप्तान फाफ डु प्लेसिस ने कहा कि उन्होंने सूर्यकुमार को इतने वृहद शॉट होने के बावजूद कभी घबराते हुए या जल्दबाजी में नहीं देखा।

टकर का शानदार प्रयास, पर ऑस्ट्रेलिया जीती

ब्रिस्बेन। ऑस्ट्रेलिया ने लोर्कान टकर (71 नाबाद) की जुझारू अर्द्धशतकीय पारी के बावजूद आयरलैंड को टी20 विश्व कप 2022 के सुपर-12 मुकाबले में सोमवार को 42 रन से मात दी। ऑस्ट्रेलिया ने ग्रुप-1 के मैच में आयरलैंड को 180 रन का लक्ष्य दिया, जिसके जवाब में आयरलैंड 18.1 ओवर में 137 रन पर ऑलआउट हो गई। ऑस्ट्रेलिया को 20 ओवर में 179 रन तक पहुंचाने के लिये ऐरन फिंच ने 44 गेंदों पर पांच चौकों और तीन छक्कों की मदद से 63 रन बनाये, जबकि स्टॉयनिस ने 25 गेंदों पर तीन चौके और एक छक्का लगाकर 35 रन की पारी खेली। इसके अलावा मिचेल मार्श ने भी 28(22) रन का योगदान दिया। लक्ष्य का पीछा करते हुए आयरलैंड के अन्य बल्लेबाज जहां 20 रन के स्कोर तक भी नहीं पहुंच सके, वहीं टकर ने एकतरफा प्रयास करके आयरलैंड की उम्मीदों को जीवित रखा। तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करने आये टकर ने 48 गेंदों पर नौ चौके और एक छक्का लगाकर नाबाद 71 रन बनाये लेकिन उन्हें किसी का साथ नहीं मिला और आयरलैंड लक्ष्य से 42 रन दूर रह गई। इस जीत के साथ ऑस्ट्रेलिया ग्रुप-1 में दूसरे स्थान पर पहुंच गई है जबकि आयरलैंड चौथे पायदान पर है।

आगामी मुकाबलों से पहले गलतियां सुधारने पर काम करेंगे : हरमनप्रीत

भुवनेश्वर। भारतीय पुरुष हॉकी टीम के कप्तान हरमप्रीत सिंह ने अंतर्राष्ट्रीय हॉकी महासंघ (एफआईएच) हॉकी प्रो लीग में स्पेन के हाथों मिली हार के बाद सोमवार को कहा कि टीम आगामी मुकाबलों से पहले अपनी गलतियों को सुधारने पर काम करेगी। स्पेन ने रविवार को यहां रोमांचक मुकाबले में भारत को 3-2 से मात दी। हरमनप्रीत ने स्वीकार किया कि भारत को मैच खत्म करने के कौशल पर काम करने की जरूरत है। हरमनप्रीत ने कहा, हमने बहुत सारे मौके बनाए थे। हमें पेनल्टी कार्नर भी मिले, लेकिन कभी-कभी उन मौकों को भुनाने पर काम नहीं कर पाते हैं। हमें अगले सप्ताह दो और मैच खेलने हैं, इसलिए उम्मीद है कि हम अवसरों को जीत में बदल सकेंगे। भारत को अपने अगले मैच में चार नवंबर को न्यूजीलैंड का सामना करना है। इससे पहले हरमनप्रीत की टीम प्रो लीग के अपने पहले मुकाबले में न्यूजीलैंड को 4-3 से हरा चुकी है। हरमनप्रीत ने कहा, हम पूरे दबाव के साथ खेलने की कोशिश करते हैं। इसलिए, हम आक्रमण के मौके बना सकते हैं। हम कई पास रोकने और सर्कल में प्रवेश करने में सक्षम थे, लेकिन हम अपनी फिनिशिंग में सुधार कर सकते हैं। भारतीय हॉकी टीम के कप्तान ने कहा कि भुवनेश्वर के कलिंगा स्टेडियम में लगातार हौंसला अफजाई करने के लिए भारतीय प्रशंसकों की प्रशंसा की और कहा इससे टीम को मजबूती मिलती है। उन्होंने कहा, कलिंगा स्टेडियम में एक बार फिर से खेलना बहुत अच्छा था। यह हमारा दूसरा घर है और हमें हमेशा यहां दर्शकों से भारी समर्थन मिलता है।

शंकर, सात्विक-चिराग के लिये बीएआई ने इनाम की घोषणा की

नयी दिल्ली। भारतीय बैडमिंटन संघ (बीएआई) ने विश्व जूनियर चैंपियनशिप में रजत पदक जीतने वाली शंकर मुथुसामी और फ्रेंच ओपन 750 टूर्नामेंट में स्वर्ण जीतने वाली सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी एवं चिराग शेट्टी की पुरुष युगल जोड़ी को पांच-पांच रुपये की पुरस्कार राशि देने की घोषणा सोमवार को की। बीएआई के अध्यक्ष हिमंत बिस्वा सर्मा ने पुरस्कार की घोषणा करते हुए कहा, यह हम सभी के लिए गर्व का क्षण है कि हमारे जूनियर और सीनियर शटलर शीर्ष श्रेणी के खिलाड़ियों को हराकर पोडियम फिनिश सुनिश्चित करते हुए देश का गौरव बढ़ा रहे हैं। सात्विक और चिराग की पुरुष युगल जोड़ी चीनी ताइपे के लू चिंग याओ और यांग पो हान को हराकर फ्रेंच ओपन खिताब जीतने वाली पहली भारतीय युगल जोड़ी बन गई। उन्होंने क्वार्टरफाइनल में विश्व की नंबर एक जोड़ी, जापान के ताकुरो होकी और यूगो कोबायाशी को भी हराया था। पेरिस में ऐतिहासिक स्वर्ण जीतने के लिये इस जोड़ी को पांच लाख रुपये का पुरस्कार दिया जाएगा। दूसरी ओर, पूर्व जूनियर विश्व नंबर एक शंकर मुथुसामी ने चीनी ताइपे के कुओ कुआन लिन के खिलाफ फाइनल में हारकर चांदी का तमगा हासिल किया। वह विश्व जूनियर चैंपियनशिप में पुरुष युगल रजत जीतने वाले केवल दूसरे भारतीय हैं।

कमरे की कथित घुसपैठ पर कोहली, अनुष्का नाराज़

एजेंसी

पर्थ। स्टार भारतीय बल्लेबाज विराट कोहली ने सोमवार को अपने कमरे में कथित घुसपैठ की वीडियो साझा करते हुए कहा कि यह बहुत ही खौफनाक है।

कोहली ने इंस्टाग्राम पर वीडियो साझा करते हुए कहा, मैं समझता हूं कि प्रशंसक अपने पसंदीदा खिलाड़ियों को देखकर बेहद खुश और उत्साहित हो जाते हैं।

मैंने हमेशा इसकी सराहना की है, लेकिन यह वीडियो बहुत ही खौफनाक है और इसने मुझे डरा दिया है। अगर मुझे अपने होटल के कमरे में भी निजता नहीं मिलेगी, तो मैं कहां इसकी उम्मीद कर सकता हूं। मैं इस तरह के पागलपन और निजता के उल्लंघन का बिल्कुल समर्थन नहीं करता।

भारतीय टीम दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सुपर-12 मुकाबले के लिये यहां क्राउन टावर्स होटल में रह रही थी। जब यह वीडियो इंस्टाग्राम पर पोस्ट की गई तब टीम एडिलेड के लिये रवाना हो चुकी थी।

वीडियो में देखा जा सकता है कि एक व्यक्ति कोहली के कमरे में घूम-घूम कर उनके सामान को दिखा रहा है और वीडियो पर होटल में किंग कोहली का कमरा लिखा हुआ है। ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज डेविड वॉर्नर ने कोहली की वीडियो पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा, यह हास्यास्पद और एकदम अस्वीकार्य है। कोहली की पत्नी अनुष्का शर्मा ने भी इस घटना पर नाराज़गी जताते हुए कहा कि यह अब तक का उनका सबसे खराब अनुभव है। अनुष्का ने कहा, कुछ ऐसी घटनाओं का अनुभव किया है जहां कुछ प्रशंसकों ने अतीत में कोई करुणा या गरिमा नहीं दिखाया है, लेकिन यह वास्तव में सबसे बुरी घटना है। यह एक इंसान की निजता का उल्लंघन है, और जिन लोगों को लगता है कि सेलिब्रिटी हो, इस सब का सामना करना पड़ेगा, उसे पता होना चाहिए कि आप भी समस्या का हिस्सा हैं।

विराट कोहली के रूम के वीडियो लीक मामले में क्राउन होटल ने मांगी माफी, कमरे में गए लोगों को बाहर निकाला

नई दिल्ली। विराट कोहली ने सोमवार को एक प्रशंसक द्वारा उनके होटल के कमरे का वीडियो शूट करने और इसे सार्वजनिक करके उनकी निजता का हनन करने की निंदा की। कोहली ने सोशल मीडिया पर वायरल हुए वीडियो को अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक संदेश के साथ फिर से साझा करते हुए कहा कि वह इस तरह की हरकत से खुश नहीं हैं। कोहली द्वारा ये मामला उठाए जाने के कुछ घंटे बाद होटल ने बयान जारी करते हुए माफी मांगी है और ये भी बताया है कि जो भी इस मामले में शामिल था उसे होटल से निकाल दिया गया है। क्राउन रिसॉर्ट्स के प्रवक्ता का बयान, हम इसमें शामिल अतिथि से बिना शर्त माफी मांगते हैं और यह सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक कदम उठाते रहेंगे कि यह एक अलग घटना बनी रहे। इसमें शामिल व्यक्तियों को क्राउन अकाउंट से हटा दिया गया है। मौजूदा टी20 विश्व कप में खेलने के लिए ऑस्ट्रेलिया में मौजूद विराट कोहली ने लिखा, मैं समझता हूं कि प्रशंसक अपने पसंदीदा खिलाड़ियों को देखकर खुश और उत्साहित होते हैं और उनसे मिलने के लिए रोमांचित होते हैं और मैंने हमेशा इसकी सराहना की है। उन्होंने कहा, लेकिन यह वीडियो भयावह है और इससे मैं अपनी निजता को लेकर काफी परेशान महसूस कर रहा हूं। अगर मैं अपने होटल के कमरे में निजता नहीं रख सकता तो फिर मैं कहां निजता की उम्मीद कर सकता हूं? मैं इस तरह के निजता के हनन से खुश नहीं हूं। कृपया लोगों की निजता का सम्मान करें और उनके साथ मनोरंजन की वस्तु की तरह व्यवहार नहीं करें। किंग कोहली के होटल का कमरा नाम के शीर्षक के इस वीडियो में एक आदमी कोहली की निजी चीजों के बीच कमरे में घूमता दिख रहा है। इस वीडियो में कोहली के हेल्थ सप्लीमेंट, जूते, खुला हुआ सूटकेस दिख रहा है जिसमें उनकी भारत की जर्सी, कैप और मेज पर पड़ा चश्मा शामिल है। ऐसा लग रहा है कि जब वीडियो शूट किया गया तब एक से अधिक व्यक्ति कमरे के अंदर थे और वे संभवत: होटल स्टाफ के सदस्य थे।

अफगानिस्तान को लगा बड़ा झटका

हजरतुल्लाह जजई किडनी और पेट की समस्या के कारण टूर्नामेंट से हुए बाहर

नई दिल्ली। अफगानिस्तान के बल्लेबाज हजरतुल्लाह जजई पेट और किडनी की समस्या के कारण ऑस्ट्रेलिया में जारी टी20 विश्व कप 2022 से बाहर हो गए हैं। अफगानिस्तान के स्टार बल्लेबाज ने टी20 वर्ल्ड कप में इंग्लैंड के खिलाफ हुए मैच में 7 रन बनाए थे, जिसके बाद टीम के न्यूजीलैंड और आयरलैंड के खिलाफ होने वाले मुकाबले बारिश की वजह से रद्द हो गए। हालांकि इस दौरान हजरतुल्लाह जजई अपनी सेहत से जूझ रहे थे। हजरतुल्लाह जजई के रिप्लेसमेंट के रूप में गुलबदीन नायब को 15 सदस्यीय टीम में शामिल किया गया है। जजई के बाहर होने से अफगानिस्तान की सलामी जोड़ी टूट गई है, जिसकी कमी टीम को खलेगी। गुरबाज और जजई अफगानिस्तान को अच्छी शुरुआत दिलाने में माहिर है और पिछले कुछ मैचों में इस जोड़ी ने अच्छा प्रदर्शन किया था।

गुलबदिन रिजर्व खिलाड़ी के रूप में टीम के साथ जुड़े हुए थे। जजाई पेट की मांसपेशियों में खिंचाव के कारण टूर्नामेंट से बाहर हुए हैं। अफगानिस्तान की टीम को सुपर 12 चरण में पहली जीत का इंतजार है। टीम ग्रुप एक में छह टीम के बीच अंतिम स्थान पर चल रही है। टीम के दो अंक हैं जो उसे दो मैच बारिश की भेंट चढ़ने से मिले हैं।

मोहम्मद नबी की अगुआई वाली टीम सुपर 12 चरण के अपने चौथे मैच में मंगलवार को श्रीलंका से भिड़ेगी।

न्यूज़ीलैंड टी20 दौरे पर पांड्या करेंगे भारत की कप्तानी

मुंबई। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने न्यूज़ीलैंड के खिलाफ होने वाली टी20 शृंखला के लिये हार्दिक पांड्या को भारत की कप्तानी सौंपी है। बीसीसीआई ने सोमवार को टीम की घोषणा करते हुए बताया कि इस दौरे में होने वाली एकदिवसीय शृंखला में शिखर धवन टीम की कप्तानी करेंगे, जबकि ऋषभ पंत दोनों सीरीज में उप-कप्तान होंगे। न्यूजीलैंड दौरे के लिये पूर्णकालिक कप्तान रोहित शर्मा, विराट कोहली और के एल राहुल को आराम दिया गया है। टी20 विश्व कप में भारत के लिये फिनिशर की भूमिका निभाने वाले अनुभवी विकेटकीपर बल्लेबाज दिनेश कार्तिक को टीम में शामिल नहीं किया गया है।

बांग्लादेश के खिलाफ ऋषभ पंत की एंट्री पक्की

नई दिल्ली। आईसीसी टी20 वर्ल्ड कप 2022 में रविवार (30 अक्टूबर) को भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच मैच खेला गया। दक्षिण अफ्रीकी पारी के दौरान विकेटकीपिंग के समय दिनेश कार्तिक पीठ दर्द से परेशान नजर आए थे, जिसके बाद उन्हें मैदान छोड़कर जाना पड़ा था और उनकी जगह ऋषभ पंत ने विकेटकीपिंग की थी। अब भारत को अपना अगला मुकाबला 2 नवंबर को बांग्लादेश के खिलाफ एडिलेड में खेलना है, जहां दिनेश कार्तिक का खेलना फिलहाल काफी मुश्किल नजर आ रहा है। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मिली हार के बाद भुवनेश्वर कुमार ने भी दिनेश कार्तिक की चोट पर अपडेट दिया था। मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेन्स में भुवी ने कहा, उसको (दिनेश कार्तिक) बैक में कुछ दिक्कत थी और मैं मैच के बाद उससे मिला नहीं हूं। हम जब होटल लौटेंगे तो मैं उससे बात करूंगा और फिर फीजियो की रिपोर्ट का इंतजार करेंगे हम। दिनेश कार्तिक की इंजरी को लेकर अभी तक भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) की ओर से कोई अपडेट नहीं आया है।

वहीं ऋषभ पंत को ऐसे में प्लेइंग इलेवन में जगह मिलती नजर आ रही है।

टीम इंडिया में मौजूदा समय में दो ही लेफ्ट हैंडर बल्लेबाज हैं, एक पंत और दूसरे अक्षर पटेल। ऐसे में पंत के आने से टीम को बेहतर संतुलन मिल सकता है। वहीं दिनेश कार्तिक ने अभी तक इस टी20 वर्ल्ड कप में बैट से भी कुछ खास कमाल नहीं किया है। अब इंजरी के बाद तो उनका टीम से बाहर होना तय नजर आने लगा है।

कभी बूट पॉलिश करते थे लूला दा सिल्वा

जैर बोलसोनारो को हराकर तीसरी बार बने ब्राजील के राष्ट्रपति

साओ पाउलो। ब्राजील में हुए राष्ट्रपति चुनाव में भारत की तारीफ करने वाले जैर बोलसोनारो को हार का सामना करना पड़ा। वामपंथी नेता लूला दा सिल्वा ब्राजील के नए राष्ट्रपति चुने गए हैं। हालांकि बोलसोनारो की हार का अंतर बहुत ही कम था। लगभग तीन दशक के बाद ऐसा हुआ कि कोई राष्ट्रपति दूसरे कार्यकाल के लिए नहीं चुना गया। वहीं 30 साल में यह सबसे नजदीकी लड़ाई भी थी।

सजा ही बन गई वरदान

दा सिल्वा के लिए उनकी सजा ही वरदान बन गई। साल 2018 में उन्हें वोटिंग से रोक दिया गया था। भ्रष्टाचार के आरोपों में उन्हें जेल भेज दिया गया था। ब्राजील मीडिया की मानें तो लूला की परवरिश एक गरीब परिवार में हुई थी। उनके पिता एक किसान थे और वह कुल 7 भाई-बहन थे। जब वह सात साल के थे तभी उनका परिवार रोजी रोटी की तलाश में ब्राजील के औद्योगिक केंद्र साओ पॉलो आ गया था।

मूंगफली बेचते थे लूला

लूला राजनीति में आने से पहले 14 साल की उम्र तक धातु का काम करते थे। उन्होंने जूते पॉलिश करने और मूंगफली बेचने का काम भी किया। 1960 में काम के दौरान ही दुर्घटना में उनकी एक उंगली कट गई थी। 1970 में सेना के तानाशाही शासन के दौरान ही उन्होंने राजनीति में कदम रखा। 1980 में उन्होंने वर्कर्स पार्टी बनाई। पार्टी बनाने के 9 साल बाद ही वह राष्ट्रपति पद की रेस में आ गए।

कैसे चढ़ीं राजनीति की सीढ़ियां

1989 से 1998 तक लूला ने तीन बार राष्ट्रपति चुनाव लड़ा लेकिन हर बार हार का सामना करना पड़ा। साल 2002 ममें वह वह पहली बार राषट्रपति बने। लूला की दो पत्नियों की मौत हो गई। उन्होंने 72 साल की उम्र में फिर से शादी की। 2003 से 2010 के बीच कार्यकाल के दौरान दा सिल्वा ने एक सोशल वेलफेयर प्रोग्राम चलाया जिसका बड़े स्तर पर प्रभाव पड़ा। ब्राजील की अर्थव्यवस्था को भी गति मिली।

लूला की दुनिया के लोकप्रिय नेताओं में गिनती होती थी। दा सिल्वा को मनी लॉन्ड्रिंग और भ्रष्टाचारा के मामले में 580 दिन जेल में रहना पड़ा। बाद में ब्राजील के सुप्रीम कोर्ट ने उन्हें निर्दोष करार दिया और उन्हें रिहा कर दिया गया।

चीन की आईफोन सिटी में कोरोना बेकाबू; लॉकडाउन में भोजन तक की किल्लत, चहारदीवारी कूदकर भाग रहे वर्कर

बीजिंग। चीन के झेंगझोऊ शहर में कोरोना वायरस का संक्रमण एक बार फिर से तेजी से बढ़ रहा है। इंफेक्शन की चेन को रोकने के लिए चीनी प्रशासन की ओर से यहां लॉकडाउन लगा दिया गया है। देश के सबसे बड़े आईफोन फैक्ट्री के तौर पर मशहूर झेंगझोऊ में दहशत का माहौल है। आलम यह है कि शहर में काम करने वाले प्रवासी मजदूर यहां से भाग रहे हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, कामगारों ने भागने के लिए एप्पल की सबसे बड़ी असेंबली साइट को तोड़ दिया है। ये लोग झेंगझोऊ के फॉक्सकॉन में लगे जीरो कोविड लॉकडाउन से बचकर भाग रहे हैं। यहां से चुपके से बाहर निकलने के बाद कई लोग तो 100 किलोमीटर से भी अधिक दूर स्थित अपने घर को पैदल ही जा रहे हैं। ये लोग कोरोना के संक्रमण को फैलने से रोकने को लेकर बनाए गए ऐप से भी बचकर निकल रहे हैं। चीनी सोशल मीडिया पर ऐसे कई वीडियो शेयर किए जा रहे हैं जिसमें लोगों को प्लांट की चहारदीवारी से कूदते देखा जा सकता है। यह प्लांट झेंगझोऊ की सेंट्रल सिटी में स्थित फॉक्सकॉन का है। कुछ दिनों पहले यह खबर आई थी कि संक्रमण को रोकने के लिए कई कामगारों को क्वारंटीन कर दिया गया है। लोगों को एक-दूसरे से मिलने से रोका जा रहा है।

मस्क ने कर्मचारियों की छंटनी से किया इंकार

न्यूयार्क। एलन मस्क ने उन मीडिया रिपोर्ट्स का खंडन किया है जिसमें कहा गया है कि वेतन भुगतान करने से बचने के लिए वह ट्विटर से कर्मचारियों की छंटनी करने की योजना बना रहे है। मस्क, जिन्होंने इलेक्ट्रॉनिक भुगतान फर्म पेपल की स्थापना के साथ लॉन्च वाहनों और अंतरिक्ष यान निर्माण स्पेस-एक्स का गठन किया है। वह इलेक्ट्रिक कार निर्माता टेस्ला के मुख्य कार्यकारी अधिकारी होने के साथ-साथ अब सोशल मीडिया नेटवर्क ट्विटर के मालिक भी है। मस्क ने महीनों की जद्दोजहद और कानूनी दांवपेंच के बाद पिछले सप्ताह 44 अरब डालर वाले सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्विटर पर अधिग्रहण किया था। न्यूयार्क टाइम्स में छपी एक रिपोर्ट के अनुसार उन्होंने बड़े पैमाने पर ट्विटर के कर्मचारियों की छंटनी का आदेश दिया है। अखबार के अनुसार छंटनी एक नवंबर से पहले होगी। श्री मस्क ने हालांकि इस रिपोर्ट का खंडन किया है। ट्विटर के अधिग्रहण के बाद कुछ लोगों ने चिंता व्यक्त की थी कि मस्क की नीतियों से ट्विटर पर अभद्र भाषा या दुष्प्रचार के लिए प्रतिबंधित लोगों की वापसी हो सकती है। श्री मस्क हालांकि पहले ही कह चुके हैं कि वह नहीं चाहते कि सोशल मीडिया का यह मंच नफरत और विभाजन का कारण बने। न्यूयॉर्क टाइम्स की नौकरी में कटौती की रिपोर्ट का खंडन करने के बाद मस्क ने न्यूयॉर्क टाइम्स की एक हेडलाइन का एक स्क्रीन शॉट ट्वीट किया, जिसमें उन्होंने 'झूठी खबरें प्रकाशित करने के लिए जानी जाने वाली साइट' का लिंक पोस्ट किया था।

ट्विटर के सत्यापन कार्यक्रम में नए बदलाव

सैन फ्रांसिस्को। ट्विटर के स्वामी एलन मस्क कथित तौर पर कुछ यूजर्स को प्रतिष्ठित ब्लू टिक का इस्तेमाल जारी रखने के लिए शुल्क बढ़ाने पर विचार कर रहे हैं। मीडिया रिपोर्ट्स में यह जानकारी सामने आयी है। सोशल मीडिया न्यूजलेटर प्लेटफॉर्मर ने बताया कि श्री मस्क ने गुरुवार को ट्विटर का अधिग्रहण करने के बाद अधिकारियों से मौजूदा सत्यापित उपयोगकर्ताओं से प्रति माह 4.99 डॉलर से अधिक शुल्क लेने के लिए एक कार्यक्रम की शुरुआत करें जो वर्तमान में वे अपने ब्लू टिक के लिए भुगतान कर सकते हैं। जेडडीनेट की रिपोर्ट के अनुसार, श्री मस्क ट्विटर के मौजूदा ब्लू प्रोग्राम को बदलने का विचार कर रहे हैं जिसमें प्रति माह 4.99 डॉलर का भुगतान कर उपयोगकर्ता अधिक फिचर्स का लाभ उठा सकते हैं लेकिन इसमें प्रचार शामिल है। वर्तमान में यह ऑस्ट्रेलिया, कनाडा, न्यूजीलैंड और अमेरिका में उपलब्ध है। ट्विटर ने इसमें जुलाई माह में परिवर्तन किया था जो प्रतिमाह 2.99 डॉलर था। द वर्ज के अनुसार, ट्विटर नए ब्लू टिक के लिए 19.99 डॉलर वसूल सकता है जबकि पहले से ही सत्यापित उपयोगकर्ता को 90 दिनों में इसका भुगतान करना होगा।

श्रीलंका में अवैध शराब के धंधे में 300 फीसदी का उछाल

कोलंबो। विषम आर्थिक परिस्थितियों का सामना कर रहे श्रीलंका में हाल के दिनों में अवैध शराब के कारोबार में 300 फीसदी तक की बढ़ोत्तरी दर्ज की गयी है। वित्त मंत्री रंजीत सियाम्बलपतिया ने सोमवार को जारी एक बयान में कहा कि अवैध शराब के काले कारोबार में कुछ लाइसेंस प्राप्त उद्यमी भी शामिल हैं। मंत्री के हवाले से अखबार 'द आइलैंड' ने कहा कि झाड़ियों से घिरे ग्रामीण इलाकों में अवैध शराब का धंधा चरम पर है। अवैध शराब के कारोबार में आबकारी लाइसेंस प्राप्त उद्यमी भी शामिल हैं। आबकारी अधिकारी संघ की वार्षिक आम बैठक को संबोधित करते हुए मंत्री ने शुक्रवार को कहा था कि हाल ही में विश्व स्वास्थ्य संगठन की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि देश में अवैध शराब उद्योग में 300 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।

मोरबी पुल हादसे पर रूस के राष्ट्रपति पुतिन ने जताया शोक, घायलों के जल्द स्वस्थ होने की कामना की

नई दिल्ली। रूस के राष्ट्रपति ब्लादिमीर पुतिन ने गुजरात के मोरबी शहर में पुल हादसे में मारे गए लोगों के परिवारों के प्रति संवेदना जाहिर की है। इस हादसे में अब तक 134 लोगों की मौत हो चुकी है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लिए सोमवार को क्रेमलिन वेबसाइट पर प्रकाशित संदेश में पुतिन ने कहा, माननीय राष्ट्रपति, माननीय प्रधानमंत्री, कृपया गुजरात राज्य में दुखद पुल हादसे के प्रति मेरी संवेदना स्वीकार करें।

रूस की एक समाचार एजेंसी टीएएसएस के मुताबिक, पुतिन ने हादसे में जान गंवाने वाले पीड़ितों के प्रियजनों व दोस्तों के प्रति सहानुभूति और समर्थन व्यक्ति किया। साथ ही उन्होंने सभी घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। वहीं, रूसी राजदूत डेनिस अलीपोव ने भी इस हादसे पर शोक जताया है। उन्होंने कहा, कल मोरबी में भयानक त्रासदी हुई! मरने वालों के परिजनों, प्रधानमंत्री मोदी और भारत और गुजरात के सभी लोगों के प्रति गहरी संवेदना! घायलों के शीघ्र स्वास्थ होने की कामना करता हूं!

नेपाल के प्रधानमंत्री ने जताई संवेदना

नेपाल के प्रधानमंत्री शेर बहादुर देउबा ने भी मोरबी में हुए पुल हादसे पर संवेदना जताई है। पीएम देउबा ने कहा, मैं गुजरात के मोरबी में हुए पुल हादसे से बहुत दुखी हूं।

इस हादसे में कीमती जिंदगियां जाने पर भारत सरकार और भारत के लोगों के प्रति हम हार्दिक संवेदनाएं व्यक्त करते हैं। हमारी संवेदनाएं और प्रार्थनाएं शोक संतप्त परिवारों के साथ हैं।

मंगलवार को मोरबी जाएंगे पीएम मोदी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी मंगलवार को मोरबी जाएंगे। इस समय गुजरात का दौरा कर रहे मोदी ने पुल टूटने की घटना में मारे गए लोगों को श्रद्धांजलि दी।

उन्होंने कहा कि मैं केवडिया में हूं लेकिन मेरा मन मोरबी पुल हादसे में मरने वाले लोगों से जुड़ा हुआ है। प्रधानमंत्री ने कहा कि देशभर के कलाकारों को केवडिया में पारंपरिक नृत्य की प्रस्तुति देनी थी, लेकिन मौजूदा हालात को देखते हुए इसे रद्द कर दिया गया है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, प्रवीण कुमार सिंह द्वारा आला प्रिंटिंग प्रेस 3636 कटारा दिना बेग लाल कुआं... से मुद्रित एवं , ब्लाक नं 23 मकान नं 399 त्रिलोक पुरी दिल्ली -91 से प्रकाशित
संपादकः प्रवीण कुमार सिंह, आरएनआई नं. ·DELHIN/2011/38334, किसी भी विवाद के लिए पीआरबी एक्ट अंतर्गत उत्तरदायी, टेलीफोन नं.: 011-26700510/11 , ई-मेल : info@gauravshalibharat.com, समस्त विवादो का न्यायलय दिल्ली होगा

ठंडे मौसम का गर्म फैशन

"विंटर में आप मोनोक्रोम ड्रेसेस (सिंगल कलर की ड्रेस) या मिक्स एण्ड मैच दोनों तरह की ड्रेसिंग स्टाइल को ट्राय कर सकते हैं। मिनी स्कर्ट के साथ लैगिंग्स का कॉम्बिनेशन लुक में लाजवाब होता है। लैगिंग्स के फेब्रिक में चैंज चाहने वाले फैशन प्रेमी ऊनी लैगिंग्स भी ट्राय कर सकते हैं।

ठंड ने न केवल दस्तक दे दी है बल्कि यह अपना असर भी दिखाने लगी है। फैशन के लिहाज से यह मौसम युवाओं के लिए अनुकूल होता है। और इसमें में भी यदि बात वूलन फैशन की हो तो क्या कहने। लेदर के साथ ही युवाओं में वूलन के प्रति क्रेज बना हुआ है। प्रस्तुत हैं वूलन फैशन को लेकर कुछ उपयोगी जानकारियां :-

वूलन में देखिए फील गुड फैक्टर

➤ वूलन बहुत ही ड्यूरेबल होते हैं। इनमें इतने कलर्स और डिफरंट पैटर्न की डिजाइन उपलब्ध हैं कि इन्हें ट्राई कर आप अपना एक बहुत ही सॉफ्ट, हॉट और स्टाइलिश फैशन स्टेटमेंट बना सकते हैं। चाहे मफलर हो, स्वेटर हो या फिर कैप ही क्यों न हो ये खूबसूरत लगते हैं।

इसलिए अपने रंग के अनुसार कलर चुनें और अपनी सुविधा का सबसे ज्यादा खयाल रखें। यानी फैशन का अंधानुकरण न करें। जो आप पर फबे, जचे और सुविधाजनक लगे वही फैशन अपनाएं।

➤ आप स्वेटर खरीदें या मफलर ये जरूर देख लें कि फेब्रिक की कम्पोजिशन क्या है। लेबल देखें। सही साइज देखें और सुनिश्चित कर लें कि यह आपके लिए सूटेबल है।

➤ यह ध्यान से देखें कि आप जो खरीद रहे हैं वह वेल मेड है कि नहीं। टॉप स्टीचिंग इवन होने चाहिए। लाइनिंग में पिकरिंग न हो। और किसी भी तरह का कोई लूज थ्रेड न हो। इन बातों का खास खयाल रखें।

➤ आप जिस फेब्रिक को खरीद रहें, क्या वह पहनने और चलने के बाद नाइसली फ्लो हो रहा है? क्या फेब्रिक का वेट आपको ठीक लग रहा है?

➤ ध्यान रखें कि आपने जो भी चीज खरीदी है वह आपकी बॉडी अगेंस्ट फील गुड करा रही है या नहीं। वह चुभने वाली या गड़ने वाली न हो।

स्कर्ट के साथ शार्ट जैकेट की बजाय थ्री फोर्थ या लांग जैकेट पहनें। लांग जैकेट को आप साड़ी सूट, शर्ट आदि के साथ भी पहन सकते हैं। शॉल की बजाय स्टोल लुक व उपयोग दोनों के लिहाज से बेहतर माने जाते हैं।

इस सीजन में दो डिफरेंट रंगों के कॉम्बिनेशन को ट्राय करें। अर्दी शेड वाली ड्रेस पर ब्राइट कलर का फंकी जैकेट या स्कार्फ ट्राय करें।

एक्सपर्ट व्यू

विंटर में जंपर्स का कोई विकल्प नहीं है। कूल और कंफर्टेबल जंपर्स को आप कोट के साथ भी पहन सकते हैं। ब्लैक कोट का फैशन इस बार भी विंटर में इन रहेगा। ब्लैक कोट के साथ आप ऑरेंज, रेड और ग्रीन कलर का स्कार्फ या मफलर ट्राय कर ट्रेंडी लुक पा सकते हैं। फेब्रिक में शिमर के साथ ही मैटल और प्लास्टिक शाइन वाले फेब्रिक्स को ट्राय किया जा सकता है। पोल्का डॉट्स, अलग-अलग नेक पैटर्न्स वाले फर और फेदर के जैकेट, एनिमल प्रिंट्स आदि की डिमांड इस सीजन में खूब रहेगी।

इक बंगला बने न्यारा...

नए घर का निर्माण, वास्तु के अनुसार

➤ भूखंड पर किसी भी प्रकार का जल संसाधन लगवाना हो तो इसके लिए सदैव (हैण्डपम्प, कुंआ, जेटपम्प आदि के लिए) उत्तर-पूर्व दिशा अर्थात ईशान कोण ही सही रहता है।
➤ भवन में खिड़कियां तथा रोशनदानों के निर्माण का प्रमुख उद्देश्य घर में शुद्ध वायु का आगमन है।
➤ खिड़कियां तथा रोशन दानों का निर्माण सदैव दरवाजे के पास ही करें।
➤ दरवाजे के सामने या बराबर में खिड़कियां होने से चुंबकीय चक्र पूर्ण हो जाता है, जिससे भवन में सुख-शांति का वास होता है।
➤ खिड़की तथा रोशनदानों के निर्माण के लिए पूर्व, पश्चिम तथा उत्तर दिशा श्रेष्ठ एक शुभ फलदायक होती है।
➤ वायु प्रदूषण से बचाव के लिए घरों में शुद्ध वायु जिन दिशाओं से प्रवेश करे उनके विपरीत दिशाओं में एक्जॉस्ट फैन लगवाएं।
➤ भवन के उस भाग में जहां दो दीवारें मिलती हैं, खिड़कियां तथा रोशनदानों का निर्माण वहां न करवाएं। यह अशुभकारी निर्माण होता है।
➤ जब कोई व्यक्ति मुख्यद्वार में प्रवेश करता है तो मुख्य द्वार से निकलने वाली चुम्बकीय तरंगें उसकी बुद्धि को प्रभावित करती हैं।
➤ द्वार का भी सही दिशा में बनवाना आवश्यक है।
➤ प्रवेश द्वार सदैव अंदर की ओर खुलना चाहिए।
➤ प्रवेश द्वार दो पल्लों में हो तो बहुत ही उत्तम है।
➤ द्वार स्वतः ही खुलना व बंद होना नहीं चाहिए।

जायकेदार बादाम-पिस्ते का हलवा

समग्रीः- 100 ग्राम बादाम गिरी, 100 ग्राम पिस्ता, 150 ग्राम सूखी मलाई, 125 ग्राम मावा, 300 ग्राम शक्कर, 3-4 केसर लच्छे, हरी इलायची पावडर आधा चम्मच, 1 बड़ा चम्मच गुलाब जल, 125 ग्राम देशी घी।

विधिः- सर्वप्रथम मावे को दबा कर छलनी से मोटा-मोटा छान लें और मलाई की पतली स्ट्रिप्स काट लें। हलवा बनाने से 6-8 घंटे पूर्व बादाम पानी में भिगो दें।

तत्पश्चात बादाम के छिलके उतार कर मिक्सी में पीस लें। अब पिस्ता भी रवेदार पीस लें। कड़ाही में घी गरम कर बादाम को पानी सूख जाने तक भूनें। फिर पिस्ता डालकर तब तक सेकें, जब तक सिंकने की खुशबू न आए। अब इसमें मावा मिलाएं और थोड़ी देर और सेंक लें। मलाई डालकर 5 मिनट सेंकें। जब सिंकने की खुशबू आने लगे तब आंच से उतारें और केसर-इलायची व गुलाब जल मिला दें। शक्कर की 2 तार की चाशनी बना लें, इसमें मिश्रण डालें और गरमा-गरम मेवे का हलवा पेश करें।

पौष्टिक बादाम मिल्क

सामग्रीः- एक लीटर गाढ़ा दूध, 25 भीगे हुए बादाम, 100 चम्मच चीनी, आधा चम्मच इलायची पावडर, केसर कुछेक लच्छे।

विधिः- रात को भिगोए हुए बादाम का छिलका निकाल कर उसे मिक्सी में महीन पीस लें। एक कटोरी में थोड़ी मात्रा में दूध लेकर उसमें केसर भिगो दें। दूध को थोड़ी देर तक उबालें, फिर उसमें बादाम का पेस्ट मिलाइए। दूध को धीरे-धीरे हिलाते रहें ताकि वो तले पर चिपके नहीं। बादामयुक्त दूध को 20-25 मिनट तक पकाएं, फिर शक्कर डालें और थोडी देर तक पकाएं। अब इलायची और केसर घोल मिलाएं। गिलासों में भरकर बादाम का पौष्टिक दूध पेश करें। प्रचुर मात्रा में आयरन और कैल्शियम वाला यह दूध आपके शरीर के लिए फायदेमंद है।